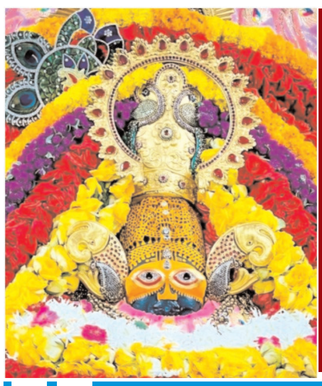

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:258। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 10 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का गठन

शुभेंदु अधिकारी संग पांच मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता आयोजित समारोह में मौजूद रहे। भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। नई भाजपा सरकार की पहली मंत्रिपरिषद में उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समाज के नेताओं को भी जगह मिली है। शुभेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं। हालांकि, अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। दिलीप घोष ने खड़गपुर सदर, अग्निमित्रा पाल ने आसनसोल दक्षिण, अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर, क्षुदिराम टुडू ने रानीबांध और निशीथ प्रमाणिक ने माथाभांगा सीट से जीत दर्ज की है।

● **हालांकि, अभी पूरी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शुभेंदु अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे।**

मिथुन चक्रवर्ती ने राजनाथ सिंह-योगी आदित्यनाथ के छुए पैर, अमित शाह को लगाया गले

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शनिवार को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कई ऐसे दृश्य देखने को मिले, जिनकी चर्चा अब सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने भी शिरकत की। दरअसल, शपथ ग्रहण समारोह में मिथुन चक्रवर्ती का लुक काफी हटकर था। उन्होंने कुर्ता-पायजामा के साथ गले में शॉल और सिर पर लाल रंग की कैप लगाई हुई थी। मंच पर आते ही उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पैर छुए, हालांकि राजनाथ ने उन्हें ऐसा करने से रोका और फिर हाथ मिलाया। इसके बाद उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को गले लगाया, जिसका वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। राजनाथ और अमित शाह से मिलने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से हाथ मिलाया और फिर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिले। इस दौरान उन्होंने नायडू के भी पैर छूने की कोशिश की, लेकिन नायडू ने उन्हें रोका और हाथ मिलाते हुए मुस्कुराहट के साथ बात की। आगे बढ़ते हुए वह भाजपा नेता जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिले।

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के गठन को मोदी ने ऐतिहासिक दिन बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के गठन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि नौ मई 2026 का दिन इतिहास में ''नई उम्मीद, सम्मान और सुशासन'' के अध्याय के रूप में याद रखा जाएगा। मोदी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात रही। प्रधानमंत्री ने कहा, ''9 मई 2026 का दिन इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस के रूप में दर्ज होगा। यह दिन नई आशा, गरिमा और सुशासन के नए अध्याय के वादे के साथ हमेशा याद रखा जाएगा। कोलकाता के प्रतिष्ठित 'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में, भाजपा सरकार ने शपथ ग्रहण की। मुझे और मेरे साथ कई अन्य लोगों को इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह ''पोइला बैसाख'' के अवसर पर और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के दिन होना ''सुखद संयोग'' है। इस समारोह में गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके कालजयी शब्दों ने लंबे समय से राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है और उनकी दूरदृष्टि भारत की विकास यात्रा को निरंतर आलोकित कर रही है।'

पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा, समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसरः नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर सुवेंदु अधिकारी को सफल कार्यकाल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन सरकार' की शक्ति के साथ पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा और समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसर है तथा 'सोनार बांग्ला' के साझा संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सुवेंदु अधिकारी के सशक्त नेतृत्व में पश्चिम बंगाल दशकों के भ्रष्टाचार, कुशासन और अव्यवस्था से मुक्त होकर सुशासन, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। दलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक को पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। दशकों की प्रतीक्षा के बाद आज राज्य में सुशासन, विकास और जनविश्वास के एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के संकल्पों को पूरी निष्ठा से साकार करेगी।

धर्म के नाम पर 'ब्लैकमेलिंग' का सबसे बड़ा नेक्सस बेनकाबः जैन मुनि को फंसाने वाली घिनौनी साजिश का पर्दाफाश!

महानगर मेट्रो के बारे में अफवाह फैलाने वाले किसी भी साजिशकर्ता को बख्शा नहीं जाएगाः पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबादः ईडर से एक ऐसा खौफनाक और चौंकाने वाला सच सामने आया है, जिसने पूरे जैन समाज की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है। यह सिर्फ आरोप नहीं, बल्कि आस्था की आड़ में पनप रहे एक 'वसूली सिंडिकेट' का कच्चा चिट्ठा है। इस संगठित गिरोह ने जैन संतों की पवित्र छवि को मिट्टी में मिलाने और करोड़ों रुपये ऐंठने की खौफनाक साजिश रची थी। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने आज इस महा-घोटाले और इसके पीछे छिपे सफेदपोश चेहरों को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है।

हनीट्रैप का जाल और ब्लैकमेलिंग का गंदा खेल

यह पूरी खौफनाक साजिश जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज को निशाना बनाकर बुनी गई थी। सूत्रों और जांच रिपोर्टों के अनुसार, मुनि को एक मनगढ़ंत 'हनीट्रैप' मामले में फंसाने के लिए एक बेहद शातिर जाल बिछाया गया और उनके खिलाफ एफआईआर तक दर्ज करा दी गई। इस घटना ने शुरुआत में पूरे जैन समाज में दहशत और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया था।

लेकिन, पुलिस की गहरी तफ्तीश के सामने झूठ का यह महल ताश के पत्तों की तरह ढह गया। जांच में साफ हो गया कि इस पूरी साजिश का इकलौता मकसद मुनि पर दबाव बनाकर करोड़ों की भारी-भरकम रकम ऐंठना था।

हलफनामे ने फाड़ा झूठ का नकाब, सामने आया सच

इस महा-षड्यंत्र में सबसे बड़ा धमाका तब हुआ जब शिकायतकर्ता किरण हर्षदभाई दोशी और उनकी पत्नी ने अधिकारियों के सामने एक हलफनामा पेश किया।

इस हलफनामे ने सिंडिकेट की पोल खोल दी। शिकायतकर्ताओं ने खुद कबूल किया कि यह पूरा नाटक सिर्फ और सिर्फ पैसों के लालच में रचा गया था। पुलिस और न्यायपालिका की पारदर्शी जांच के बाद, जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज बेदाग और पूरी तरह निर्दोष साबित हुए हैं। इस एक्सपोज़ में ब्लैकमेलिंग गिरोह के मुख्य किरदारों के नाम सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, जगत पारेख, विक्रम सिंघवी, हार्दिक हुडिया और विक्रम बाफना जैसे नाम इस घिनौनी साजिश से जुड़े हैं। यह

सिंडिकेट जैन समाज के प्रतिष्ठित लोगों को टारगेट करके धन उगाही का काला कारोबार चलाता है।

एक्सपोज़ से बौखलाया सिंडिकेट, 'महानगर मेट्रो' पर कीचड़ उछालने की नाकाम कोशिश

जब महानगर मेट्रो ने निडर पत्रकारिता करते हुए इस ब्लैकमेलिंग रैकेट की धज्जियां उड़ाईं और इनका असली चेहरा बेनकाब किया, तो यह पूरा गिरोह तिलमिला उठा। अपनी काली करतूतों पर पर्दा डालने और सच की आवाज को दबाने के लिए इस सिंडिकेट ने एक नई और ओछी चाल चली।

चैनल की बेदाग साख को नुकसान पहुंचाने के लिए, इन साजिशकर्ताओं ने महानगर मेट्रो को 'बिकाऊ' बताते हुए झूठी अफवाहें फैलाना शुरू कर दिया है। यह उनकी हार और छटपटाहट का सीधा सबूत है।

'अफवाह फैलाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे' - पवन माकन की दो टूक चेतावनी

सिंडिकेट की इन गीदड़ भभकियों और झूठे प्रोपेगेंडा पर महानगर मेट्रो के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने बेहद कड़ा और आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने ब्लैकमेलर्स को खुली चेतावनी देते हुए कहा हैः 'महानगर मेट्रो न कभी झुका है, न कभी बिकेगा। जिन लोगों ने धर्म को अपनी काली कमाई का जरिया बनाया है, अब उनकी उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। अपनी पोल खुलते देख जो लोग 'महानगर मेट्रो' के खिलाफ झूठी अफवाहें फैला रहे हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। हम ऐसे ब्लैकमेलर्स की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। इस पूरे नेक्सस को जड़ से उखाड़ फेंकने और दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने तक हमारा यह महा-अभियान जारी रहेगा। '

जैन समाज में उबालः 'दोषियों को मिले सख्त सजा '

इस महा-खुलासे के बाद पूरे जैन समाज में भारी आक्रोश का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। समाज के दिग्गजों और आम लोगों ने इसे केवल एक संत पर नहीं, बल्कि 'जैन धर्म की पवित्रता, गरिमा और आस्था पर सबसे बड़ा आतंकी हमला' करार दिया है।

पूरे देश से अब एक ही मांग उठ रही है– इस पूरे सिंडिकेट और इसमें शामिल हर एक सफेदपोश चेहरे को बेनकाब कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

महानगर मेट्रो समाज के साथ खड़ा है। मुनिराज का निर्दोष साबित होना सत्य की पहली जीत है, लेकिन इन साजिशकर्ताओं के खिलाफ असली और आर-पार की लड़ाई अब शुरू हो चुकी है!

दक्षिण भारत में भाजपा को मजबूत करने वाले महानायक हैं येदियुरप्पा : अमित शाह

'कर्नाटक में भाजपा के संगठन को मजबूत करने में येदियुरप्पा का योगदान अतुलनीय है।'

एजेंसी

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शनिवार को चित्रदुर्ग में आयोजित 'बीएसवाई अभिमानोत्सव' कार्यक्रम भव्य और ऐतिहासिक माहौल में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा के संगठन को मजबूत करने में येदियुरप्पा का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा ने शून्य से शुरुआत कर पार्टी को खड़ा किया और दक्षिण भारत में भाजपा की पहली सरकार बनने में निर्णायक भूमिका निभाई। गृह मंत्री ने कहा कि किसानों, गरीबों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए येदियुरप्पा ने लगातार कार्य किया है। उनका राजनीतिक जीवन आज की पीढ़ी के नेताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर अमित शाह ने येदियुरप्पा के पांच दशक लंबे राजनीतिक सफर, विधानसभा में दिए गए उनके भाषणों तथा उनके सार्वजनिक जीवन पर आधारित स्मारिका एवं पुस्तकों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के बीच नेताओं का भव्य स्वागत किया। वहीं, अपने संबोधन में बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि जनता का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रेम और विश्वास के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। साथ ही उन्होंने राज्य में एक बार फिर भाजपा सरकार बनने की इच्छा व्यक्त की।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, वरिष्ठ नेता जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। राज्य के विभिन्न मठों के स्वामीजी भी कार्यक्रम में शामिल हुए और येदियुरप्पा को आशीर्वाद दिया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही कोलकाता पुलिस की बदली पसंद

●ममता बनर्जी को किया अनफॉलो

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन होते ही प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव नजर आया। कोलकाता पुलिस के 'एक्स' हैंडल ने पश्चिम बंगाल के कई वरिष्ठ नेताओं को अनफॉलो कर दिया और नई सरकार के नेताओं को फॉलो किया। पश्चिम बंगाल चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को प्रचंड जीत मिली। सत्ता परिवर्तन होते ही प्रशासनिक और राजनीतिक गतिविधियों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव सोशल मीडिया पर भी देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में कोलकाता पुलिस के एक्स अकाउंट ने पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेताओं को अनफॉलो कर दिया है। जानकारी के अनुसार, कोलकाता पुलिस के आधिकारिक अकाउंट ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और पार्टी से जुड़े कुछ अन्य नेताओं को अनफॉलो कर दिया है। वहीं, कोलकाता पुलिस के एक्स हैंडल ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और गृह मंत्रालय (एमएचए) के आधिकारिक हैंडल को फॉलो करना शुरू कर दिया है। साथ ही कोलकाता पुलिस ने पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को भी फॉलो किया। यह बदलाव राज्य में बदले सत्ता समीकरणों के बाद देखा जा रहा है। वहीं, इससे पहले दिन में पश्चिम बंगाल की सत्ता में 15 साल तक काबिज रहीं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और सीएम सुवेंदु अधिकारी ने भी अपना सोशल मीडिया प्रोफाइल अपडेट किया।सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण करने के बाद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' बायो में खुद को 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री (15वीं, 16वीं और 17वीं विधानसभा)' के रूप में संबोधित किया है।

असम चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने शुरू की समीक्षा प्रक्रिया : गौरव गोगोई

एजेंसी

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस ने आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी सांसद और वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि राज्य नेतृत्व ने चुनावी हार की पूरी जिम्मेदारी ली है और इस संबंध में पार्टी हाईकमान को भी जानकारी दे दी गई है। पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए बेहद निराशाजनक रहे। उन्होंने कहा, 'मैं पहले भी कह चुका हूं कि हम इस हार की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। हमने हाईकमान को भी इसकी जानकारी दे दी है। अब संगठनात्मक बदलाव और आगे की रणनीति पर फैसला केंद्रीय नेतृत्व को लेना है।' उन्होंने बताया कि पार्टी ने हार के कारणों का पता लगाने और जमीनी स्तर से फीडबैक जुटाने के लिए पूर्व विधायकों, चुनाव लड़ चुके उम्मीदवारों और नवनिर्वाचित विधायकों से बातचीत शुरू कर दी है। गोगोई ने कहा, 'हम यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि जमीनी स्तर पर लोगों से क्या प्रतिक्रिया मिल रही है और भविष्य में क्या सुधार किए जाने चाहिए।' उन्होंने बताया कि शनिवार की बैठक समीक्षा प्रक्रिया का दूसरा चरण थी, जिसमें जिला स्तर के नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुलाया गया।

तमिलनाडु में सरकार बनाने का रास्ता साफः राज्यपाल से मिले विजय

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने शनिवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार गठन का दावा पेश किया। खास बात यह रही कि विजय ने लगातार चार दिनों में चौथी बार राज्यपाल से मुलाकात की है। इससे पहले विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन देने का ऐलान किया, जिसके बाद विजय के नेतृत्व वाली टीवीके तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई। आपको बता दें कि तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान हुआ था। चुनाव में डीएमके, एआईएडीएमके, एनटीके और टीवीके के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। वोटों की गिनती 4 मई को हुई थी, जिसमें टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई थी। इसके बाद सरकार गठन को लेकर तेज राजनीतिक गतिविधियां शुरू हो गई और टीवीके ने कई दलों व निर्दलीय विधायकों से समर्थन जुटाने के लिए बातचीत शुरू की।

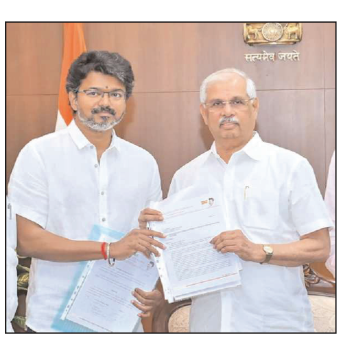

सबसे पहले कांग्रेस ने विजय को समर्थन दिया, जिसके बाद भाकपा और माकपा ने भी टीवीके को समर्थन देने की घोषणा की थी। अब वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन के बाद टीवीके के पास 120 विधायकों का समर्थन होने का दावा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक विजय ने राज्यपाल अरलेकर से जल्द मुलाकात का समय मांगा था, क्योंकि उनके जल्द केरल रवाना होने की संभावना है। माना जा रहा है कि इस बैठक में सहयोगी दलों और विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे गए तथा सरकार गठन का औपचारिक दावा पेश किया गया।

बाद में टीवीके महासचिव आधव अर्जुन ने मीडिया के सामने समर्थन पत्र दिखाते हुए दावा किया कि विजय जल्द ही तमिलनाडु के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इन घटनाक्रमों के बाद राज्यभर में टीवीके समर्थकों के बीच जश्न का माहौल है, वहीं राजनीतिक हलकों की नजर अब राजभवन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

साबरमती में दिनदहाड़े चेन स्नेचिंग, बाइक सवार दो बदमाशों ने सोने की चेन छीनकर भागे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. शहर में दिनदहाड़े लूट और चेन स्नेचिंग की घटनाओं से लोगों में दहशत फैल गई है। 8 मई की सुबह साबरमती इलाके में दूध खरीदने निकले एक युवक को बाइक सवार दो अनजान लोगों ने निशाना बनाया और 60,000 रुपये कीमत की सोने की चेन और हीरे का पेंडेंट छीनकर भाग गए।

जानें क्या है पूरा मामला

लूट की यह घटना मोक्षार्थ प्रवीणचंद्र वोरा के साथ हुई, जो साबरमती के रामनगर इलाके में रहते हैं और बोपल रोड पर एक कपड़े के शोरूम में काम करते हैं। बीती सुबह करीब 9:15 बजे मोक्षार्थभाई स्मृति मंदिर के पीछे पार्लर से दूध लेकर लौट रहे थे। स्मृति मंदिर के पिछले गेट के पास पीछे से काली बाइक पर दो बदमाश आए। मौका देखकर उन्होंने युवक के गले से 5.070 ग्राम सोने की चेन और हीरे का पेंडेंट छीन लिया।

आरोपी कुछ ही सेकंड में भाग निकले

अचानक हुए इस हमले से मोक्षार्थभाई डर गए और चिल्लाए। लेकिन, बदमाशों ने अपनी बाइक पूरी स्पीड से चलाई और कुछ ही सेकंड में वहां से भाग गए। पीड़ित ने आस-पास के ष्ष्ट्झङ्क फुटेज भी चेक किए, लेकिन बाइक का नंबर साफ-साफ पता नहीं चल पाया। इस घटना के बाद मोक्षार्थभाई अपने चचेरे भाई के साथ साबरमती पुलिस स्टेशन पहुंचे और अनजान लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। साबरमती पुलिस ने लूट का केस दर्ज किया, इलाके के अलग-अलग CCTV कैमरों से फुटेज इकट्ठा की और पल्सर सवार बदमाशों को पकड़ने के लिए जांच शुरू की।

इंदिरा ब्रिज से हंसोल जाने वाली सड़क पर कार ड्राइवर ने टक्कर मारी, हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद . शाम को अहमदाबाद शहर में इंदिरा सर्कल से हंसोल जाने वाली सड़क पर एक सीनियर सिटिज़न पैदल जा रहे थे। इस दौरान एक कार ड्राइवर ने पूरी स्पीड में बुजुर्ग को टक्कर मार दी, जिससे बुजुर्ग के सिर में गंभीर चोटें आई। बुजुर्ग को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जी डिवीजन पुलिस ने एक्सीडेंट के मामले में कार ड्राइवर को हिरासत में लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

शिकायतकर्ता के दादा सड़क पर बेहोश हो गए

एयरपोर्ट कोटरपुर गाँव के रहने वाले हार्दिक प्रजापति ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह शाम को हंसोल तलावड़ी में अपना काम खत्म करके घर जा रहे थे, तभी इंदिरा ब्रिज सर्कल से हसोल जाने वाली सड़क पर शाम करीब 7:15 बजे एक्सीडेंट हो गया। हार्दिक एक्सीडेंट देखने के लिए वहीं खड़े थे। हार्दिक ने देखा कि एक्सीडेंट में उनके दादा जगदीशभाई प्रजापति का एक्सीडेंट हो गया और वह बेहोश हो गए।

एक्सीडेंट करने वाली कार के ड्राइवर को हिरासत में लिया गया जगदीशभाई के सिर और शरीर पर चोटें आईं, इसलिए उन्हें 108 से इलाज के लिए सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। एक्सीडेंट करने वाली कार के ड्राइवर को पुलिस ने हिरासत में लिया और थाने ले गई।

आरोपी के पिता हाई कोर्ट में जज हैं

सिविल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान जगदीशभाई की मौत हो गई। जी डिवीजन ट्रैफिक पुलिस ने कार ड्राइवर चिराग वचना के खिलाफ केस दर्ज करके उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी के पिता हाई कोर्ट में जज हैं। जी डिवीजन ट्रैफिक पुलिस ने इस पूरे मामले की आगे की जांच की है।

AAP का गरीबों को दिए जाने वाले राशन में चीनी कम करने का आरोप: 2010 जैसी स्कीम फिर से शुरू करें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। गौरी देसाई ने कहा कि साल 2010 में गरीबों को प्रति व्यक्ति लगभग 400 ग्राम चीनी दी जाती थी, जबकि अभी एक से चार सदस्यों वाले परिवारों को सिर्फ़ एक द्मद्द चीनी दी जा रही है। उनके मुताबिक, सरकार गरीबों को रोज़गार के सही मौके देने में नाकाम रही है और अब राशन जैसी ज़रूरी चीज़ों में भी कटौती कर रही है। गरीब परिवारों की ज़िंदगी और मुश्किल हो गई है उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राज्य में MP, MLA, मंत्री और कॉर्पोरेटर होने के बावजूद सरकार गरीब वर्ग के लिए सेंसिटिव तरीके से काम करने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाली चीज़ों में कमी आने से गरीब परिवारों की ज़िंदगी और मुश्किल और असहनीय हो गई है।

रानीप में रहने वाली एक महिला ने अपने पति, ससुर और सास के खिलाफ घरेलू हिंसा, दहेज और शारीरिक और मानसिक टॉर्चर की शिकायत दर्ज कराई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के रानीप इलाके में रहने वाली 38 साल की एक महिला ने अपने पति नीरव और अपने ससुर अरविंद, जो पहले जेल सुपरिंटेंडेंट रह चुके हैं, और सास मीनाबेन के खिलाफ घरेलू हिंसा, दहेज और शारीरिक और मानसिक टॉर्चर की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने आरोप लगाया है कि उसके ससुर उससे अश्लील मांग करते थे। इसके साथ ही, वह छिपे हुए कैमरे से उसके नहाते और कपड़े बदलते समय का वीडियो बनाते थे। जेल से गायब करने की धमकी देने के साथ ही, वह उसका हाथ पकड़ लेते थे। साथ ही, पति उसे शराब, कॉल गर्ल्स और दूसरी महिलाओं के साथ संबंध बनाने के नाम पर भी टॉर्चर करता था। रानीप पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है। 2009 में हुई थी शादी, पत्नी दो बच्चों की मां है पत्नी की शिकायत के मुताबिक, उसने 2009 में समाज के रीति-रिवाजों के हिसाब से नीरव से शादी की थी। शादीशुदा ज़िंदगी में उनकी एक बेटी और एक बेटा है। शादी के बाद महिला जॉइंट फैमिली में रहती थी और पियरे ने अपनी हैसियत के हिसाब से दहेज दिया था। उसके ससुर रिटायर्ड डिप्टी एजुकेशन डायरेक्टर और एग्रीकल्चर मिनिस्टर के पर्सनल सेक्रेटरी थे, जबकि उसके ससुर अरविंदभाई जेल डिपार्टमेंट में सुपरिंटेंडेंट के तौर पर काम कर चुके थे। पति शराब-नॉन-वेज पार्टियां करता था, पत्नी को भी शराब पीने के लिए मजबूर करता था महिला के मुताबिक, उसकी शादीशुदा ज़िंदगी पहले सात सालों तक बहुत झगड़े वाली रही। पति नीरव अक्सर दोस्तों के साथ शराब और नॉन-वेज पार्टियां करता था और महिला को भी उनमें शामिल होने के लिए मजबूर करता था। हालांकि महिला को ऐसी पार्टियां पसंद नहीं थीं, लेकिन उसका पति उस पर फैशनेबल बनने का दबाव डालता था। उसके ससुराल वाले उसे पढ़ाई करने और सरकारी नौकरी करने से भी रोकते थे और कहते थे कि वह अपनी पूरी ज़िंदगी किचन में ही बिता देगी। पति पोर्न फिल्में दिखाकर सेक्स करता था जेल में बंद ससुर के खिलाफ गबन का केस दर्ज कराया गया और उसे छोड़ने के लिए एक लाख रुपये की मांग की गई। उसके बाद घर में शराब और नॉन-वेज पार्टियां बढ़ गईं और पति ने घर में शराब बेचना शुरू कर दिया। महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति उसके दिखने को लेकर उसे बेइज्जत करता था और उसे जबरदस्ती पोर्न फिल्में दिखाता था और फिर सेक्स करता था। पति के फोन में कॉल गर्ल्स की तस्वीरें और गर्लफ्रेंड की चैट मिलीं एक दिन जब उसका पति नशे में घर आया तो महिला ने उसका मोबाइल चेक किया, जिसमें कॉल गर्ल्स की तस्वीरें, उसकी गर्लफ्रेंड के साथ चैट और तस्वीरें मिलीं। पति की गर्लफ्रेंड अलग-अलग फ्लेवर के केक लेकर घर आती थी और तलाक के लिए दबाव डालती थी। महिला ने आगे आरोप लगाया है कि ससुराल वालों ने पियरे के घर पर कब्जा करने के लिए उस पर दबाव डाला और जबरदस्ती नौ लाख रुपये ले लिए। ससुर ने घर में हिडन कैमरे लगवाए, उसे और उसके बच्चों को पीटने की कोशिश की ससुर अरविंदभाई अपना असर दिखाकर धमकाता था कि मेरी पहुंच बहुत ऊपर तक है और मेरे पास खूंखार कैदियों की फौज है, मैं तुम्हें और तुम्हारे बच्चों को गायब कर दूंगा। शिकायत में सबसे गंभीर आरोप ससुर की हरकतों को लेकर लगाया गया है। महिला के मुताबिक, ससुर उससे कहता था कि मैं तुम्हें बहुत पसंद करता हूं और दावा किया कि घर में लगे CCTV और कमरे में लगे हिडन कैमरे में उसके कपड़े बदलने और नहाने का वीडियो है। इतना ही नहीं, जब ससुर ने उसे गोद में पकड़ा तो महिला ने चीखते हुए उसे छोड़ दिया। यह भी आरोप है कि उसने सीढ़ियों पर तेल डालकर उसे और बच्चों को चोट पहुंचाने की कोशिश की। ससुराल वालों की लगातार परेशान करने से तंग आकर परिणीता ने आखिरकार रानिप पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

आबादी के सही आंकड़ों के लिए प्रशासन तेज़ी से: नगर निगम ने जनगणना के लिए एक्शन प्लान का ऐलान किया, 1000 कर्मचारी संभालेंगे काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। में होने वाली जनगणना प्रक्रिया के लिए प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। गांधीनगर नगर निगम ने शहर की डेवलपमेंट प्लानिंग के लिए बेहद ज़रूरी इस प्रक्रिया को बिना किसी गलती के और समय पर पूरा करने के लिए कमर कस ली है। जनगणना के पहले चरण, यानी घरों की लिस्ट बनाने की रूपरेखा को आज नगर निगम कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में फाइनल कर दिया गया है। जून से 30 जून तक चलेगा जनगणना का काम गांधीनगर जनगणना का काम 1 जून से 30 जून तक एक महीने के समय में किया जाएगा। इस अभियान के तहत, गिनती करने वाले शहर के हर रेजिडेंशियल और कमर्शियल यूनिट में जाकर डेटा इकट्ठा करेंगे। कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में डिप्टी नगर आयुक्त और सभी ज़ोन के चार्ज ऑफिसर और असिस्टेंट चार्ज ऑफिसर के साथ काम के स्ट्रक्चर पर चर्चा की गई।

1069 कर्मचारियों की नियुक्ति

प्रशासन ने निर्देश दिया है कि कोई भी इलाका छूटना नहीं चाहिए ताकि हर नागरिक की जानकारी सही-सही दर्ज हो सके। इस बड़े अभियान को सफल बनाने के लिए गांधीनगर नगर निगम ने योजना बनाई है। जिसके तहत कुल 925 गणना करने वाले और 144 सुपरवाइजर, यानी 1069 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। गणना करने वालों और सुपरवाइजरों की ट्रेनिंग 25 मई तक इस पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए 14 अनुभवी फील्ड ट्रेनरों को ज़िम्मेदारी दी गई है। जनगणना सिर्फ़ आंकड़ों की जानकारी नहीं है, बल्कि यह भविष्य की योजनाओं का आधार है, इसलिए इसमें कोई गलती न हो, यह पक्का करने के लिए कर्मचारियों के लिए खास ट्रेनिंग सेशन रखे गए हैं। अगली तारीख 11 से 25 मई तक सभी गणना करने वालों और सुपरवाइजरों को गहरी ट्रेनिंग दी।

आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा

इस ट्रेनिंग में मोबाइल एप्लीकेशन के इस्तेमाल, सवाल-जवाब कैसे भरें और फील्ड वर्क के दौरान आने वाली समस्याओं को कैसे हल करें, इस पर गाइडेंस दी जाएगी। निगम के सूत्रों के मुताबिक, गांधीनगर प्रशासन इस काम के लिए पूरी तरह तैयार है। आंकड़ों की सटीकता बनाए रखने के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। शहर के लोगों से भी अपील है कि जब गिनती करने वाले उनके घर आएं, तो वे सही और पूरी जानकारी देकर इस काम में सहयोग करें।

गांधीनगरः गुजरात भर के केमिस्ट हड़ताल पर जाएंगे, जानें किस बात का विरोध कर रहे हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात समेत देश भर के केमिस्टों ने गैर-कानूनी ई-फार्मेसी और ऑनलाइन दवाओं पर बहुत ज़्यादा डिस्काउंट के विरोध में 20 मई को एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। गुजरात से करीब 35 हज़ार केमिस्ट और देश भर के कुल 12.5 लाख केमिस्ट इस हड़ताल में शामिल होंगे। रिटेलर्स के अलावा होलसेलर और डीलर भी हड़ताल में शामिल होंगे। फेडरेशन ऑफ़ गुजरात स्टेट केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के मुताबिक, ऑनलाइन फार्मेसी कंपनियां नियमों का उल्लंघन करके दवाएं बेच रही हैं, जिससे छोटे केमिस्टों के बिज़नेस पर बुरा असर पड़ रहा है। एसोसिएशन का आरोप है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म दूसरे राज्यों के डॉक्टरों के नाम पर प्रिस्क्रिप्शन बनाकर मरीज़ों को दवाएं बेच रहे हैं। यह भी आरोप लगाया गया है कि साइकोट्रोपिक सब्सटेंस जैसी सेंसिटिव दवाएं भी बिना प्रिस्क्रिप्शन के बेची जा रही हैं।

केमिस्ट एसोसिएशन का कहना है कि ऑनलाइन कंपनियां नेशनल फार्मास्यूटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी द्वारा तय मार्जिन से भी ज़्यादा डिस्काउंट दे रही हैं। इस वजह से छोटे और मीडियम साइज़ के केमिस्ट का बिज़नेस लगभग 8 परसेंट कम हो गया है। उनका मानना ??है कि इस तरह की 'प्रिडेटरी प्राइसिंग' पॉलिसी से ट्रेडिशनल मेडिकल स्टोर के लिए मुकाबला करना मुश्किल हो रहा है।

केमिस्ट ने आगे चिंता जताई है कि भारी डिस्काउंट के लालच में, मार्केट में नकली और मिलावटी दवाओं की क्वांटिटी भी बढ़ रही है, जो आम लोगों की हेल्थ के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। हड़ताल के दौरान मरीज़ों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए, केमिस्ट एसोसिएशन इंसानियत के आधार पर इमरजेंसी मामलों में दवाओं की अवेलेबिलिटी पक्का करने के लिए दूसरे इंतज़ाम करेगा। हालांकि, नॉर्मल रोज़ाना का लेन-देन ज़्यादातर समय बंद रहेगा। केमिस्ट ऑर्गनाइज़ेशन ने सरकार से मांग की है

कि कोरोना पीरियड में दवाओं की होम डिलीवरी के लिए दी गई छूट का नोटिफिकेशन तुरंत वापस लिया जाए। इसके साथ ही, गैर-कानूनी ई-फार्मेसियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए और बहुत कम कीमतों पर दवाओं की बिक्री रोकने के लिए एक साफ पॉलिसी लागू की जाए। इसके अलावा नकली दवाइयां बनाने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी उठाई गई है। केमिस्ट संगठनों का कहना है

सूरत डिस्ट्रिक्ट LCB पुलिस ने ओलपाड के ऐरथन गांव के बॉर्डर पर एक फार्महाउस में जुए के अड्डे पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। अब सिर्फ एक ग्रीन सिटी ही नहीं, बल्कि एक हाई-टेक शहर भी है। शहर को डस्ट-फ्री बनाने के प्रोजेक्ट के बाद, अब गांधीनगर मेजर कॉर्पोरेशन ने लोगों की सुविधा के लिए एक क्रांतिकारी कंप्लेंट-फ्री मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल के तहत, शहर में ॄढ्ढ से लैस सर्विलांस व्हीकल लॉन्च किए जाएंगे। लोग शिकायत करने से पहले ही प्रॉब्लम को सॉल्व कर पाएंगे। गाड़ी की छत पर 360-डिग्री कैमरे और सेंसर इस प्रोजेक्ट के तहत जो गाड़ी लगाई जाएगी, वह कोई आम सर्विलांस गाड़ी नहीं है। यह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कंप्यूटर विज़न और डीप लर्निंग एल्गोरिदम से लैस होगी। इस गाड़ी की छत पर हाई-रिज़ॉल्यूशन वाले 360-डिग्री कैमरे और सेंसर लगाए जाएंगे। यह गाड़ी शहर की सड़कों पर एक तय स्पीड से चलेगी। से लैस इस गाड़ी की खासियत की बात करें तो इसका सिस्टम पेवमेंट डिफेक्ट डिटेक्शन करेगा, यानी सड़क पर छोटे से छोटे दरार या घिसे हुए रोड मार्किंग की रियल-टाइम मैपिंग करेगा। जबकि हाइड्रोलॉजिकल लीकेज आइडेंटिफिकेशन के ज़रिए यह सेंसर के ज़रिए सीवर के बढ़ते पानी या पीने के पानी की लाइन में लीकेज की पहचान करेगा। कचरे और प्रेशर का पता चलेगा इसी तरह, ऑब्जेक्ट रिकग्निशन के ज़रिए सड़क पर पड़ा कचरा, टूटी हुई स्ट्रीट लाइट या फुटपाथ पर प्रेशर का इमेज प्रोसेसिंग के ज़रिए तुरंत पता चल जाएगा। यानी, इस प्रोजेक्ट में इंसानी दखल कम से कम रखा गया है, जिससे यह कहावत सच हो गई है कि इंसान भूल सकते हैं, मशीनें नहीं। अभी तक सिस्टम ऐसा था कि जब नागरिक ऐप पर फोटो खींचकर भेजता था, तो सिस्टम एक्टिवेट हो जाता था। अब जैसे ही ॄढ्ढ गाड़ी प्रॉब्लम का पता लगाती है, उसे उसके GPS कोऑर्डिनेट्स मिल जाएंगे। ऑफिसर को एक टाइम पीरियड में काम पूरा करके रिपोर्ट अपलोड करनी होगी। यह डेटा सीधे सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जाएगा और वहां से कुछ ही सेकंड में वर्क ऑर्डर के तौर पर संबंधित इंजीनियर या वार्ड ऑफिसर के मोबाइल पर पहुंच जाएगा। चूंकि इस सिस्टम में टाइम स्टैम्प है, इसलिए ऑफिसर को तय टाइम पीरियड में काम पूरा करके अपनी रिपोर्ट अपलोड करनी होगी। हीट मैप भविष्य की टाउन प्लानिंग में मददगार साबित होगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस टेक्नोलॉजी से लंबे समय में म्युनिसिपैलिटी को बहुत बड़ा आर्थिक फायदा होगा। अगर पानी का लीकेज या सड़क में छोटी सी दरार शुरू में ही पकड़ में आ जाए, तो उसे ठीक करने का खर्च बड़े के बाद का अप्रोच है।

पॉश इलाके में नौकर ने 26 लाख रुपये चुराए, ज्वेलरी फरीदाबाद कूरियर करवाई और पकड़ा गया

अहमदाबाद में 26 लाख की ज्वेलरी साफ कर कूरियर से भेजी दिल्ली-फरीदाबाद, पुलिस ने पीछा कर 3 शातिरों को दबोचा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पॉश इलाके में हाउसकीपर पर भरोसा करना कितना खतरनाक हो सकता है, इसका एक और मामला सामने आया है। गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस ने 26 लाख रुपये के सोने-चांदी के ज्वेलरी की चोरी का मामला सुलझाकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हाउसकीपर ने दिल्ली से अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर से कीमती ज्वेलरी चुराई थी और पुलिस से बचने के लिए उसने चोरी का माल कूरियर से फरीदाबाद भेज दिया था।

सेफ साफ करने की खतरनाक साजिश

पुलिस जांच में पता चला है कि 21 साल का शंकर अग्निप्रसाद शिकायत करने वाली महिला के घर में नौकर का काम करता था। उसने दिल्ली में रहने वाले अपने दोस्तों आकाश ठाकुर और अयाज खान के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। जिसमें 4 मई 2026 को जब घर के लोग घर पर मौजूद नहीं थे, तो गैंग ने सेफ पर हाथ साफ कर दिया। ड्राइवर पर हमला करके भागने की कोशिश चोरी के दौरान, शिकायत करने वाले के पिता अचानक घर पर आ गए, जिससे भगदड़ मच गई। शंकर और आकाश पकड़े गए, लेकिन अयाज़ भागने में कामयाब रहा। भागते समय आकाश ने शिकायत करने वाले के ड्राइवर पर हमला करके उसे घायल कर दिया। जूलरी कूरियर की गई थी और कंटेनर में धमाका हो गया गिरफ्तारी के बाद, शंकर से सख्ती से पूछताछ की गई और उसने चौंकाने वाला कबूलनामा किया। उसने बताया कि कुछ दिन पहले उसने घर से जूलरी चुराई थी और पकड़े जाने के डर से उसे एक प्राइवेट कूरियर सर्विस के ज़रिए फरीदाबाद में अपने एक जान-पहचान वाले को भेज दिया था।

दिल्ली-फरीदाबाद में पुलिस का ऑपरेशन

सूचना मिलते ही गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस की एक टीम तुरंत दिल्ली और फरीदाबाद के लिए रवाना हो गई। पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में ऑपरेशन करके फरीदाबाद से कूरियर का पार्सल बरामद कर लिया और फरार आरोपी अयाज़ खान को भी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जो सामान ज़ब्त किया सोने की ज्वेलरी: 36 तोला (कीमत लगभग ऋह्य. 25.57 लाख) चांदी की ज्वेलरी: 67 ग्राम (कीमत लगभग Rs. 37,000)

अहमदाबाद में भीषण गर्मी का कहर, बीच सड़क पर 'आग का गोला' बनी चलती बाइक

अहमदाबाद। शहर में पड़ रही प्रचंड गर्मी अब जानलेवा साबित होने लगी है। शनिवार (9 मई) को अहमदाबाद के सबसे व्यस्त इलाकों में शुमार आनंदनगर रोड पर एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आनंदनगर रोड पर एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जहां एक चलती बाइक अचानक धू-धू कर जल उठी। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में अपनी सूझबूझ से बाइक सवार की जान बाल-बाल बच गई! घटना के मुख्य अंश स्थान आनंदनगर रोड, कम्फी होटल के पास (अहमदाबाद) हादसा चलती बाइक के इंजन से धुआं उठा और पल भर में पूरी गाड़ी आग की भयानक लपटों में घिर गई। राहत की बात: समय रहते खतरे को भांपकर बाइक सवार गाड़ी छोड़कर भाग निकला और एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रभाव: सड़क पर भारी अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए भयंकर ट्रैफिक जाम लग गया।

कैसे हुआ यह खौफनाक हादसा? घटना के वक्त आनंदनगर इलाके में कम्फी होटल के पास से एक बाइक सवार गुजर रहा था। अचानक उसकी गाड़ी के इंजन से धुआं निकलने लगा। इससे पहले कि आस-पास के लोग या खुद सवार कुछ समझ पाता, धुएं ने भयंकर आग की लपटों का रूप ले लिया। स्थिति की नजाकत को देखते हुए बाइक सवार ने तुरंत गाड़ी साइड में लगाई और सुरक्षित दूरी पर चला गया, जिससे उसकी जान बच सकी। फायर ब्रिगेड का त्वरित एक्शन घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पानी की तेज बौछार से आग पर काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझी, तब तक बाइक को भारी नुकसान पहुंच चुका था। इस पूरी अफरा-तफरी के चलते सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। क्यों लगी आग? (संभावित कारण) माना जा रहा है कि इस भयानक आग के पीछे मुख्य कारण तकनीकी खराबी या भीषण गर्मी की वजह से इंजन का ओवरहीट होना है। अहमदाबाद में इस समय पारा 40-42 डिग्री के पार पहुंच रहा है, जो वाहनों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की आम जनता से सख्त **अपील:** गर्मियों के मौसम में अपनी गाड़ियों की रेगुलर सर्विस जरूर करवाएं। गाड़ियों की वायरिंग या फ्यूल लाइन के साथ कोई भी छेड़छाड़ या बाहरी बदलाव न करवाएं।

पुलिस ने ओलपाड के वडोद गांव की सीमा से 3.14 लाख रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने 'सुशासन तिहार 2026' को 'विकास का त्योहार' बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार जनता के द्वार पहुंचकर सुशासन की नई परिभाषा गढ़ रही है।

रत्नावली कौशल ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार गांव-गांव पहुंचकर आमजन से सीधा संवाद कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुद्दों पर त्वरित पहल के साथ विकास कार्यों की सतत निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास, जवाबदेही और संवेदनशील प्रशासन का मजबूत सेतु बन रहा है।

स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बना आयुष्मान

रत्नावली कौशल ने कहा कि सुशासन सरकार का सबसे बड़ा 'स्वास्थ्य सुरक्षा कवच' - 'शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना' गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए वरदान साबित हुई है। छत्तीसगढ़ में अब तक 2.49 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। 45 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं और 48 लाख से ज्यादा लोगों का ?5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराया जा चुका है।उन्होंने कहा कि पहले गंभीर बीमारी में गरीब परिवार कर्ज के बोझ तले दब जाता था या इलाज के अभाव में जान गंवा देता था। आज माताएं-बहनें निश्चिंत होकर कहती हैं कि 'मोदी-साय की सरकार है तो चिंता की कोई बात नहीं'। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री स्वयं अस्पतालों का निरीक्षण कर रहे हैं और मरीजों से फीडबैक ले रहे हैं। इससे डॉक्टरों और स्टाफ की जवाबदेही तय हुई है।

SC-ST वर्ग के लिए विशेष लाभ

रत्नावली कौशल ने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के भाई-बहन जो दूरस्थ वनांचलों में रहते हैं, उनके लिए आयुष्मान योजना सबसे बड़ी राहत है। सुशासन तिहार के दौरान विशेष शिविर लगाकर वंचित परिवारों के कार्ड बनाए जा रहे हैं। पेंशन, राशन, आवास, नल-जल जैसी योजनाओं के साथ स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

अहमदाबाद: आनंदनगर रोड पर बाइक में आग लगने से भीषण गर्मी में अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंदनगर। इलाके में कम्फी होटल के पास एक बाइक सवार सड़क से गुजर रहा था, तभी अचानक बाइक के इंजन से धुआं निकलने लगा और पल भर में आग की लपटें दिखने लगीं। बाइक सवार ने तुरंत बाइक खड़ी की और सुरक्षित दूरी पर चला गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

फायर ब्रिगेड को तुरंत घटना की जानकारी दी गई और फायर टीम मौके पर पहुंची और पानी की बौछार करके आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक बाइक को काफी नुकसान हो चुका था। आग की वजह से कुछ देर के लिए सड़क पर ट्रैफिक जाम भी लग गया।

क्या हो सकता है कारण?

माना जा रहा है कि आग शुरू में टेक्निकल खराबी या बहुत ज़्यादा गर्मी की वजह से इंजन के ओवरहीट होने की वजह से लगी थी। गौरतलब है कि जब अहमदाबाद में पारा 40-42 डिग्री के पार होता है, तो गाड़ियों में फ्यूल लाइन या वायरिंग में खराबी की वजह से आग लगने की घटनाएं हो सकती हैं। पुलिस और फायर डिपार्टमेंट ने गाड़ी चलाने वालों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में अपनी गाड़ियों की रेगुलर सर्विस करवाएं और वायरिंग में कोई भी बदलाव न करवाएं।

छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों की तरह शराब दुकान ठेकेदारों के अंडर में हो हेमंत वर्मा प्रदेश अध्यक्ष आईरा इंटरनेशनल

JOURNALIST UNITY
AIRA INTERNATIONAL
REPORTER'S ASSOCIATION
AIRA
PRESS

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने छत्तीसगढ़ के गली-गली गांव गांव मोहल्ले मोहल्ले में अवैध शराब बिक्री को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आग्रह किया है की छत्तीसगढ़ में अलग-अलग राज्यों की भांति पूर्व में छत्तीसगढ़ में प्रचलित परंपरा के हिसाब से ठेकेदारी प्रथा किया जाए जिससे की अवैध शराब पर लगाम लग सकेगी शराब के सरकारी कॉर्पोरेशन में उपलब्ध होने की वजह से आज आलम यह है कि गांव-गांव में गली-गली में हर जगह अवैध शराब तस्करों की बाढ़ आ गई है शराब दुकानों में ब्रांडेड शराब देसी ठर्रा ठंडी बियर नहीं मिल पा रही है लेकिन गली मोहल्ले की दारू कोचिंयो के पास सारी सामग्री आसानी से उपलब्ध कराई जा रही है इस तरह सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व की हानि प्राप्त हो रही है पूर्व में जिस तरीके से छत्तीसगढ़ में ठेकेदारी की प्रथा से शराब दुकानों का संचालन किया जा रहा था

जिससे सरकार को बेतहाशा राजस्व की प्राप्ति होती थी छत्तीसगढ़ देश का ऐसा एकमात्र राज्य है जहां कारपोरेशन के माध्यम से सरकार खुद शराब बेच रही है सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में तल्ख टिप्पणी की थी इस परंपरा को बदलना होगा एवं पुनः छत्तीसगढ़ में ठेकेदारी प्रथा प्रारंभ करनी होगी तब कहीं अवैध शराब पर अंकुश लगेगी अन्यथा अवैध शराब बिक्री करने वाले अधिकतर गांवों के लोग शासन प्रशासन से आग्रह कर रहे हैं कि उनकी गांव में शराब दुकान खोला जाए यह परंपरा सही नहीं है माननीय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री जी से आग्रह है की छत्तीसगढ़ में तत्काल शराब दुकानों को ठेकेदारों के अंडर में किया जाए

भक्ति और आस्था: संकट हरने वाले 'हारे के सहारे' के दरबार में झुकाया शीश

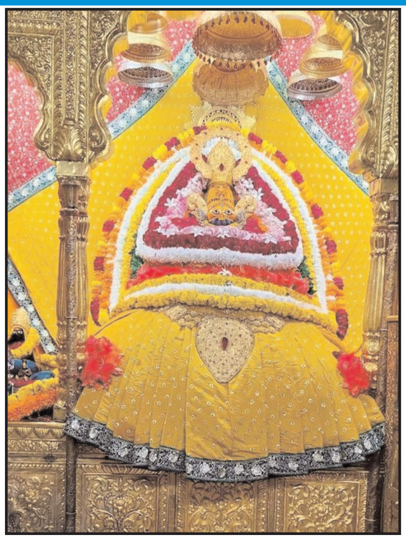

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजस्थान/दिल्ली। कलियुग के साक्षात् देव और भक्तों के संकट हरने वाले बाबा खाटू श्याम जी के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। इसी कड़ी में देश के प्रतिष्ठित संस्थान 'धानी मीडिया ग्रुप' के ग्रुप एडिटर श्री पवन माकन ने अपने परिवार के साथ राजस्थान स्थित खाटू धाम

पहुँचकर बाबा के दर्शन किए।

भक्तिमय माहौल में लिया आशीर्वाद

पवन माकन ने सपरिवार बाबा खाटू श्याम की अलौकिक आरती में भाग लिया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा की चौखट पर शीश नवाकर परिवार की खुशहाली, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा माहौल 'जय श्री श्याम' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

लोक-कल्याण के लिए की प्रार्थना दर्शन के उपरांत श्री माकन ने अपनी गहरी आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा खाटू श्याम 'हारे के सहारे' हैं। उन्होंने केवल अपने परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि समस्त जगत के कल्याण की प्रार्थना करते हुए कहा, 'बाबा सभी के संकट दूर करें और हर परिवार में खुशहाली का वास हो। '

आस्था का केंद्र है खाटू धाम

गौरतलब है कि धानी मीडिया के **ग्रुप एडिटर पवन माकन** अपनी सादगी और धार्मिक मूल्यों के लिए जाने जाते हैं। उनकी इस धार्मिक यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई हैं, जहाँ उनके शुभचिंतकों ने बाबा से उनकी मंगलकामना की प्रार्थना की है। बाबा के दरबार से मिला यह आशीर्वाद निश्चित रूप से उनके जीवन और कार्यक्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

पंजाब: कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर ED की दबिश; CM मान ने साधा भाजपा पर निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। पंजाब की सियासत में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। सोमवार सुबह करीब 20 गाड़ियों के विशाल काफिले के साथ श्रष्ठ की टीमों ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के लुधियाना स्थित आवास और अन्य ठिकानों पर छापेमारी की।

छापेमारी की मुख्य बातें:

- **भारी सुरक्षा बल:** सुबह-सुबह हुई इस कार्रवाई में भारी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहे।
- **तीसरी बार कार्रवाई:** मुख्यमंत्री भगवंत मान के अनुसार, एक साल के भीतर संजीव अरोड़ा के खिलाफ यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है।
- **कागजातों की जांच:** सूत्रों के मुताबिक, यह छापेमारी जमीन सौदों और

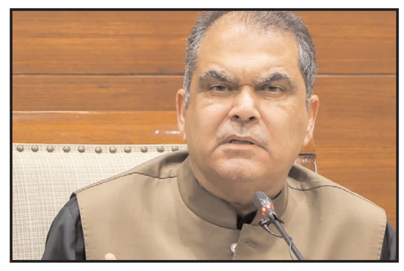

वित्तीय लेन-देन से जुड़े किसी पुराने मामले को लेकर की गई है।

CM भगवंत मान का पलटवार: BJP की कठपुतली बनी ED '

छापेमारी की खबर आते ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया और प्रेस के माध्यम से केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने **कहा:**'भाजपा की श्रष्ठ को एक साल में तीसरी बार संजीव अरोड़ा के घर भेजा गया है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उन्हें कुछ नहीं मिला। यह केवल आम आदमी पार्टी के नेताओं को परेशान करने और पंजाब के विकास कार्यों में बाधा डालने की राजनीति है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भाजपा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन 'आप' नेता इन दबावों के आगे झुकने वाले नहीं हैं।

राजनीतिक गलियारों में हलचल

संजीव अरोड़ा को हाल ही में कैबिनेट में शामिल किया गया है, ऐसे में इस छापेमारी को लेकर राजनीतिक विशेषज्ञ कई मायने निकाल रहे हैं। आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इसे 'बदले की राजनीति' करार दिया है। वहीं, स्थानीय भाजपा नेताओं का कहना है कि एजेंसियां अपना काम स्वतंत्र रूप से कर रही हैं और यदि कुछ गलत नहीं हुआ है, तो डरने की कोई जरूरत नहीं है।

'सुशासन तिहार किसानों-युवाओं के लिए बना विकास का महापर्व' दक्ष वैद्य साहू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने 'सुशासन तिहार 2026' को 'विकास का महापर्व' निरूपित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और अन्नदाता के द्वार तक पहुंचकर सुशासन का स्वर्णिम अध्याय रच रही है। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अनवरत रूप से गांव-गांव पहुंचकर आमजन से आत्मीय संवाद स्थापित कर रहे हैं। वे अन्नदाता भाइयों की व्यथा खेत की मेड़ पर बैठकर सुन रहे हैं, युवा साथियों के रोजगार संबंधी विषयों पर गंभीर विमर्श कर रहे हैं और मातृशक्ति के सुझावों को प्राथमिकता से संज्ञान में ले रहे हैं। ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ ही विकास कार्यों की सतत एवं प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है। किसानों-युवाओं को समर्पित जन-अभियान श्री साहू ने कहा कि सुशासन तिहार मात्र एक शासकीय अभियान नहीं, अपितु जनता और सरकार के मध्य विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशील प्रशासन का सुदृढ़ सेतु है। भाजपा की डबल इंजन सरकार में यह अभूतपूर्व है कि कोई मुख्यमंत्री स्वयं ट्रैक्टर पर सवार होकर खेतों का निरीक्षण कर रहा है, गौठानों में पहुंचकर गोबर खरीदी व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है और धान उपार्जन केंद्रों में कृषकों के साथ बैठकर उनके सुख-दुःख में सहभागी बन रहा है। यही वास्तविक सुशासन है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में जनकल्याणकारी योजनाएं सचिवालय की फाइलों में कैद होकर रह जाती थीं। इसके विपरीत आज मुख्यमंत्री स्वयं धरातल पर उतरकर प्रत्येक विकास कार्य का प्रतिपुष्टि जनता से प्राप्त कर रहे हैं। सड़क, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा - प्रत्येक विभाग की जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है। 'शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना' के अंतर्गत 2.49 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड निर्गत हो चुके हैं तथा 48 लाख से अधिक हितग्राहियों को ?5 लाख तक का निःशुल्क उपचार प्राप्त हुआ है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण है।

किसान मोर्चा उतरेगा जन-जागरण में

श्री दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि ?5 लाख का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच, ?3100 प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 1 लाख सरकारी नौकरियों का सृजन तथा स्वरोजगारोन्मुखी योजनाएं प्रदेश के युवाओं और किसानों का भविष्य सुरक्षित कर रही हैं। भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक लाभार्थी की सफलता की कहानी को घर-घर तक पहुंचाएगा।

अगर अध्यक्ष और महासचिव AC ऑफिस में बैठेंगे, तो वे तालुका और ज़िला पंचायत कैसे जीतेंगे? मुझे लगता है नील राव का चैतर से कनेक्शन है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजपीपला। नर्मदा में लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट इलेक्शन के नतीजे BJP के लिए एक बड़ा झटका साबित हुए हैं। नर्मदा में तालुका, डिस्ट्रिक्ट पंचायत और म्युनिसिपैलिटी थी। लेकिन इस बार लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट इलेक्शन में उलटे नतीजे आए। इसमें BJP ने 1) नर्मदा डिस्ट्रिक्ट पंचायत, 2- गरुड़ेश्वर तालुका पंचायत, 3- देदियापाड़ा तालुका पंचायत, 4- सागबारा तालुका पंचायत, 5) चिकदा तालुका पंचायत हारी और AAP को धूल चटाई। BJP अभी तक 4 तालुका पंचायत और मेन डिस्ट्रिक्ट पंचायत हारने से उबर नहीं पाई है। BJP वर्कर्स की आंखें हैरानी से चौड़ी हो गई हैं। वर्कर्स इतनी बड़ी हार मानने को तैयार नहीं हैं। हाल ही में, जिला अध्यक्ष नील राव की अनुपस्थिति में, कार्यकर्ताओं की हार के कारणों पर मंथन करने के लिए सांसद मनसुख वसावा, विधायक डॉ. दर्शनाबेन देशमुख और पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम पटेल की मौजूदगी में राजपीपला APMC में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। जिसमें भाजपा की करारी हार से नाराज सांसद मनसुख वसावा ने जिला भाजपा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष नील राव की धुलाई करवाई। और जिला पंचायत में भाजपा की करारी हार के

लिए जिला अध्यक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए सांसद ने जिला अध्यक्ष पर हमला बोला और बैठक में सन्नाटा छा गया। हालांकि, इस बैठक में भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी सतह पर आ गई, एक समय एक-दूसरे का विरोध करने वाले नेता एक साथ नजर आए। विधायक और सांसद एक मंच पर एकजुट दिखे। जिला भाजपा अध्यक्ष नील राव को इस बैठक में बुलाया तक नहीं गया था। नर्मदा को छोड़कर पूरे राज्य में सभी जिला पंचायतों में भाजपा का भगवा लहराया है। राजपीपला समेत आदिवासी इलाकों में डेडियापाड़ा के ख्रु चैतर वसावा के बढ़ते असर पर चिंता जताई गई।

लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट इलेक्शन में आदिवासी कम्युनिटी ने आम आदमी पार्टी को भारी वोट दिया। MP मनसुख वसावा और नांदोड़ ख्रु दर्शन देशमुख समेत नेताओं ने ॢPMC में मीटिंग की। MP मनसुख वसावा ने BJP की हार का ठीकरा कुछ लोगों के प्रोपेगैंडा पर फोड़ा। MP मनसुख वसावा ने नील राव पर गुस्सा दिखाते हुए कहा कि नील राव ने कभी कोई पब्लिक मीटिंग नहीं की और न ही तालुका या डिस्ट्रिक्ट पंचायत के BJP कैंडिडेट को जिताने के लिए मेहनत की। डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट के तीन-चार बड़े मंत्री भी फेल हो गए। ये लोग ष्ट में चार-पांच लोगों को बैठाकर कैसे निकल सकते हैं? ज़रूरी फैसले लेने से पहले मुझसे पूछा जाना चाहिए था। लेकिन मुझसे भी नहीं पूछा गया। मैंने खुद बताया था कि किस सीट पर किसे टिकट दिया जा सकता है, लेकिन मेरी भी नहीं सुनी गई।

मैंने कहा था कि आज का कैंडिडेट इस सीट से चुनाव लड़ रहा है लेकिन हमारी भी नहीं सुनी गई। यह कहते हुए जिला अध्यक्ष ने सांसद पर उन्हें नज़रअंदाज़ करने का भी आरोप लगाया। हालांकि, कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी, जो यहां सतह पर आ गई है।ष्ट ऑफिस चले जाते हैं। तक सोते हैं। उन्हें लोगों के सवाल सुनने होते हैं, उन्हें जल्दी उठना चाहिए। जिला महासचिव चाहे भोलो हों या जिला अध्यक्ष नील राव। वह सुबह 9 या 10 बजे उठते हैं, वह राक्षसी प्रवृति के आदमी हैं। यहां दो राक्षस हैं, चाहे वह भोलो हो या नील, और भी कई राक्षस हैं।

राहुल गांधी का RSS पर तीखा हमला, कहा- 'देश में सिर्फ दो विचारधाराओं की जंग'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरियाणा. हरियाणा में जारी कांग्रेस की 'सद्भाव यात्रा' के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर बड़ा बयान दिया है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि देश में इस समय किसी तीसरे पक्ष के लिए जगह नहीं है, बल्कि असली मुकाबला दो विपरीत विचारधाराओं के बीच है। विचारधारा की असली लड़ाई सभा में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा 'आज इस देश में मुख्य रूप से दो ही विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। एक तरफ आरएसएस की विचारधारा है और दूसरी तरफ कांग्रेस की। इनके अलावा दूसरी कोई भी शक्ति इस मुकाबले के सामने टिक नहीं पाएगी। '

कांग्रेस ही विकल्प: राहुल का दावा

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि केवल कांग्रेस ही वह शक्ति है जो भारतीय जनता पार्टी और संघ की विचारधारा को परास्त कर सकती है। उनके भाषण के मुख्य बिंदु कुछ इस प्रकार रहे: दो ध्रुवीय राजनीति: राहुल के अनुसार, देश की राजनीति अब दो स्पष्ट ध्रुवों में बंट चुकी है। तीसरा मोर्चा बेअसर: उन्होंने संकेत दिया कि क्षेत्रीय या अन्य दल इस वैचारिक युद्ध में गौण साबित होंगे। **कांग्रेस की मजबूती:** राहुल ने दावा किया कि कांग्रेस की विचारधारा समावेशी है और **अंततः** जीत उसी की होगी। सियासी हलचल तेज राहुल गांधी के इस बयान के बाद प्रदेश और केंद्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी ने सीधे तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को चुनौती देने का माद्दा सिर्फ कांग्रेस में है। भरने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका असर आगामी

गधे की लात में और नेताओं की बात में भरोसा नहीं करना चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कहते हैं राजनीति में सब कुछ जायज होता है और देश में यह बात भी प्रचलित है कि झूठ बोलने और चोरी करने की नीति उसे कहते हैं भारत देश में राजनीति दरअसल बुधवार को डोंगरगांव ब्लॉक के कोपेडीह आलीखुंटा आरगांव मार्ग के जर्जर होने पर स्थानीय ग्रामीण जन क्षेत्रीय विधायक दलेश्वर साहू के निवास स्थल पर पहुंचे काफी हो हल्ला हुआ ग्रामीण लगातार मांग कर रहे थे कि सड़क को तत्काल बनाई जाए तब दलेश्वर साहू क्षेत्रीय विधायक ने अति आत्मविश्वास में कहा अगर 1 महीने के अंदर सड़क नहीं बनी मेरे नाम से कुत्ता पाल लेना और यह बयान सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में आ गया है दरअसल यह डायलॉग एक ऐसा रामबाण है कि जिसे बोलने से लोग नेताओं की चिकनी चुपड़ी बातों में आ जाते हैं सवाल बेहद गंभीर है जिस सड़क के लिए एक वर्ष पूर्व चक्का जाम किया गया था जिस सड़क को लेकर अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि बहुत जल्दी सड़क का निर्माण कर दिया जाएगा वह सड़क आज तक अधूरी है और क्षेत्रीय विधायक दलेश्वर साहू बोलते हैं कि एक महीने के अंदर इस सड़क को बना देंगे ऐसा कौन सा उसके पास जादू की छड़ी है वह एक महीने के अंदर सड़क का निर्माण करवा देंगे जिस सड़क को बजट में पास किया जा चुका है

प्रशासिक स्वीकृति अभी तक नहीं मिली है उस सड़क को क्षेत्रीय विधायक कैसे और किस तरीके से बनाएंगे सोचने वाली बात है कहते हैं गधे की लात पर और राजनेताओं की बात पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए यह महज एक सुर्खियां प्राप्त करने का एक उपक्रम हो सकता है लेकिन सच्चाई बिल्कुल इसके उलट है जो सड़क साल भर बाद बजट में स्वीकृति के बाद भी नहीं बन पाई वह एक महीने में कैसे बन सकती है पाठकों को याद होगा कि 2023 विधानसभा चुनाव की बात छत्तीसगढ़ के तत्कालीन केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत सिंह ने कहा था.

अगर कांग्रेस की सरकार नहीं बनी तो वह मूंछ उड़ा देंगे कांग्रेस की सरकार नहीं बनी अलबत्ता उन्होंने मूंछ भी नहीं उड़ाया तब इस बात को हमने लगातार अपने समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित किया तब मंत्री जी का बयान आया कि उन्होंने अति आत्मविश्वास में यह बात बोली थी कुछ है ऐसा ही मामला डोंगरगांव के विधायक दलेश्वर साहू का है कॉन्फिडेंस पर उन्होंने अपनी ही जगहंसाई कर लिया कि अगर सड़क नहीं बनी तो मेरे नाम से कुत्ता पाल लेना है हेमंत वर्मा की कलम से

दैनिक राशिफल

मेष — आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन भावुकता में आकर कोई बड़ा फैसला न लें। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन शुभ है। रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, खान-पान पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — आज आपको अपनी वाणी पर संयम होगा। । कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ अनबन हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है, एकाग्रता बढ़ेगी।

कर्क — मानसिक शांति अनुभव करेंगे। नए प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए आज का दिन श्रेष्ठ है। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। छोटी यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आपकी आपकी रुचि बढ़ेगी और मान-सम्मान मिलेगा। खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें ताकि बजट न बिगड़े।

कन्या — आज लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। मित्रों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। भाग्य आपके साथ है।

तुला — आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काम का बोझ अधिक हो सकता है जिससे थकान महसूस होगी। महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से पहले उन्हें ठीक से पढ़ लें।

वृश्चिक — आज अध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा। घर में किसी मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

धनु — आज सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत क्त होगी। निवेश के मामले में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें। वाहन सावधानी से चलाएं।

मकर — आज व्यापारिक यात्रा सफल रहेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होने से मन प्रसन्न रहेगा। सेहत में सुधार होगा। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

कुंभ — आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। धैर्य से काम लें और गुस्से पर काबू रखें। शाम तक स्थितियां सामान्य हो जाएंगी।

मीन — आज रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के लिए दिन अनुकूल है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

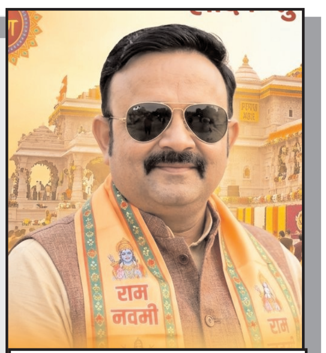

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है।

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए?

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है।

दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निदेशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है।

सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।

आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा।

बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी।

संपादकीय

हाशिये पर आधी दुनिया

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई। हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया?

रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गईं। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है - वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था।

अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने रोटी और कमल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था - देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं।

आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं। आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम आजादी का मतलब सिर्फ बाधाओं से मुक्ति या अपनी मनमर्जी करना समझ बैठे हैं। हमें लगता है कि आजादी का मतलब है कि हमारे ऊपर कोई रोक-टोक न हो, जबकि असली आजादी खुद पर नियंत्रण रखने और अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में है।

सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाना, ट्रैफिक के नियमों को मजाक समझना और आपस में बढ़ती कड़वाहट - ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि हमें अपने हक तो याद हैं, लेकिन हम अपने कर्तव्यों के मामले में बिल्कुल मौन हैं। हमें यह समझना होगा कि 10 मई की वह क्रांति केवल अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने के लिए नहीं थी, बल्कि एक ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र के निर्माण के लिए थी जहाँ हर इंसान की इज्जत हो। तो खुद से पूछना चाहिए कि आज बतौर नागरिक हमारी वो इज्जत है, जिसके लिए हमारे पुरखे लड़े। क्या हम उन शहीदों के सपनों जैसा समाज बना पा रहे हैं? 10 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें केवल पुराने गौरव को याद करने का मौका नहीं देता, बल्कि हमें आगाह भी करता है। यह याद दिलाता है कि आजादी खैरात में मिली कोई चीज नहीं है, बल्कि यह एक साधना है जिसे हर नागरिक को अपने अच्छे आचरण से बचाकर रखना पड़ता है। अगर हम वाकई उन क्रांतिकारियों को सम्मान देना चाहते हैं, तो हमें अपनी आजादी को अनुशासन के साथ जीना होगा। जिस दिन हम अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को अपने अधिकारों के बराबर खड़ा कर देंगे, उसी दिन 1857 की वह क्रांति सही मायने में सफल मानी जाएगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संस्कारों की जननी शिक्षा और समकालीन परिवर्तन की आवश्यकता

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान को जीवन में उतारकर स्वयं को एक श्रेष्ठ मनुष्य बनाना है। शिक्षा और संस्कार का संबंध इसी सत्य को प्रकट करता है। शिक्षा व्यक्ति को योग्य बनाती है, जबकि संस्कार उसे महान बनाते हैं। आज के समय में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि शिक्षा का विस्तार तो हुआ है, परन्तु संस्कारों का क्षय भी उसी गति से बढ़ा है। यही कारण है कि समाज में विद्वान व्यक्तियों की कमी नहीं है, पर सुसंस्कृत व्यक्तियों की कमी अवश्य महसूस होती है। इस परिस्थिति में शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

संस्कार और शिक्षा के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। शिक्षा एक बाहरी प्रक्रिया है, जो पुस्तकों, विद्यालयों और परीक्षाओं के माध्यम से प्राप्त होती है, जबकि संस्कार आंतरिक प्रक्रिया है, जो परिवार, वातावरण और अनुभवों से विकसित होती है। एक व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है, पर यदि उसमें विनम्रता, करुणा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता जैसे गुण नहीं हैं, तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जाएगी। दूसरी ओर, एक अशिक्षित व्यक्ति भी अपने श्रेष्ठ संस्कारों के कारण समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त कर सकता है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह केवल ज्ञान और कौशल पर केंद्रित हो गई है। विद्यालयों में बच्चों को परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तैयार किया जाता है, न कि एक अच्छा नागरिक बनने के लिए। नैतिक शिक्षा, मानवता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषय धीरे-धीरे शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं। बच्चों पर पुस्तकों का भार इतना अधिक है कि उनके पास जीवन के मूल्यों को समझने का समय ही नहीं बचता। परिणामस्वरूप, वे प्रतिस्पर्धा में तो आगे बढ़ते हैं, पर जीवन के मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं।

संस्कारों की नींव बचपन में ही रखी जाती है, और इसमें माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। विशेष रूप से माता का प्रभाव बच्चे के जीवन पर गहरा होता है। बचपन में जो आदतें और विचार बच्चे के मन में स्थापित होते हैं, वही आगे चलकर उसके व्यक्तित्व का आधार बनते हैं। इसलिए यदि प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाएं, तो वे जीवनभर उनका पालन करते हैं। परन्तु आज की व्यस्त जीवनशैली में माता-पिता बच्चों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पाते, जिससे संस्कारों का अभाव बढ़ता जा रहा है।

विद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि संस्कारों का विकास करना भी है। शिक्षक केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक भी होते हैं। यदि शिक्षक अपने आचरण से बच्चों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करें, तो बच्चों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है। दुर्भाग्यवश, आज शिक्षा एक व्यवसाय बनती जा रही है, जहां शिक्षक और छात्र दोनों ही केवल परिणामों पर ध्यान देते हैं, न कि प्रक्रिया पर। इस प्रवृत्ति को बदलना अत्यंत आवश्यक है।

सरकार को शिक्षा में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, शिक्षा नीति में नैतिक और मूल्य आधारित शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों में केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय जीवन कौशल, नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल किए जाएं, जो बच्चों को जीवन के वास्तविक पहलुओं से जोड़ें।

दूसरे, शिक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्हें यह सिखाया जाए कि वे बच्चों में अच्छे संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं। एक प्रेरणादायक शिक्षक ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकता है।

तीसरे, शिक्षा प्रणाली को परीक्षा-केंद्रित होने से बचाना चाहिए। वर्तमान में बच्चों की योग्यता का आकलन केवल अंकों के आधार पर किया जाता है, जो उचित नहीं है। इसके स्थान पर समग्र मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जानी चाहिए, जिसमें बच्चों के व्यवहार, नैतिकता और सामाजिक योगदान को भी महत्व दिया जाए।

चौथे, विद्यालयों में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। खेल, कला, संगीत और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित बनाती हैं और उनमें सहयोग, अनुशासन और संवेदनशीलता जैसे गुण विकसित करती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल मस्तिष्क का विकास नहीं, बल्कि हृदय का विकास भी होना चाहिए।

पांचवें, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ और समान हो। आर्थिक असमानता के कारण कई बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यदि सभी बच्चों को समान अवसर मिलेंगे, तो समाज में संतुलन और समरसता स्थापित होगी।

इसके अतिरिक्त, परिवार और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए और उन्हें जीवन के मूल्यों से परिचित कराना चाहिए। समाज को भी ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए, जहां अच्छे संस्कारों को प्रोत्साहन मिले।

आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक हैं। यदि उनमें अच्छे संस्कार विकसित किए जाएं, तो वे एक सशक्त और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम न बनाकर, जीवन निर्माण का साधन बनाना होगा। इसके लिए सरकार, विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। बिना संस्कार के शिक्षा अधूरी है और बिना शिक्षा के संस्कारों का विकास सीमित हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा को संस्कारों की जननी के रूप में पुनः स्थापित किया जाए। जब शिक्षा में नैतिकता, मानवता और जीवन मूल्यों का समावेश होगा, तभी एक आदर्श समाज का निर्माण संभव होगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

गाजियाबाद के AC सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग, धमाकों से दहला इलाका, 80 साल के बुजुर्ग की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। पटेल नगर इलाके में आज शनिवार तड़के एयर कंडीशनर सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी. आग इतनी भयावह थी कि बिल्डिंग के अंदर रखे एसी गैस सिलेंडर और कंप्रेसरों में लगातार धमाके होते रहे. धमाकों की आवाज से आसपास के लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए. हादसे में 80 साल के बुजुर्ग की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि कई वाहन जलकर राख हो गए. शनिवार सुबह करीब 3:05 बजे फायर ब्रिगेड को खबर मिली कि पटेल नगर में स्थित प्लॉट नंबर एफ-87 में एयर कंडीशनर सर्विस सेंटर में आग लग गई है. सूचना मिलते ही फायर स्टेशन, कोतवाली से टीमें मौके के लिए रवाना हो गईं. जब दमकल टीम पहुंची तो तीन मंजिला इमारत पूरी तरह आग की लपटों में घिरी हुई थी. बिल्डिंग के अंदर बड़ी संख्या में एसी गैस सिलेंडर और कंप्रेसर रखे हुए थे, जिनमें लगातार ब्लास्ट हो रहे थे. इससे आग तेजी से फैलती चली गई. आग के साथ उठ रहा धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था. घटना घनी आबादी वाले इलाके में हुई, इसलिए आसपास के मकानों तक आग फैलने का खतरा भी था. मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव अभियान की कमान संभाली. फायर कर्मियों ने तुरंत चार हौज पाइप फैलाकर आग बुझाने का काम शुरू किया. बाद में वैशाली, साहिबाबाद और मोदीनगर फायर स्टेशन से भी अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गईं. कुल आठ फायर ब्रिगेड की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. धुएं के कारण फायर कर्मियों को रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. दमकल कर्मियों ने बीए सेट पहनकर बिल्डिंग के अंदर एंट्री की और एक-एक हिस्से की तलाशी ली. इस दौरान ग्राउंड फ्लोर पर एक बुजुर्ग व्यक्ति मृत हालत में मिले. उनकी पहचान 80 वर्षीय त्रिलोकी नाथ के रूप में हुई है. शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि धुएं के कारण दम घुटने से उनकी मौत हुई. इस घटना में बिल्डिंग के अंदर खड़े दो चारपहिया वाहन और करीब दस बाइक भी जलकर खाक हो गईं.

BJP नेता को चेकिंग के लिए रोका, चंद घंटों में नप गए थानेदार और सिपाही,

मध्यप्रदेश के इंदौर के मऊ नाका चौराहे पर हेलमेट चेकिंग के दौरान भाजपा नेता और ट्रैफिक पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गईमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। जिले के मऊ नाका चौराहे पर शुक्रवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 के भाजपा प्रभारी वीरेंद्र शेजगे और ट्रैफिक पुलिस टीम के बीच हिंसक विवाद हो गया। हेलमेट चेकिंग ड्राइव के दौरान शुरू हुई यह बहस देखते ही देखते सड़क पर चक्काजाम और पुलिसकर्मियों के निलंबन तक पहुंच गई।

घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा है और आला अधिकारियों को दखल देना पड़ा।

थप्पड़ का आरोप और चक्काजाम

विवाद तब शुरू हुआ जब ट्रैफिक टीआई राधा यादव और उनकी टीम वाहनों की जांच कर रही थी। भाजपा नेता वीरेंद्र शेजगे का आरोप है कि एक पुलिसकर्मी ने उनकी चलती मोटरसाइकिल को रोका और उनके साथ बदसलूकी करते हुए उन्हें थप्पड़ जड़ दिया।

इस खबर के फैलते ही भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौके पर जमा हो गए और चौराहे पर धरना दे दिया। कार्यकर्ताओं की मांग थी कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं होती, वे सड़क से नहीं हटेंगे।

CCTV फुटेज और पुलिस का दावा

ट्रैफिक पुलिस का शुरुआती तर्क था कि नेताजी गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे थे, इसलिए उन्हें रोका गया। हालांकि, जब वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके के CCTV फुटेज खंगाले,

तो शुरुआती जांच में शेजगे के मोबाइल इस्तेमाल करने के कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले। इसी तकनीकी आधार ने पुलिस की दलील को कमजोर कर दिया और विभाग को झुकना पड़ा।

आखिर गाज पुलिस पर ही क्यों गिरी?

भाजपा नेता के रसूख और मौके पर मौजूद गवाहों के दबाव के चलते प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। टीआई राधा यादव को उनके पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय भेज दिया गया है, जबकि कांस्टेबल शेखर और सूबेदार लक्ष्मी को सस्पेंड कर दिया गया है।

सड़क पर फरिश्ता बनिए, सरकार देगी 25 हजार, जानें क्या है MP की 'राह-वीर' स्कीम

'राह-वीर' योजना के तहत एमपी के 15 लोगों को 25-25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले राज्य के रूप में मध्य प्रदेश की पहचान और मजबूत हुई है। केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजना राह-वीर के तहत सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर अस्पताल पहुंचाने वाले मददगारों को पुरस्कृत करने के मामले में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर रहा है।

एक साल में 15 राह-वीरों को मिला सम्मान

अप्रैल 2025 में योजना के शुभारंभ के बाद, एक साल के भीतर मध्य प्रदेश ने 15 ऐसे 'राह-वीरों' को पुरस्कृत किया है, जिन्होंने अपनी सूझबूझ से सड़क हादसों में घायल लोगों की जान बचाई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश 15 मददगारों के साथ गुजरात और हिमाचल प्रदेश के बाद तीसरे पायदान पर है। इस योजना के तहत प्रत्येक मददगार

को 25,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश की स्थिति योजना के पहले वर्ष में 27 'राह-वीरों' के साथ गुजरात सूची में सबसे ऊपर है, जबकि 20 मददगारों के साथ हिमाचल प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा। मंत्रालय के मुताबिक, अभी भी कुछ राज्य ऐसे हैं जिन्होंने अपने यहां 'राह-वीरों' को पुरस्कृत करने की प्रक्रिया शुरू नहीं की है। योजना का उद्देश्य और पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी इस योजना का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को एक जागरूक नागरिक के रूप में प्रेरित करना है ताकि वे दुर्घटना पीड़ितों की समय पर मदद कर सकें। शुरुआत में इस इनाम की राशि 5,000 रुपये तय की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया। योजना के नियमों के अनुसार, एक गुड सेमेरिटन यानी मददगार को साल में अधिकतम पांच बार पुरस्कृत किया जा सकता है। 2025 में नए नाम से हुई रीलॉन्च गौरतलब है कि यह योजना मूल रूप से 2020 में 'गुड सेमेरिटन' योजना के नाम से शुरू की गई थी, जिसमें 5,000 रुपये का पुरस्कार था। हालांकि, उस समय इसमें लोगों ने अधिक रुचि नहीं दिखाई, जिसके बाद अप्रैल 2025 में इसे नए नाम 'राह-वीर' और संशोधित पुरस्कार राशि के साथ फिर से लॉन्च किया गया।

क्या है इनाम पाने की प्रक्रिया?

योजना के तहत, जैसे ही कोई नागरिक किसी घायल को अस्पताल पहुंचाता है, संबंधित अस्पताल तुरंत स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना देता है। इसके बाद पुलिस जिला कलेक्टर को सूचित करती है।

रेड से पहले ही खबर लीक कर देते थे कर्मचारी कलेक्टर ने रंगे हाथों जासूसी करते पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दमोह। में कलेक्टर कार्यालय की गोपनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने खुद अपने ही दफ्तर में हो रही उनकी जासूसी का भंडाफोड़ किया है. जिसके बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया. मामले में दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने एक कर्मचारी को निलंबित कर दिया है, जबकि दो अन्य कर्मचारियों को उनके मूल विभाग वापस भेज दिया है. एक फोन कॉल ने खोल दी पूरी पोल मामले का खुलासा उस वक्त हुआ, जब कलेक्टर प्रताप नारायण यादव

अपने चुनिंदा अधिकारियों के साथ एक विभाग में औचक निरीक्षण की तैयारी कर रहे थे. इसी दौरान संबंधित विभाग के एक अधिकारी का फोन डीएम के पास आया और उसने डीएम से उनके विभाग में निरीक्षण करने से जुड़ी बातें की. यह बात सुन डीएम प्रताप नारायण यादव चौंक गए. क्योंकि उस समय तक औचक निरीक्षण की जानकारी सिर्फ चुनिंदा लोगों को थी तो फिर यह जानकारी बाहर कैसे पहुंची?

पास वाले कमरे में सुनाई देती थी डीएम की बातें

शक गहराने पर कलेक्टर ने खुद जांच शुरू की. उन्होंने अपने मोबाइल पर वीडियो चलाया और उसे अपने कमरे में छोड़ दिया. इसके बाद वो खुद कलेक्टर ऑफिस के अलग-अलग कमरों में जाकर चेक करने लगे. इसी दौरान कमरा नंबर 3 में जब डीएम पहुंचे तो पाया कि वहां टेलीफोन के रिसीवर से उनके चैंबर की आवाज साफ सुनाई दे रही है. बस यहीं से पूरे मामले का खुलासा हो गया.

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल दो टेलीफोन जब्त कर लिए और उन्हें जांच के लिए टेलीफोन विभाग को भेज दिया. वहीं कमरा नंबर-3 में ड्यूटी कर रहे सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी सचिन खरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. इसके अलावा कर्मचारी अजय असाटी और भृत्य जयदेव अहिरवार को उनके मूल विभाग में वापस भेज दिया गया है कलेक्टरकलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने आजतक से बात करते हुए कहा कि उनके चैंबर की गोपनीय बातें अन्य कमरे में सुनी जा रही थीं

MP सरकार का फैसला: 90 डिग्री ब्रिज केस के सभी 7 इंजीनियर बहाल, विवाद के बाद हुए थे सस्पेंड

सभी की पोस्टिंग ईएनसी ऑफिस में की गई है.इस ओवरब्रिज की डिजाइन को लेकर सरकार और पीडब्ल्यूडी की देशभर में आलोचना हुई थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने कार्रवाई करते हुए इंजीनियरों को सस्पेंड किया था.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। चर्चित 90 डिग्री एंगल वाले रेलवे ओवरब्रिज मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पहले सस्पेंड किए गए सभी 7 इंजीनियरों को बहाल कर दिया है. इस फैसले के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है. जिन इंजीनियरों को बहाल किया गया है, उनमें दो चीफ इंजीनियर भी शामिल हैं. हालांकि सरकार ने साफ किया है कि मामले की विभागीय जांच अभी जारी रहेगी और जल्द ही जांच अधिकारी नियुक्त किया जाएगा. इंजीनियर-इन-चीफ कार्यालय में हुई तैनाती सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक बहाल किए गए सभी इंजीनियरों की पोस्टिंग इंजीनियर-इन-चीफ (ईएनसी) कार्यालय में की गई है. साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि पीडब्ल्यूडी ब्रिज डिवीजन के तत्कालीन प्रभारी चीफ इंजीनियर जीपी वर्मा, तत्कालीन एसडीओ रवि शुक्ला और उप यंत्री उमाशंकर मिश्रा के खिलाफ विभागीय जांच जारी रहेगी. इन

अधिकारियों के बयान, दस्तावेज और तकनीकी तथ्यों की जांच की जाएगी. बाकी इंजीनियरों पर फिलहाल किसी प्रकार की विभागीय जांच नहीं बैठाई गई है. दरअसल भोपाल में बने इस रेलवे ओवरब्रिज की डिजाइन को लेकर उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जब पुल का एक हिस्सा लगभग 90 डिग्री एंगल पर मुड़ता दिखाई दिया. सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हुए थे. लोगों ने इसे इंजीनियरिंग की बड़ी चूक बताते हुए सरकार और लोक निर्माण विभाग की जमकर आलोचना की थी. विपक्ष ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा था और इसे जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ बताया था.

विवाद के बाद CM ने दिए थे जांच के आदेश

विवाद बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सात इंजीनियरों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया था. साथ ही पुल की डिजाइन, निर्माण प्रक्रिया और तकनीकी मंजूरी की जांच के आदेश दिए गए थे. इस कार्रवाई को सरकार की सख्ती के तौर पर देखा गया था. अब इंजीनियरों की बहाली के फैसले के बाद एक बार फिर यह मामला चर्चा में आ गया है. सरकार का कहना है कि बहाली प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है और विभागीय जांच पूरी निष्पक्षता से जारी रहेगी. वहीं विपक्ष इस फैसले पर सवाल उठा रहा है और इसे सरकार की 'यू-टर्न राजनीति' बता रहा है. तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी ओवरब्रिज की डिजाइन में सुरक्षा और यातायात मानकों का विशेष ध्यान रखा जाता है. ऐसे में 90 डिग्री जैसे तीखे मोड़ वाला पुल शुरुआत से ही सवालों के घेरे में रहा. हालांकि विभाग का दावा है कि डिजाइन तकनीकी मानकों के अनुसार तैयार की गई थी और निर्माण में सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया गया. फिलहाल इस मामले में विभागीय जांच की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. जांच के निष्कर्ष आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पुल की डिजाइन और निर्माण में वास्तव में लापरवाही हुई थी या नहीं.

प्रीपेड बिजली मीटर से मेंटिनेंस वसूली बंद, नियम तोड़ा तो सोसायटियों पर होगी कार्रवाई, PVVNL की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा और ग्रेटर नोएडा की हाउसिंग सोसायटियों में लंबे समय से प्रीपेड बिजली मीटर के जरिए मेंटिनेंस शुल्क वसूलने और बकाया होने पर बिजली काटने को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। अब पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन या अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन प्रीपेड बिजली मीटर के बैलेंस से मेंटिनेंस चार्ज नहीं काट सकेगी। विभाग ने यह भी साफ किया है कि मेंटिनेंस शुल्क बकाया होने पर किसी निवासी की बिजली सप्लाई काटना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के सप्लाई कोड 2023-24 के तहत जारी इस आदेश को नोएडा की हजारों सोसायटियों में रहने वाले फ्लैट मालिकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। बिजली मीटर का पैसा सिर्फ बिजली खर्च में होगा इस्तेमाल पीवीवीएनएल के

अधिशासी अभियंता मोहित गोयल द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि प्रीपेड बिजली मीटर में मौजूद बैलेंस का उपयोग केवल बिजली से जुड़े कार्यों के लिए किया जा सकता है। इसमें फ्लैट की बिजली खपत, लिफ्ट, वॉटर पंप और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रीपेड मीटर से मेंटिनेंस शुल्क या कॉमन एरिया मेंटिनेंस चार्ज काटना पूरी तरह अवैध है। 'निगेटिव बैलेंस' बनाकर बिजली काटना नियम विरुद्ध पीवीवीएनएल ने यह भी कहा है कि कई सोसायटियों में मेंटिनेंस चार्ज की वसूली के लिए प्रीपेड मीटर को जानबूझकर निगेटिव बैलेंस में डाल दिया जाता है, जिसके बाद संबंधित फ्लैट की बिजली काट दी जाती है। विभाग के मुताबिक यह प्रक्रिया उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के नियमों का सीधा उल्लंघन है। आदेश में चेतावनी दी गई है कि अगर कोई सोसायटी ऐसा करती पाई गई तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एल्डिको आमंत्रण सोसायटी की शिकायत के बाद कार्रवाई यह पूरा मामला सेक्टर-119 स्थित एल्डिको आमंत्रण सोसायटी के निवासी तनीश मल्होत्रा की शिकायत के बाद सामने आया। उन्होंने आरोप लगाया था कि मेंटिनेंस शुल्क की कटौती के कारण उनके प्रीपेड मीटर का बैलेंस बार-बार खत्म हो जाता था और बिजली सप्लाई बाधित हो रही थी। शिकायत मिलने के बाद बिजली विभाग ने मामले की जांच की और सोसायटी प्रबंधन को नोटिस जारी किया। इससे पहले सेक्टर-120 की आरजी रेजिडेंसी में भी इसी तरह का मामला सामने आने पर विभाग ने समान निर्देश जारी किए थे। पीवीवीएनएल ने अपने आदेश में साफ कहा है कि अगर किसी निवासी पर मेंटिनेंस शुल्क बकाया है

मथुरा : 5500 साल पुराने हरिदेव मंदिर में पुलिस ने जड़ा ताला, सेवा को लेकर मचे घमासान में कैद हुए 'भगवान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। ब्रज के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व रखने वाले ठाकुर श्री हरदेव जी महाराज मंदिर में शुक्रवार रात हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। गोस्वामी समाज के दो गुटों के बीच चल रहे आपसी विवाद के बाद पुलिस ने मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लटका दिया। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस वजह से श्रद्धालु मंदिर के अंदर दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गोस्वामी और स्थानीय लोगों का आरोप है कि गोवर्धन पुलिस ने मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लगवाया है। लोगों का कहना है कि गोस्वामी समाज में चल रहे निजी विवाद में पुलिस ने किस अधिकार से प्राचीन मंदिर के मुख्य दरवाजे को बंद कर दिया है। आरोप है कि देर रात हुई इस तालाबंदी के कारण ठाकुर जी मंदिर में कैद होकर रह गए हैं।

पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे लोग

मंदिर के विवाद का घटनाक्रम यही नहीं रुका। बताया जा रहा है कि मुख्य द्वार बंद होने के बाद कुछ लोगों ने मंदिर के पीछे के दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर प्रवेश करके इन लोगों ने खुद को मंदिर के भीतर बंद कर लिया और जबरन सेवा करने का दावा कर रहे है। वहीं, दूसरे पक्ष का आरोप है कि पहला पक्ष सेवा के समय पर अवैध रूप से अधिकार जमाए बैठे है जबकि इस महीने उनकी सेवा है।

ब्रज के चार देवों में शामिल हैं हरदेव जी

गोवर्धन में स्थित ठाकुर श्री हरदेव जी मंदिर कोई साधारण स्थान नहीं है बल्कि ब्रज की आस्था का केंद्र है। यह मंदिर करीब 5500 वर्ष पुराना बताया जाता है। इस मंदिर की स्थापना भगवान श्री कृष्ण के प्रपौत्र ब्रजनाभ ने की थी। यह मंदिर ब्रिज के चार प्रमुख देवों में से एक है जिनकी मान्यता पूरे देश में है।

'मम्मी, ससुराल वाले मार रहे हैं...' बेटी का आखिरी कॉल, मां पहुंची तो मिली लाश, 3 महीने पहले हुई थी लव मैरिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक कहानी सामने आई है. यहां रहने वाली 22 साल की मोनिका नागर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. वहीं मां ने आरोप लगाया है कि करोड़ों की प्रॉपर्टी के लालच में उनकी बेटी की हत्या की गई है. मोनिका की शादी करीब तीन महीने पहले हुई थी. उसने घटना से पहले कॉल कर बताया था कि ससुराल वाले उसे मार रहे हैं. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. ये दर्दनाक कहानी ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के घोड़ी गांव की है. दादरी पुलिस के अनुसार, 22 साल की मोनिका अपनी मां के साथ किराए के मकान में रहती थी. कुछ समय बाद ग्राम घोड़ी बछेडा के रहने वाले अनुज चौहान के साथ मोनिका ने कोर्ट मैरिज कर ली. यह शादी दोनों के परिजनों की सहमति से हुई थी. कोर्ट मैरिज के बाद से मोनिका और अनुज चौहान के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर झगड़ा होने लगा था. 7 मई को मोनिका ने अपने मौसेरे भाई को कॉल किया था और कहा था कि मेरा पति अनुज और उसके परिजन उसके साथ मारपीट कर रहे हैं. इस सूचना पर मोनिका के परिजन अनुज के घर पहुंचे तो वहां पता चला कि ससुराल वालों ने मिलकर मोनिका की हत्या कर दी है. इस मामले की सूचना मिलने के बाद दादरी पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. युवती के परिजनों से तहरीर लेकर केस दर्ज कर लिया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा. मृतका मोनिका के परिजनों का कहना है कि आरोपी युवक ने प्रेम जाल में फंसाकर कोर्ट मैरिज की थी. शादी के बाद से ही वह प्रॉपर्टी अपने नाम कराने का दबाव बना रहा था.

कब्र से निकाला युवक का शव, चाचा ने मां और मौसा पर जताया हत्या का संदेह

यूपी के बिजनौर में 22 साल के युवक सावेज की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में जिलाधिकारी के आदेश पर दो महीने बाद कब्र से शव निकाला गया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। दिल्ली में दो महीने पहले 22 साल के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. इस मामले में बिजनौर में जिलाधिकारी के आदेश पर युवक का शव दो महीने बाद कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. परिजनों ने युवक की मां और मौसा पर हत्या कर बिना पोस्टमार्टम शव को दफनाने का आरोप लगाया था. यह पूरा मामला बिजनौर के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर तिगरी का है. यहां रहने वाला 22 साल का सावेज अपनी मां रूबी और छोटे भाई ओवैस के साथ दिल्ली के कसकपुरा इलाके में रहता था. सावेज दिल्ली के पहाड़गंज में एक जनरल स्टोर की दुकान चलाता था. परिवार के मुताबिक, उसके घर पर मौसा का भी आना-जाना था. 22 मार्च की रात सावेज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. उस वक्त घर में उसकी मां और मौसा भी मौजूद थे. आरोप है कि मौत के बाद बिना किसी को सही जानकारी दिए सावेज के शव को दिल्ली से बिजनौर लाया

गया और गांव अकबरपुर तिगरी में चुपचाप दफना दिया गया. परिजनों का कहना है कि जब उन्होंने सावेज की मौत के कारणों के बारे में पूछताछ की तो मां और मौसा कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके. आरोप है कि विरोध के बावजूद शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया और जल्दबाजी में दफना दिया गया. इसी बात से परिजनों का शक गहरा गया कि सावेज की मौत सामान्य नहीं, बल्कि हत्या हो सकती है. मृतक के चाचा इमरान और अन्य परिजनों ने मामले में जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर से शिकायत की. 13 अप्रैल को एप्लिकेशन दी गई, इसमें कहा कि सावेज की मां और मौसा ने साजिश के तहत उसकी हत्या की और फिर बिना पोस्टमार्टम शव को दफना दिया. परिजनों ने डीएम से शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी. शिकायत के बाद जिलाधिकारी के आदेश पर शनिवार को प्रशासनिक और पुलिस टीम गांव पहुंची. इस दौरान नायब तहसीलदार ओंकार सिंह मौके पर मौजूद रहे. उनकी निगरानी में पुलिस ने कब्र खुदवाकर सावेज का शव बाहर निकलवाया. इस दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई. शव को कब्र से निकालकर एंबुलेंस के जरिए पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. शव निकालने के दौरान दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और नोकझोंक भी हुई. हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया. मृतक के चाचा इमरान का कहना है कि परिवार शुरू से ही सावेज की मौत को संदिग्ध मान रहा था. उनका आरोप है कि अगर मौत सामान्य होती तो पोस्टमार्टम कराने से परहेज नहीं किया जाता. उन्होंने निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. वहीं चांदपुर के सीओ देश दीपक ने बताया कि मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
10 मई 2026

इम्तियाज जलील पर भड़के संजय शिरसाट, निदा खान केस में गरमाई महाराष्ट्र की सियासत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में निदा खान की गिरफ्तारी हो गई है। टीसीएस नासिक धर्मांतरण की आरोपी निदा खान 42 दिन तक फरार रही। सामने आया है कि निदा खान को ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम पार्षद मतीन ने पनाह दी थी। मतीन माजिद ने निदा और उसके परिवार की किसी को छिपाया और किसी को इसकी भनक नहीं लगने दी। पुलिस ने मतीन को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस घटनाक्रम के बाद महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। वहीं बीजेपी ने एआईएमआईएम को आतंकवादी संगठन तक कह दिया, जिसके बाद मामला और तूल पकड़ने लगा। AIMIM नेता इम्तियाज़ जलील ने मतीन माजिद पटेल पर कहा कि वह पुलिस से ब्योरा मांगेंगे, लेकिन उन्होंने कानून के सिद्धांत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे पुलिस से सारी जानकारी लेनी होगी कि हमारे पार्षद की क्या भूमिका थी।

'निदा खान, देशपांडे और फर्नांडिस होती तो...'

इम्तियाज जलील ने कहा कि एक बात हमें समझनी होगी कि आरोपी को जमानत का पूरा अधिकार है, जब तक कि किसी के खिलाफ कोई अपराध साबित न हो जाए... मुझे भरोसा है कि पुलिस और अदालतें निष्पक्ष तरीके से काम करेंगी... अगर निदा खान की जगह निशा पाटिल, नीता देशपांडे या नैन्सी फर्नांडिस होतीं, तो भी मेरा रुख यही होता। टीसीएस नासिक में महिला कर्मचारियों के शोषण, जबरन धर्मांतरण के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न के आरोप सामने आए थे। नासिक पुलिस की विशेष जांच टीम ने नौ प्राथमिकी दर्ज कर एक महिला 'ऑपरेशन मैनेजर' सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। नितेश राणे ने AIMIM को कहा आतंकी संगठन महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को 'आतंकवादी संगठन' करार दिया। राणे का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी के एक पार्षद पर नासिक टीसीएस यौन उत्पीड़न-जबरन धर्मांतरण मामले में एक प्रमुख आरोपी को कथित तौर पर पनाह देने के लिए मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि टीसीएस मामले में आरोपी निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर के नारेगांव इलाके से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, एआईएमआईएम पार्षद मतीन माजिद पटेल ने पिछले कुछ दिनों से निदा खान और उसके परिजनों को पनाह दी थी। पुलिस ने बताया कि निदा खान को कथित तौर पर शरण के लिए मतीन पटेल को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। राणे ने कहा कि एआईएमआईएम आतंकवादी संगठन है, राजनीतिक दल नहीं। उन्होंने पार्टी की तुलना पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई और प्रतिबंधित 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' से की। महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट और एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा कि पुलिस को इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या एआईएमआईएम और उसके पूर्व सांसद जलील की टीसीएस मामले में कोई संलिप्तता थी,

कातिल फल या कोई गहरी साजिश... मुंबई तरबूज कांड में पुलिस के हाथ लगी हर्बल बोतल, पर फल में मिला चूहे मारने वाला जहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दक्षिण मुंबई के डोकडिया परिवार के चार सदस्यों की मौत के मामले में पुलिस की तफ्तीश अब 'डेड एंड' की ओर बढ़ती दिख रही है. फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी ने यह तो साफ कर दिया है कि मौत तरबूज में मौजूद जिंक फास्फाइड यानी चूहे मारने की दवा से हुई है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह जहर तरबूज तक पहुंचा कैसे?
ताजा अपडेट के मुताबिक, पायधुनी स्थित डोकडिया परिवार के घर की तलाशी के दौरान पुलिस को चूहों को भगाने वाली एक हर्बल दवा की बोतल मिली है. शुरुआती जांच में पता चला है कि इस हर्बल बोतल में 'जिंक फास्फाइड' नहीं है. अगर घर में रखी दवा हर्बल थी, तो फिर फल और मृतकों के विसरा में चूहे मारने वाला केमिकल कहां से आया?
पुलिस अब तक इस मामले में किसी भी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है. परिवार पर कोई बड़ा कर्ज नहीं था. उनकी एक पुश्तैनी दुकान थी, जिससे आने वाले किराए से ही उनके घर का खर्चा और चॉल का किराया निकलता था. पुलिस को अब तक हत्या या किसी बड़ी साजिश का कोई सबूत नहीं मिला है. घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही परिवार की किसी से दुश्मनी की बात सामने आई है.
जानिए पूरा घटनाक्रम 26 अप्रैल की रात अब्दुल डोकडिया (44), पत्नी नसरीन (35) और दो बेटियों आयशा (16) व जैनब (13) ने चिकन पुलाव खाने के कुछ देर बाद तरबूज खाया. रात में ही उनको फूड पॉइजनिंग की शिकायत हुई, डॉक्टर ने दवा दी लेकिन हालत बिगड़ती गई. एक बेटी को अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बाकी तीन की मौत जेजे अस्पताल में इलाज के दौरान हुई.
क्या कहती है FSL रिपोर्ट?
FSL ने पुलिस को सौंपी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि मृतकों के लीवर, किडनी और स्प्लीन में जिंक फास्फाइड मिला है. बचे हुए तरबूज के टुकड़ों में भी इसी केमिकल की पुष्टि हुई है. चिकन पुलाव या खाने की अन्य किसी चीज में जहर नहीं मिला.
अब पुलिस क्या करेगी? मुंबई पुलिस अब इस मामले में फोरेंसिक डॉक्टरों से दोबारा परामर्श करेगी. जांच इस दिशा में मुड़ गई है कि क्या तरबूज खरीदते समय या बाजार में ही उसमें जहर मिलने की कोई संभावना थी, या फिर घर के अंदर अनजाने में किसी अन्य तरीके से यह केमिकल खाने में मिल गया.

पुणे पुलिस ने कायम की मिसाल, 24 घंटे के अंदर बच्ची का यौन शोषण करनेवाला गिरफ्तार और चार्जशीट

लोनी कालभोर पुलिस स्टेशन ने, छह साल की एक बच्ची पर हमले की रिपोर्ट मिलने के 24 घंटे के भीतर ही संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में सफलतापूर्वक औपचारिक आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने महिला और बाल सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक मिसाल कायम की है। महज 24 घंटों के भीतर पुलिस ने न सिर्फ 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ यौन दुर्व्यवहार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया, बल्कि उसके खिलाफ अदालत में चार्जशीट भी दाखिल कर दी। यह मामला पुणे के हवेली तालुका के थेउर क्षेत्र का है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, 46 वर्षीय आरोपी श्रीधर लिंबाजी कांबले ने बीते दिन खेल रही एक 6 साल की बच्ची को खाने की चीज का लालच देकर अपने पास बुलाया। बच्ची की मासूमियत का फायदा उठाते हुए आरोपी ने उसके साथ यौन शोषण किया। जब बच्ची की मां को इस घिनौनी करतूत का पता चला, तो उन्होंने तुरंत लोणी कालभोर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जुटाए सबूत अपराध की गंभीरता और पीड़ित बच्ची की कम उम्र को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। अधिकारियों ने कांबले को उसके छिपने की जगह तक ट्रैक किया और बिना किसी देरी के उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 74 और पोक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 8 और 12 के तहत मामला भी दर्ज किया। इसके बाद, जांच टीम ने सबूत इकट्ठा करने में तेजी दिखाई और आरोपी को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए एक ही दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी।

पुणे में लगातार हो रहीं घटनाएं

हालांकि, पुणे में नाबालिग बच्चियों से यौन शोषण की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले, 6 मई को पुणे के पार्वती स्लम इलाके में एक 9 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की कोशिश की गई। आरोपी नाबालिग बच्ची का रिश्तेदार है। हालांकि, बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, 1 मई को भोर तहसील के नसरापुर इलाके में एक 65 साल के व्यक्ति ने एक नाबालिग बच्ची को बहाने से अपने साथ ले जाकर उससे दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी थी। आरोपी ने शव को गोबर के ढेर के नीचे छिपाने की भी कोशिश की थी। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

जालना धर्मांतरण विवाद: 9 साल तक ब्लैकमेलिंग और जबरन बुर्का पहनाने का आरोप, सड़कों पर प्रदर्शन; आरोपी का घर जला

महाराष्ट्र राज्य के जालना के वालसावंगी में युवती के शोषण और धर्म परिवर्तन के दबाव पर भड़का गुस्सा. हिंदू संगठनों ने निकाला विराट मोर्चा, आरोपी का घर जला. पुलिस ने 2 को किया गिरफ्तार...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालनो। एक गांव में एक युवती के साथ रेप, ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के आरोपों के बाद भारी तनाव का माहौल बन गया है. इस मामले के विरोध में शुक्रवार को हिंदू संगठनों ने विराट जनआक्रोश मोर्चा निकाला. इस दौरान 'पीड़िता को न्याय दो', 'आरोपियों को फांसी दो' और 'महिलाओं पर अत्याचार बंद होने चाहिए' जैसे नारों से पूरा गांव गूंज उठा. मोर्चे में बड़ी संख्या में महिला, युवक और तमाम हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और हिंदू समाज के लोग शामिल हुए. तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया था. इसी बीच मुख्य आरोपी का घर आग में जलकर खाक हो गया, जिससे इलाके में और तनाव बढ़ गया. हालांकि घर में आग कैसे लगी और किसने लगाई, इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है.

घटना की जानकारी मिलते ही SDOP डॉ. नितीन कटेकर, ASP संतोष माने सहित पुलिस का बड़ा दल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया.

नाबालिग रहते खींची फोटो

पारध पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, साल 2016 में जब वह नाबालिग थी, तब गांव के रहने वाले शेख इमरान शेख हबीब पिंजारी नामक (37) विवाहित शख्स ने उसका अर्धनग्न फोटो अपने मोबाइल में खींच लिया. आरोप है कि फोटो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने करीब 9 साल तक युवती का मानसिक और शारीरिक शोषण किया. शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने कई बार जबरदस्ती संबंध बनाए और वीडियो कॉल के जरिए अश्लील हरकतें करने के लिए मजबूर किया. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी और उसके परिवार के कुछ सदस्यों ने उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया. शिकायत के मुताबिक, उसे कुरान पढ़ने के लिए कहा गया, उर्दू और मराठी भाषा में कुरान दी गई और नमाज पढ़ने का तरीका भी सिखाने का प्रयास किया गया. पीड़िता का आरोप है कि साल 2018 में आरोपी के परिवार ने भी उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया था. पीड़िता का आरोप है की आरोपी के मां-पिता और भाई ने उसे अपने वालसावंगी के घर में बुलाकर जबरदस्ती उसके कपड़े बदलवाकर उसे बुर्का पहनाया, जिससे वह मानसिक रूप से आहत हुई. शिकायत में यह भी कहा गया है कि 8 मार्च 2026 को आरोपी ने जालना शहर स्थित पीड़िता के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती रेप किया. साथ ही जान से मारने और फोटो वायरल करने की धमकी भी दी. जालना के एसपी तेगबीर सिंह संधू ने बताया कि इस मामले में पारध पुलिस ने मुख्य आरोपी शेख इमरान, शेख हबीब पिंजारी, उसके भाई शेख जुनेद समेत परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. सड़कों पर उतरा जनसैलाब पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है. दोनों आरोपियों को अदालत ने 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. फिलहाल पारध पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है.

दिल्लीवाले अब घर बैठे ठीक करवा सकेंगे मृत्यु और जन्म प्रमाण पत्र; 1 महीने के भीतर मिल सकती है सुविधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। इसके तहतनई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के निवासी अब घर बैठे ही जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों में सुधार कर सकेंगे। इसके लिए अब ऑनलाइन संशोधन की व्यवस्था की जा रही है। हृष्ठस्ष्ट अपने आधिकारिक पोर्टल पर एक नई सुविधा शुरू करने पर काम कर रहा है। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, नागरिक घर बैठे ही अपने मोबाइल नंबर और आधार कार्ड की जानकारी दर्ज करके और आवश्यक सहायक दस्तावेज अपलोड करके सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे।

1 महीने के भीतर सुविधा मिलने की उम्मीद

एनडीएमसी अधिकारियों ने बताया कि यह सुविधा एक महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। फिलहाल, निवासियों को सुधार के लिए आवेदन जमा करने के लिए मंदिर मार्ग स्थित जन्म और मृत्यु पंजीकरण कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जाना पड़ता है।
एक अधिकारी ने बताया कि नाम जोड़ने की सुविधा पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है, लेकिन जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों में सुधार के लिए ऑनलाइन प्रणाली का अंतिम संस्करण एनडीएमसी अध्यक्ष से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद चालू किया जाएगा।
अधिकारी ने आगे कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र शिक्षा, बैंकिंग, संपत्ति संबंधी लेनदेन और कई अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय किए जाएंगे कि केवल अधिकृत व्यक्ति ही इस सुविधा का उपयोग कर सकें।

जन्म प्रमाण पत्र कैसे बनवाएं

सबसे पहले **crsorgi.gov.in** वेबसाइट पर जाएं।
नए उपयोगकर्ता Sign Up या General Public Signup' पर क्लिक करके अपना अकाउंट बनाएं।
अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से पोर्टल पर लॉगिन करें।
Apply for Birth Certificate' विकल्प चुनें और मांगी गई जानकारी जैसे जन्म तिथि, स्थान, और माता-पिता का विवरण भरें।
आवश्यक दस्तावेज (जैसे अस्पताल की डिस्चार्ज स्लिप या आईडी प्रूफ) स्कैन करके अपलोड करें। फॉर्म सबमिट करने के बाद आपको एक एप्लिकेशन रिफरेंस नंबर मिलेगा, जिससे आप अपने आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकते हैं।
आवश्यक दस्तावेज
अस्पताल की रसीद/डिस्चार्ज स्लिपः यदि जन्म अस्पताल में हुआ हो।
माता-पिता का पहचान पत्रः आधार कार्ड, वोटर आईडी, आदि।
बिजली बिल या राशन कार्ड
एफिडेविट/स्व-घोषणा पत्र

दिल्ली के दो गांवों के किसानों के लिए खुशखबरी, मिलेगा बढ़ा हुआ मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रोहिणी स्थित जिला अदालत ने दिल्ली में जमीन अधिग्रहण से जुड़े दो अहम मामलों में किसानों और जमी1111न मालिकों को बड़ी राहत देते हुए मुआवजे की दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि समान परिस्थितियों वाले जमीन मालिकों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए और उन्हें पूर्व मामलों में तय दरों के अनुरूप मुआवजा मिलना चाहिए।
डिस्ट्रिक्ट जज सिद्धार्थ माथुर ने 6 मई को दो अलग-अलग मामलों में दिए गए फैसलों में आजादपुर और प्रह्लादपुर बांगर गांवों की अधिग्रहित जमीन के लिए बढ़ी हुई दरों पर मुआवजा का निर्देश दिया।
आजादपुर गांव से जुड़े मामले में अदालत ने 3,822 वर्ग मीटर जमीन का बाजार मूल्य 16.613 रुपये प्रति वर्ग मीटर से बढ़ाकर 27,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर कर दिया।

अदालत ने अपने आदेश में क्या कहा

यह जमीन 'दिल्ली के नियोजित विकास' के तहत आजादपुर में ग्रेड सेपरेटर निर्माण परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं को वही लाभ मिलना चाहिए जो समान अधिग्रहण वाले अन्य जमीन मालिकों को पहले के मामलों में दिया जा चुका है। वहीं, प्रहलादपुर बांगर गांव की जमीन से जुड़े दूसरे आवासीय योजना फेज-IV और ङ्क के लिए अधिग्रहित जमीन का बाजार मूल्य 12.16 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 12,85,628 रुपये प्रति एकड़ कर दिया।

निदा खान को पनाह देनेवाले का नाम आया सामने, ओवैसी की पाटी AIMIM पार्षद मतीन माजिद पटेल गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक। टीसीएस नासिक धर्मांतरण केस में गिरफ्तार निदा खान का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस ने दावा किया कि एआईएमआईएम के एक पार्षद ने आरोपी निदा खान और उसके परिवार को पनाह दी थी। पार्षद ने न्हें छत्रपति संभाजीनगर में छिपाकर रखा था। नासिक पुलिस ने बताया कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पार्षद मतीन पटेल से लगातार पूछताछ के बाद गुरुवार को एक उच्च स्तरीय संयुक्त पुलिस अभियान में निदा खान को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि मतीन माजिद पटेल को इस मामले में आरोपी बनाया गया है क्योंकि उसने निदा खान (27) को शरण दी थी। निदा खान टीसीएस में कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने के मामले में आरोपी है। वह गिरोह की एक प्रमुख संदिग्ध है। प्रवीण पवार की टीम ने बनाया प्लान नासिक के पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक ने बताया कि निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर के नारेगांव इलाके से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर के पुलिस आयुक्त प्रवीण पवार और उनकी टीम ने खान की तलाश में नासिक पुलिस की मदद की। यह साफ़ है कि AIMIM पार्षद (मतीन माजिद पटेल) का निदा खान को छिपाने में हाथ था। इस सबके पीछे कौन था, इसका पता लगाया जाएगा। क्या वे धर्मांतरण रैकेट में शामिल हैं? क्या उन्होंने मदद की? इसका पता चल जाएगा। देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रीसंयुक्त अभियान के बारे में संदीप कार्णिक ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर पुलिस ने वहां खान के ठिकाने का पता लगाया।

दिल्ली में दिल दहलाने वाली वारदात, भलस्वा डेयरी में नाबालिग की चाकू गोदकर हत्या, मां ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भलस्वा डेयरी इलाके में गुरुवार शाम 16 साल के एक नाबालिग की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मृतक की मां ने आरोप लगाया है कि कुछ युवकों ने पहले भी उनके बेटों को जान से मारने की धमकी दी थी। इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि अगर पुलिस समय पर कदम उठाती तो शायद उनका बेटा आज जिंदा होता। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। मृतक की पहचान विशाल यादव के रूप में हुई है। विशाल अपने पैरेंट्स और बहन के साथ भलस्वा डेयरी की झुग्गी कलंदर कॉलोनी में रहता था। नॉर्थ-वेस्ट जिले के डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को बाबू जगजीवन राम अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक नाबालिग को चाकू लगने के बाद अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने विशाल को मृत घोषित कर दिया था। विशाल को उसका एक दोस्त घायल हालत में अस्पताल लेकर पहुंचा था।

डीसीपी ने क्या कहा

डीसीपी ने बताया कि घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया है कि विशाल अपने कुछ दोस्तों के साथ वहां गया था। इसी दौरान कुछ लड़कों से उसका विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम तंदूर वाली गली पहुंची, जहां हमला किया गया था।

आरोपियों की हुई पहचान, तलाश जारी

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। मृतक की मां सविता ने बताया कि इससे पहले भी कुछ लड़को से विवाद हुआ था। उन लोगों ने विशाल को जान से मारने की धमकी दी थी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी का एग्जाम का फाइनल शेड्यूल जारी, अब रविवार को भी होंगे पेपर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। यूनिवर्सिटी ने स्नातक परीक्षाओं की फाइनल डेटशीट जारी कर दी है. संशोधित डेटशीट के अनुसार, इस बार कुछ पेपर रविवार को भी होंगे. डेटशीट को लेकर छात्रों की शिकायतों और कन्फ्यूजन के बाद यूनिवर्सिटी ने शेड्यूल में बदलाव किया है.
डीयू अधिकारियों का कहना है कि ये बदलाव खास तौर पर छठे और आठवें सेमेस्टर के छात्रों को ध्यान में रखकर किए गए हैं, ताकि वे अपनी परीक्षाएं जल्दी खत्म कर सकें और नौकरी,
इंटरव्यू या दूसरी परीक्षाओं में शामिल हो सकें. यह पहली बार है जब दिल्ली यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शुरू किए गए चौथे वर्ष के पाठ्यक्रम के बाद आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित करेगा.
डीयू के परीक्षा नियंत्रक गुरप्रीत सिंह टुटेजा ने बताया कि पहले परीक्षाएं 16 मई से शुरू होकर 19 जून तक चलने वाली थीं. लेकिन अब नया शेड्यूल बनाया गया है. इसके तहत 16 मई से अगले 14 दिनों तक छठे और आठवें सेमेस्टर के एग्जाम एक दिन छोड़कर होंगे.
इसी वजह से कुछ पेपर रविवार को भी रखे गए हैं. इसके बाद दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं चलेंगी और सभी इवन सेमेस्टर के एग्जाम 14 जून तक खत्म हो जाएंगे.
अधिकारियों के मुताबिक, यह व्यवस्था इसलिए भी जरूरी थी क्योंकि छठे और आठवें सेमेस्टर के कई छात्रों के बैकलॉग पेपर भी हैं,
जिन्हें समायोजित करना था. टुटेजा ने स्पष्ट किया कि डेटशीट में किए गए बदलाव केवल NEP के तहत पढ़ रहे छात्रों के लिए हैं.
चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम और लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क के तहत परीक्षा देने वाले छात्रों के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है. रविवार को परीक्षा कराने के फैसले को लेकर छात्रों में मिली-जुली प्रतिक्रिया है. कुछ छात्र इसे जल्दी एग्जाम खत्म करने के लिए अच्छा बता रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि लगातार परीक्षा होने से दबाव बढ़ेगा.

लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि होंगे देश के नए CDS, हाथ में होगी तीनों सेनाओं की कमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को देश का अगला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त किया है. वह वर्तमान सीडीएस जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई, 2026 को समाप्त हो रहा है.

पदभार ग्रहण करने के साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे. लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि का सैन्य करियर बेहद शानदार रहा है. वह वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं. इससे पहले वह सेना के उपप्रमुख और मध्य कमान के जीओसी-इन-सी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं. उनकी यह नियुक्ति थिएटर कमांड और सशस्त्र बलों के एकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है. लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि नेशनल डिफेन्स अकैडमी (एनडीए), जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज (यूके) और नेशनल डिफेन्स कॉलेज (नई दिल्ली) के पूर्व छात्र रह चुके हैं, उन्होंने किंग्स कॉलेज लंदन से मास्टर डिग्री प्राप्त की. दिसंबर 1985 में लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि को गढ़वाल राइफल्स में कमीशन मिला. इस बीच, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है.

महानगर मेट्रो

देशभर में बारिश-आंधी का अलर्ट, कई राज्यों में भारी वर्षा की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, जहाँ बारिश, गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ कुछ जगहों पर ओलावृष्टि और भारी वर्षा की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 10 से 14 मई के बीच देश के विभिन्न हिस्सों के लिए यह चेतावनी जारी की है।

उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई के दौरान बारिश और आंधी का पूर्वानुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 और 14 मई को गरज, बिजली और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड के लिए 11 और 12 मई को 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति और झोंकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँचने वाली तेज़ हवाओं के साथ गरज की संभावना है। पूर्वी भारत में, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 और 12 मई को, तथा गांगेय पश्चिम बंगाल में 10 मई को 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। बिहार में 10 से 12 मई, ओडिशा में 9 से 12 मई और झारखंड में 10 से 14 मई के दौरान भी ऐसी ही स्थिति रहेगी। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में 9 मई को, विदर्भ में 10 मई को और छत्तीसगढ़ में 9 से 12 मई के दौरान गरज-चमक, बिजली और 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश में 9 मई को कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। पूर्वोत्तर में, असम और मेघालय में 11 और 12 मई को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 9 से 10 मई और फिर 11-12 मई को; अरुणाचल प्रदेश में 12 मई को गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। अरुणाचल प्रदेश में 13-14 मई को और असम-मेघालय में 12-14 मई को भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भी मौसम खराब रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, और लक्षद्वीप में 9 से 12 मई तक गरज-चमक और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 8 से 12 मई के दौरान बारिश हो सकती है। कर्नाटक में 9 से 11 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में और 9 मई को तटीय कर्नाटक में भी गरज-चमक के साथ आंधी और तेज़ हवाएं चलेंगी। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे और लक्षद्वीप में आगामी दिनों में तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 8-9 मई को भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

पुर्तगाल से भारत लाया गया गैंगस्टर अभय राणा, हरियाणा पुलिस को थी लंबे समय से तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने विदेश और गृह मंत्रालय की मदद से गैंगस्टर अभय उर्फ अभय राणा को पुर्तगाल से भारत वापस लाने में सफलता पा ली है। हरियाणा पुलिस को कई गंभीर मामलों में उसकी तलाश थी। अभय राणा हरियाणा में दर्ज कई आपराधिक मामलों में वांछित था। इन मामलों में रंगदारी, आपराधिक धमकी, संगठित अपराध सिंडिकेट का संचालन, हत्या का प्रयास और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। करनाल जिले में दर्ज मामले की जांच में सामने आया कि आरोपी और उसके सहयोगी वॉट्सएप कॉल सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थानीय व्यापारियों को फिरौती के लिए धमकाते थे। जो लोग उनकी मांगें पूरी नहीं करते थे, उन पर गिरोह के सदस्यों द्वारा हमला किया जाता था। जांच पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ संबंधित अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी-नई दिल्ली) ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर इंटरपोल चैनलों के माध्यम से आरोपी अभय के खिलाफ रेडकार्नर नोटिस जारी कराया। आरोपी की लोकेशन का पता लगने और पुर्तगाल की एजेंसियों द्वारा गिरफ्तारी के बाद भारत की ओर से प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुर्तगाल के अधिकारियों ने आरोपी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी।

मोहब्बत की निशानी ताजमहल के शाही दरवाजे के दरकने लगे पत्थर

-पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिरे

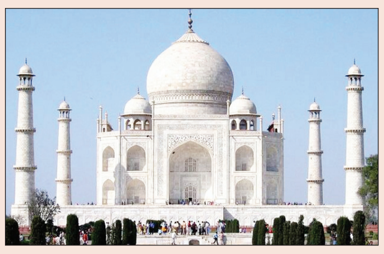

आगरा (एजेंसी)। दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल ताजमहल करीब 373 साल पुराना हो चुका है। इस स्मारक के शाही दरवाजे के पत्थर अब दरकने लगे हैं। दरवाजे की दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। कुछ पत्थर अपनी जगह से खिसक गए हैं। शाही गेट अब आंधी और बारिश भी नहीं झेल पा रहा। पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिर चुके हैं। इससे पहले भी ताजमहल परिसर के कई हिस्सों में पत्थर और जालियां टूट चुकी हैं। मुख्य मकबरे के पीछे यमुना नदी की तरफ लगी जालीदार रेलिंग भी तेज बारिश और आंधी नहीं झेल पाई। साल 2020 में यह रेलिंग गिर गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 7 अप्रैल 2026 को आगरा में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान ताजमहल के शाही दरवाजे के सफेद और लाल पत्थर निकलकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई पर्यटक इसकी चपेट में नहीं आया। 30 अप्रैल 2026 को आगरा में हल्की आंधी और बारिश हुई। इसके बावजूद शाही दरवाजे के सफेद पत्थर के 5 टुकड़े टूटकर नीचे गिर गए। शाही दरवाजा ताजमहल का मुख्य प्रवेश द्वार है। ताजमहल के पश्चिमी और पूर्वी गेट से प्रवेश करने के बाद पर्यटक फोरकोर्ट में पहुंचते हैं। यहां से इसी शाही दरवाजे के जरिए मुख्य मकबरे तक जाते हैं। पहले दक्षिणी गेट से आने वाले पर्यटक भी इसी दरवाजे के सामने पहुंचते थे। हालांकि, साल 2018 से दक्षिणी गेट बंद है। शाही दरवाजा भी उतना ही पुराना माना जाता है, जितना ताजमहल का मुख्य मकबरा।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में आग : बड़ा हादसा टला, सुरक्षा पर उठे सवाल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार के शासन सचिवालय परिसर में शनिवार दोपहर तब हड़कंप मच गया जब सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) के न्यूज सेक्शन में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार देख परिसर में मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों की मुस्तैदी और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। डीआईपीआर के उच्चाधिकारियों ने न्यूज सेक्शन का जायजा लिया है और अब नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जिसमें कंप्यूटर, तकनीकी उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेजों के जलने की आशंका है। गौर करने वाली बात यह है कि सचिवालय में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ठीक एक साल पहले भी इसी डीआईपीआर कार्यालय के एक कमरे में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी, जिसमें कुछ जरूरी फाइलें और फर्नीचर जल गए थे। बार-बार एक ही विभाग में बिजली संबंधी गड़बड़ी से आग लगना, शासन सचिवालय की पुरानी वायरिंग और अग्नि सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा पर गंभीर सवालिया निशान खड़े करता है। अधिकारियों ने विद्युत व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा इंतजामों की नए सिरे से समीक्षा करने की बात कही है।

अमरनाथ यात्रा 2026 : ट्रेनों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कंफर्म टिकट मिलना हुआ मुश्किल

भोपाल (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिख रहा है। यात्रा शुरू होने से पहले ही भोपाल से जम्मू जाने वाली ट्रेनों में सीटों की भारी मांग के कारण कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। हालात ये हो गई हैं कि यात्रा की तारीख से 60 दिन पहले टिकट बुक कराने पर भी यात्रियों को वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे के नए नियमों के अनुसार 1 नवंबर 2024 से एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी) को 120 दिन से घटाकर 60 दिन किया गया है। इसके चलते अमरनाथ यात्रा के दौरान टिकटों की मांग और अधिक बढ़ गई है। भोपाल से जम्मू जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में मालवा एक्सप्रेस (12919), झेलम एक्सप्रेस (11077) और अंदमान एक्सप्रेस (16031) में सीटों की उपलब्धता बेहद कम है। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक चलेगी। यात्रा अवधि को देखकर श्रद्धालुओं ने रेलवे से भोपाल से जम्मू के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की मांग की है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके और यात्रा सुगम हो सके। यात्रा को लेकर आईआरसीटीसी और अन्य टूर ऑपरेटरों द्वारा विशेष यात्रा पैकेज भी पेश किए जा रहे हैं। हालांकि, यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण ये पैकेज भी तेजी से भर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यापारी की याचिका खारिज की : पीड़ित-केंद्रित न्याय पर जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दुबई निवासी कारोबारी समीर अग्रवाल की उस याचिका को खारिज किया हैं, जिसमें उन्होंने उत्तराखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में उनके खिलाफ दर्ज 24 आपराधिक मामलों को दिल्ली स्थानांतरित कर एक साथ जोड़ने की मांग की थी। अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने पीड़ित-केंद्रित न्याय के महत्व पर विशेष जोर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल किया कि क्या शीर्ष अदालत को आरोपी की सुविधा के लिए उसके कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के पीड़ितों को विभिन्न राज्यों से दिल्ली आने के लिए मजबूर करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पूर्व के उन फैसलों पर नाराजगी जाहिर की, जिसमें बड़े धोखाधड़ी मामलों की प्राथमिकियों को समेकित किया गया था, यह कहते हुए कि अक्सर इसतरह के निर्णय पीड़ितों के बजाय आरोपियों को लाभ पहुंचाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धोखाधड़ी का हर मामला विशिष्ट होता है, क्योंकि इसमें पीड़ित और धोखाधड़ी की राशि अलग-अलग होती है, भले ही आरोपी एक ही हो। पीठ ने टिप्पणी की कि जांच के लिए प्राथमिकियों को समेकित नहीं किया जा सकता, और इसतरह के धोखाधड़ी के शिकार लोग अक्सर न्यायिक प्रणाली के अदृश्य शिकार भी होते हैं। चीफ जस्टिस ने सुझाव दिया कि यदि कारोबारी उच्चतम न्यायालय रजिस्ट्री में 1,000 करोड़ रुपये जमा करे, ताकि पीड़ितों को दिल्ली आने के लिए यात्रा और ठहरने का खर्च दिया जा सके, तब इस पर विचार किया जा सकता है।

बीजेपी प्रवक्ता का विपक्ष पर हमला, सुवेंदु कैबिनेट में 'रोहिंग्या' या 'बांग्लादेशी' नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने पश्चिम बंगाल में नई बीजेपी सरकार के गठन के बाद सोशल मीडिया पर जातिवाद और सांप्रदायिक राजनीति पर निशाना साधकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि बंगाल के नए मंत्रिमंडल में कोई ÷रोहिंग्या÷ या ÷बांग्लादेशी÷ नहीं है, बल्कि सभी मंत्री भारतीय बंगाली समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कैबिनेट के प्रमुख चेहरों का जिक्र कर लिखा कि सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टुडू और नीतिश सभी भारतीय बंगाली हैं। उन्होंने ÷एक हैं, सबसे सुरक्षित हैं÷ का संदेश देकर विपक्ष पर जातीय और धार्मिक विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के बाद सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल में बीजेपी का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। शपथ ग्रहण समारोह में कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। शुभेंदु ने बांग्ला भाषा में शपथ लेकर जनता का अभिवादन किया। इसके बाद मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। अग्निमित्रा पॉल लगातार दो चुनाव जीत चुकी हैं, जबकि दिलीप घोष पार्टी संगठन में लंबे समय तक अहम भूमिका निभा चुके हैं। विधानसभा की कुल 294 सीटों के आधार पर राज्य में अधिकतम 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं। संविधान के अनुसार किसी भी राज्य में मंत्रियों की संख्या विधानसभा के कुल सदस्यों के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।

मृत बहन का कंकाल लाने वाले जीतू मुंडा की बदली किस्मत

-बैंक खाते से निकालने गए 19 हजार रुपये, अपमान के बाद मिले 15 लाख रुपये

क्योंझर (एजेंसी)। ओडिशा के क्योंझर जिले के दियानाली गांव से हृदय विदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया। 52 वर्षीय जीतू मुंडा ने अपनी मृत बहन कलरा का कंकाल कंधे पर रखकर बैंक ले जाने का बेहद दर्दनाक कदम उठाया था। जीतू अपनी बहन के बैंक खाते में जमा 19,400 रुपए निकालने पहुंचे थे, लेकिन बैंक मैनेजर ने जीतू से कहा कि बहन को लाने पर ही पैसा मिलेगा। अपनी बहन की मौत की बात बताने के बावजूद, जीतू का आरोप है कि मैनेजर ने यह शर्त रखी, जिसके बाद उन्होंने कब्र से बहन कलरा का कंकाल निकाला और तीन किलोमीटर दूर बैंक तक लेकर पहुंचे।

जीतू और उनकी बहन कलरा, जो 26 जनवरी को बीमार होने के बाद चल बसी थीं, बेहद गरीबी में जीवन यापन कर रहे थे। कलरा ने पति की मौत के बाद एक बछड़ा बेचकर 19,400 रुपए ग्रामीण बैंक में जमा किए थे। उन्हें सरकार से मिलने वाले 1 हजार रुपए और 35 किलो चावल ही जीतू के साथ उनके गुजारे का एकमात्र सहारा था। जीतू का खुद का कोई काम नहीं है और वे एक जर्जर मकान में रहते थे जो कभी भी ढह सकता था। बहन की मौत के बाद, बैंक में जमा यह छोटी सी रकम ही उनके लिए आखिरी आस बची थी।

लेकिन जब हृदय विदारक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जीतू मुंडा की जिंदगी बदल गई है। उन्हें विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों से करीब 15 लाख रुपए की आर्थिक मदद मिल चुकी है। इसके अलावा, उनकी बहन के बैंक खाते में जमा 19,400 रुपए भी मिल गए हैं। एक साल पहले कलरा को मिले सरकारी घर में अब बिजली कनेक्शन भी लग गया है और जीतू मुंडा अब उसी घर में रह रहे हैं।

इस मामले में जिम्मेदार बैंक मैनेजर ने कहा है कि उन्होंने जीतू से केवल आवश्यक दस्तावेज मांगे थे, न कि बहन के मृत शरीर लाने को कहा था। हालांकि, जीतू अपने दावे पर अडिग हैं कि मैनेजर ने जानबूझकर उनसे कहा था कि बहन को लेकर आओ, तभी पैसा मिलेगा, जबकि उन्हें बहन की मौत के बारे में बताया गया था। जांच में यह भी सामने आया है कि जीतू और कलरा पहले भी कई बार बैंक आए थे, और आखिरी बार वे 26 दिसंबर को 500 रुपए निकालने आए थे।

डिंपल यादव की मांग: मतगणना की लाइव स्ट्रीमिंग हो, भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि आयोग पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। मैनपुरी स्थित सपा कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में चुनाव आयोग पर भरोसा करना मुश्किल हो गया है क्योंकि उसकी कार्यप्रणाली एकतरफा और सत्ता पक्ष के अनुकूल नजर आ रही है। डिंपल यादव ने पश्चिम बंगाल चुनाव के अनुभवों का हवाला देते हुए मांग की है कि उत्तर प्रदेश में होने वाली आगामी मतगणना प्रक्रिया का लाइव प्रसारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने बंगाल चुनाव की मतगणना की फुटेज सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बंगाल में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का काम किया है। उनके अनुसार, कार्यकर्ताओं को घरों से निकलने से रोका गया और रात के समय पुलिस दबिश देकर दबाव बनाया गया। सांसद ने आशंका जताई कि भाजपा उत्तर प्रदेश में भी इसी तरह की रणनीति अपना सकती है। राज्य की कानून-व्यवस्था पर प्रहार करते हुए सपा सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने तंज कसा कि जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहां महिलाओं पर अत्याचार में वृद्धि हुई है। सपा और ममता बनर्जी के संबंधों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सपा के दीदी के साथ हमेशा मधुर संबंध रहे हैं। आगामी चुनावी चुनौतियों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की किसी भी रणनीति का डटकर मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस दौरान पार्टी के कई स्थानीय विधायक और वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

बंगाल में चुनाव खत्म होते ही पंजाब में हर दिन ईडी मार रही छापे

केजरीवाल ने पीएम मोदी की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर हुई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भड़क उठे। केजरीवाल ने कहा कि बंगाल में चुनाव खत्म होते ही पंजाब में हर दिन ईडी की छापेमारी शुरू हो गई है। उन्होंने पिछले दिनों ईडी की छापेमारी के बाद सांसद अशोक मित्तल के बीजेपी में चले जाने का भी जिक्र किया। साथ ही पीएम मोदी की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से कर डाली।

शनिवार सुबह संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ से दिल्ली तक के ठिकानों पर एक साथ ईडी की टीमें पहुंचीं। आप ने इसे पंजाब चुनावों से जोड़ते हुए केंद्र सरकार पर जोरदार हमला किया। खुद केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही बंगाल चुनाव खत्म हुए, मोदीजी ने पंजाब में रोज ईडी ने छापा मारना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ सालों में मोदीजी ने पंजाब के साथ बहुत धोखा किया है। पंजाबियों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया है।

केजरीवाल ने आगे कहा कि पंजाब के पानी पर हमला किया, पंजाब यूनिवर्सिटी को लेने की कोशिश की, ग्रामीण विकास का पैसा रोक लिया और अब ईडी ने ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी। उन्होंने राघव चड्ढा और अन्य सांसदों के साथ आप छोड़कर बीजेपी में गए राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल का भी जिक्र किया। केजरीवाल ने कहा कि अशोक मित्तल के यहां रेड हुई, अगले दिन उनको बीजेपी में शामिल करवा लिया। इसका मतलब ईडी की रेड का मकसद चोरी का पैसा ढूंढना नहीं था। केवल अशोक मित्तल को तोड़कर उन्हें बीजेपी में शामिल करवाना था। कुछ दिन पहले संजीव अरोड़ा के यहां भी रेड हुई। वो बीजेपी में शामिल नहीं हुए तो उनके यहां फिर से रेड करवा दी। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है। कई सौ साल पहले औरंगजेब ने देश के कई भागों पर कब्जा कर लिया। मोदीजी ने भी बेईमानी से देश के कई हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। मोदीजी अब पंजाब पहुंचे हैं। औरंगजेब ने गुरुओं पर बहुत अत्याचार किए। मोदीजी भी पंजाबियों पर अत्याचार कर रहे हैं, लेकिन गुरुओं ने कुर्बानी देकर औरंगजेब का सामना किया और लोगों को बचाया। आज गुरुओं की कुर्बानी से प्रेरणा लेकर पंजाब मोदीजी के अत्याचार का सामना करेगा और पूरे देश को उनके अत्याचार से बचाएगा।

ईरान संकट के बीच ओमान बना भारत और खाड़ी देशों के व्यापार की नई लाइफलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य पर अनिश्चितता का साया गहरा गया है, इस संकट ने भारत और छह खाड़ी देशों के बीच समुद्री व्यापार के लिए बड़ी चुनौती खड़ी की है। इससे ओमान के बंदरगाह एक नई लाइफलाइन और बायपास बनकर उभरे हैं, जो महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग को सुचारु रखने में मदद कर रहे हैं। बीते कुछ हफ्तों से यहीं से होकर सामानों की आवाजाही हो रही है, जिससे भारतीय निर्यातकों ने बहुत राहत की सांस ली है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों से भारत से खाद्य पदार्थों का निर्यात इन्हीं ओमानी बंदरगाहों के रास्ते खाड़ी देशों तक पहुंच रहा है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के छह सदस्य देश सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कतर, कुवैत और बहरीन अपनी लगभग 85 प्रतिशत खाद्य जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं और भारत उनका एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। होर्मुज स्ट्रेट में बनी बाधा के बीच यह नया मार्ग उनके लिए एक बड़ी मदद साबित हो रहा है।

ओमान का सोहर बंदरगाह इस स्थिति में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। 2004 में खुला यह बंदरगाह होर्मुज के बाहर स्थित है और कृषि उत्पादों को संभालने के लिए इसमें एक समर्पित टर्मिनल है। इसके गहरे समुद्र में स्थित 21 मिलियन वर्ग मीटर के परिसर में लॉजिस्टिक्स, पेट्रोकेमिकल्स और मेटल के लिए भी अलग क्लस्टर हैं। अपनी सामरिक स्थिति के कारण, सोहर बंदरगाह जीसीसी, भारत और पूर्वी अफ्रीकी बाजारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है। इस तरह, सलालाह बंदरगाह भी कृषि और खाद्य उत्पादों की आवाजाही के लिए उपयोगी साबित हो रहा है, जो सालाना 2,500 जहाजों को संभालने में सक्षम है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जीसीसी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसका वार्षिक व्यापार 178.56 बिलियन डॉलर से अधिक है। भारत इन देशों को चावल, कपड़े, मशीनरी और रत्न-आभूषण निर्यात करता है, जबकि उनसे कच्चा तेल, गैस और कीमती धातुएं आयात करता है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इस नए मार्ग से तेल और गैस का आयात कितनी बड़ी चुनौती है या यह संभव भी है या नहीं।

क्रूज शिप से 12 देशों तक पहुंचा हंतावायरस, संक्रमित यात्रियों ने बढ़ाई वैश्विक चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया अभी कोविड-19 महामारी के असर से पूरी तरह उबर भी नहीं है कि अब हंतावायरस के एक खतरनाक स्ट्रेन ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण अमेरिका से रवाना हुए एक क्रूज शिप पर फैले संक्रमण के बाद कई देशों में अलर्ट जारी हुआ है। बताया जा रहा है कि संक्रमित यात्री करीब 12 देशों में पहुंच चुके हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निगरानी तेज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में क्रूज शिप अर्जेंटीना के उशुआइया बंदरगाह से रवाना हुआ था। जहाज पर करीब 150 यात्री सवार थे। यात्रा के दौरान दो डच यात्री दक्षिण अमेरिका के एक कचरा क्षेत्र में पक्षी देखने गए, जहां उनका संपर्क संक्रमित चूहों से हुआ। माना जा रहा है कि यहीं से वायरस जहाज पर फैला। अब तक पांच मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हंतावायरस आमतौर पर संक्रमित चूहों के मल-मूत्र, लार या उनके संपर्क में आने से फैलता है। लेकिन इस बार सामने आया ÷एंडीज स्ट्रेन÷ ज्यादा चिंताजनक माना जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह वायरस खांसने, छींकने, किस करने या एक ही गिलास और स्ट्रॉ का इस्तेमाल करने से भी फैल सकता है।

अध्ययन बताते हैं कि संक्रमित व्यक्ति के बेहद करीबी लोगों में संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। 24 अप्रैल को यह क्रूज शिप सेंट हेलेना द्वीप पर रुका था, जहां 29 यात्री उतर गए। उस समय तक संक्रमण की जानकारी सामने नहीं आई थी। बाद में ये यात्री कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी, तुर्की, सिंगापुर और न्यूजीलैंड समेत कई देशों में पहुंच गए। अब विभिन्न देशों की स्वास्थ्य एजेंसियां इन यात्रियों की पहचान कर उन्हें आइसोलेट करने और निगरानी में रखने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल यह स्थिति कोविड जैसी वैश्विक महामारी में बदलने की संभावना कम है। प्रोफेसर का कहना है कि हंतावायरस नया नहीं है और दशकों से मौजूद है। वहीं प्रोफेसर के अनुसार, यह वायरस सामान्य फ्लू की तरह तेजी से नहीं फैलता क्योंकि संक्रमण के लिए अत्यधिक वायरल लोड और बेहद करीबी संपर्क जरूरी होता है। विशेषज्ञों ने आम लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है। चूहों वाले इलाकों से दूरी बनाए रखने, भोजन और पेय पदार्थ साझा न करने तथा बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। फिलहाल स्वास्थ्य एजेंसियां हालात पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

कच्चे तेल और भू-राजनीति ने तय की भारतीय शेयर बाजार की चाल

विधानसभा चुनाव नतीजों के शुरुआती रुझानों ने दिया सहारा, सप्ताह की मजबूत शुरुआत के बावजूद अंत

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर की सवारी जैसा रहा। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू चुनावी रुझानों ने बाजार की दिशा तय की। शुरुआती उत्साह, मध्य-सप्ताह की जोरदार तेजी और फिर अंत में मुनाफ़ावसूली तथा बढ़ते तनाव के चलते आई गिरावट के बावजूद, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह का समापन मामूली बढ़त के साथ किया, जो निवेशकों की सतर्कता और लचीलेपन दोनों को दर्शाता है। तेल और चुनावी रुझानों का असर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार शुरुआत देखने को मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों से मिले सकारात्मक संकेतों ने बाजार को और गति दी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक उछल गया और निफ्टी 24,240 के स्तर को पार कर गया। दिन के अंत में हालांकि आईटी और बैंक शेयरों में कुछ गिरावट दर्ज हुई, पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जहां सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर और निफ्टी 121.75 अंक चढ़कर 24,119.30 पर पहुंच गया। दूसरे दिन मुनाफावसूली और सतर्कता का रुख सोमवार की तेजी के बाद मंगलवार को बाजार में कमजोरी का रुख रहा। शुरुआती कारोबार में ही भारी मुनाफावसूली हावी रही, जिससे निवेशक सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते दिखे। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 361.62 अंक गिरकर 76,907.78 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 134.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,980.60 पर पहुंच गया। दिन का कारोबार खत्म होने पर, सेंसेक्स 251.61 अंक गिरकर 77,017.79 पर और निफ्टी 86.50 अंक गिरकर 24,032.80 पर बंद हुआ। वैश्विक संकेतों से मिली ताकत बुधवार का दिन निवेशकों के लिए बेहद शानदार साबित हुआ। वैश्विक मोर्चे पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव के जल्द सुलझने की उम्मीदों ने बाजार की धारणा को काफी मजबूत किया। निवेशकों की भारी खरीदारी के दम पर, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 657.22 अंक उछलकर 77,675.01 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 218 अंकों की मजबूत रैली के साथ 24,250.85 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के अंत में यह तेजी और बढ़ गई और सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर तथा निफ्टी 298.15 अंक बढ़कर 24,330.95 पर पहुंच गया, जो सप्ताह की सबसे बड़ी एक दिवसीय बढ़त थी। सप्ताह के अंत में फिर भू-राजनीतिक तनाव और बिकवाली का दबाव गुरुवार को बाजार ने सपाट शुरुआत की, हालांकि शुरुआती बढ़त के बाद बिकवाली के दबाव से नरमी दिखी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा और अंततः सेंसेक्स 114.00 अंक गिरकर 77,844.52 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी लगभग सपाट 4.30 अंक टूटकर 24,326.65 पर रहा। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय इक्विटी बाजार पर मध्य-पूर्व से जुड़ी नई भू-राजनीतिक चिंताओं का गहरा असर पड़ा। पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य तनाव ने वैश्विक निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया। इस अनिश्चितता के माहौल में बैंकिंग शेयरों में बिकवाली और भारी मुनाफावसूली देखने को मिली। दिन के अंत में बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों (0.66 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 77,328.19 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) फिसलकर 24,176.15 के स्तर पर आ गया। स्थिरता के बीच लचीलापन कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी अस्थिरता भरा रहा। भू-राजनीतिक हलचल, कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव, घरेलू चुनाव परिणाम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों ने बाजार को लगातार प्रभावित किया। शुरुआती मजबूती और मध्य-सप्ताह की जोरदार रैली के बावजूद, अंत में मध्य-पूर्व के बढ़ते तनाव और मुनाफावसूली ने बाजार को नीचे धकेला।

हालांकि, सप्ताह के अंत में सोमवार के बंद स्तरों की तुलना में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ समापन किया, जो बाजार के लचीलेपन और निवेशकों के एक बड़े वर्ग द्वारा हर गिरावट पर खरीदारी के रुख को दर्शाता है। आने वाले सप्ताह में भी वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

टाटा ट्रस्ट्स की अहम बैठक टली, वीटो पावर पर मंथन टला, अटकलें तेज

टाटा संस में ट्रस्ट के प्रतिनिधित्व और वीटो पावर की समीक्षा थी मुख्य एजेंडा

मुंबई।

मुंबई में टाटा ट्रस्ट्स की अहम बोर्ड बैठक ऐन मौके पर स्थगित कर दी गई, जिससे कॉर्पोरेट गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। बताया जा रहा है कि इस असामान्य स्थगन के पीछे टाटा संस के निदेशक मंडल में ट्रस्ट के वीटो पावर संबंधी संवेदनशील एजेंडा मुख्य कारण है। जानकार सूत्रों के अनुसार बैठक का मुख्य एजेंडा टाटा संस के निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधित्व की समीक्षा करना था। टाटा संस के अनुच्छेद 121ए के तहत नामित निदेशकों को अहम फैसलों पर वीटो शक्ति प्राप्त है, जिनमें निवेश और नेतृत्व में बदलाव शामिल हैं।

वर्तमान में नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ट्रस्ट के नामित निदेशक हैं।

समीक्षा के परिणामस्वरूप श्रीनिवासन के हटने पर नोएल टाटा अकेले नामित निदेशक रह सकते हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2026 में नोएल टाटा ने एन

चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद पर पुनर्नियुक्ति पर सवाल उठाए थे।

टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एक्जिम बैंक का 2025-26 में मुनाफा बढ़कर 4,273 करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़कर 4,273 करोड़ रुपये रहा।बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में 3,243 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एक्जिम बैंक ने बयान में बताया कि पूरे वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान उसका कुल कारोबार 13.31 प्रतिशत बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि शुद्ध ऋण पोर्टफोलियो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.07 लाख करोड़ रुपये रहा।आलोच्य वित्त वर्ष के दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया गया है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर 0.57 प्रतिशत पर आ गया। वहीं एनपीए 0.14 प्रतिशत से घटकर 0.01 प्रतिशत पर रहा।

गूगल भारत में एआई और ड्रोन विनिर्माण में करेगा बड़ा निवेश- वैष्णव

कंपनी पहले ही देश में कर रही है पिक्सल फोन और क्रोमबुक का उत्पादन

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज गूगल भारत में अपने कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे के विस्तार और सर्वर व ड्रोन के विनिर्माण में बड़े निवेश की संभावना तलाश रही है। यह कदम भारत को वैश्विक एआई हब बनाने की दिशा में एक अहम कड़ी है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गूगल अधिकारियों के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि गूगल भारत में एआई बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सर्वर और ड्रोन के विनिर्माण में निवेश के अवसर तलाश रही है। यह घोषणा विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में गूगल द्वारा अप्रैल में 15 अरब अमेरिकी डॉलर के एआई केंद्र की आधारशिला रखने के बाद हुई है।

कंपनी भारत में पहले से ही सक्रिय है; वह फॉक्सकॉन और डिक्सन जैसी कंपनियों के साथ मिलकर अपने पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन करती है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 में एचपी के साथ साझेदारी में चेन्नई के पास क्रोमबुक्स का उत्पादन भी शुरू किया गया था। पिछले महीने, गूगल ने विशाखापत्तनम के तारलुवाड़ा में अपने क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर की भी आधारशिला रखी थी। यह मेगा परियोजना अदाणी कॉनेक्स और एयरटेल नेक्स्ट्रा के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है, जिसमें एक गीगावॉट क्षमता वाला हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर शामिल होगा।

यह भारत में गूगल की बढ़ती उपस्थिति और निवेश प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिक्षा के लिए 30 दिन शेयर मूल्य आंकड़ों का होगा उपयोग सेबी

नया नियम 1 जुलाई से प्रभावी होगा

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को निवेशक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए शेयर मूल्य आंकड़े साझा करने के नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। अब इन उद्देश्यों के लिए 30 दिन पुराने शेयर मूल्य आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। यह नई रूपरेखा 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी होगी। सेबी ने एक परिपत्र में स्पष्ट किया कि इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य बाजार आंकड़ों के संभावित दुरुपयोग को रोकना और साथ ही शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता को बनाए रखने के बीच एक उचित संतुलन स्थापित करना है। नियामक ने यह फैसला उन सुझावों के आधार पर लिया है जहां एक दिन की देरी को आंकड़ों के दुरुपयोग की आशंका पूरी तरह कम करने में अपर्याप्त पाया गया, जबकि तीन महीने की देरी से शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था। यह संशोधन सेबी द्वारा इस संबंध में किए गए पिछले बदलावों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। मई 2024 में, सेबी ने लाइव बाजार आंकड़ों के उपयोग को केवल कारोबार और संबंधित कार्यों तक सीमित कर दिया था, और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक दिन की देरी के साथ डेटा उपयोग की अनुमति दी थी। इसके बाद, जनवरी 2025 में, नियमों को और सख्त करते हुए केवल शैक्षणिक गतिविधियों में लगे संस्थानों के लिए तीन महीने पुराने

आंकड़ों के उपयोग की शर्त लागू की गई थी।

ई 30 दिन की एकसमान समय-सीमा अब शैक्षणिक संस्थानों को सामग्री तैयार करने और कक्षाओं या अन्य माध्यमों में उपयोग दोनों के लिए समान मानदंड प्रदान करेगी। हालांकि, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) को अपने सिमुलेशन लैब में उपयोग के लिए एक दिन की देरी के साथ बाजार मूल्य आंकड़ों तक पहुंच मिलती रहेगी।

8वें वेतन आयोग से केंद्रीय कर्मचा रियों का न्यूनतम बेसिक हो सकता है 69,000 रुपए

वेतन आयोग की टीम ने देश के सभी राज्यों में पूरी कीं बैठकें

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। 8वें वेतन आयोग की कवायद तेज हो गई है और आयोग की टीम ने देशभर में अपनी बैठकें लगभग पूरी कर ली हैं। इन बैठकों में कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी मांगों को गहराई से समझा गया है।

अब तक की चर्चाओं में जो सबसे अहम मांग उभरकर आई है, वह है फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.83 करना और न्यूनतम मूल वेतन को मौजूदा 18,000 रुपये से सीधे 69,000 रुपये तक पहुंचाना। यदि आयोग इन मांगों को स्वीकार करते हुए अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपता है और ये लागू होती हैं, तो केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक 8वें वेतन आयोग की टीम ने दिल्ली, पुणे और उत्तराखंड जैसे प्रमुख राज्यों में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठकें की हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के वेतन ढांचे में सुधार और उनकी वास्तविक आर्थिक जरूरतों को समझना था। इन संवादों के बाद अब आयोग अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में जुटा है, जिसे जल्द ही केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। अगर फिटमेंट फैक्टर 3.83 लागू होता है, तो कर्मचारियों की सैलरी में चौंकाने वाला इजाफा होगा। उदाहरण के लिए, वर्तमान में न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये है, जो 3.83 फिटमेंट फैक्टर के साथ बढ़कर सीधा 69,000 रुपये हो जाएगा।

यह वृद्धि सभी स्तरों के कर्मचारियों पर लागू होगी।

संभावित वेतन वृद्धि के कुछ उदाहरण- लेवल 1 (चपरासी, अटेंडेंट) का वेतन 18,000 रुपये से बढ़कर 69,000 रुपये हो सकता है, मिड लेवल पर लेवल 7 के कर्मचारी का वेतन 44,900 रुपये से बढ़कर 1.72 लाख रुपये तक पहुंच सकता है, उच्च स्तर के अधिकारियों, जैसे कि लेवल 13, का वेतन 1.23 लाख रुपये से बढ़कर 4.71 लाख रुपये और शीर्ष स्तर (लेवल 18) पर 2.50 लाख रुपये से बढ़कर 9.57 लाख रुपये तक हो सकता है।

बाजार की अस्थिरता के बीच चमके मल्टीबैगर शेयर, दिया 200 फीसदी मुनाफा

सेंसेक्स में गिरावट के बावजूद 5 कंपनियों के शेयरों ने एक साल में निवेशकों की पूंजी की दोगुनी-तिगुनी

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में बीते एक साल से जारी भारी उतार-चढ़ाव और अस्थिरता के बावजूद, कुछ चुनिंदा शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। जहां सेंसेक्स में 2.50 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं निफ्टी 50 ने मामूली बढ़त दिखाई। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भी, इन मल्टीबैगर शेयरों ने 100 फीसदी से 200 फीसदी तक का जबरदस्त रिटर्न देकर निवेशकों की पूंजी कई गुना बढ़ा दी। इन मल्टीबैगर शेयरों में फोर्स मोटर्स, अडानी पावर, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स और हिन्दुस्तान कॉपर शामिल हैं। इन कंपनियों के शेयरों पर बाजार की अस्थिरता का कोई खास असर नहीं पड़ा और इन्होंने निवेशकों को शानदार मुनाफा कमाकर दिया। विशेष रूप से एथर एनर्जी के शेयर ने तो निवेशकों के लिए पैसा छापने की मशीन का काम किया, जिसने एक साल में 203 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया। यानी अगर किसी निवेशक ने एक साल पहले इसमें 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वह राशि अब 3 लाख रुपए से अधिक हो जाती। ये शेयर दर्शाते हैं कि सही कंपनियों में निवेश करने पर बाजार की विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतरीन रिटर्न हासिल किया जा सकता है।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने सरकार से की 1500 प्र ति क्विंटल सब्सिडी की मांग

उत्पादन लागत भी न मिल पाने पर जताई चिंता, राहत न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

मुंबई।

महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक किसान कीमतों में भारी गिरावट और उत्पादन लागत में अभूतपूर्व वृद्धि के चलते आर्थिक तबाही का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से प्याज की कीमतें लगातार गिर रही हैं, जबकि बीज, खाद, कीटनाशक, मजदूरी, सिंचाई, बिजली और परिवहन जैसे खर्चों में भारी बढ़ोतरी हुई है। संघ के अनुसार किसान अपनी उत्पादन लागत भी वसूल नहीं पा रहे हैं। संघ ने कई किसानों की आपबीती भी साझा की, जिसमें सोलापुर में एक किसान को 41 बोरी प्याज बेचने के बाद मात्र 519 रुपये का लाभ हुआ, जबकि नासिक में एक किसान को 50 पैसे प्रति किलोग्राम कीमत मिलने पर आत्महत्या का प्रयास करना पड़ा। छत्रपति संभाजीनगर जिले में भी किसानों ने कम कीमतों के विरोध

में प्याज की नीलामी रोक दी। संघ ने केंद्र और राज्य सरकारों से तुरंत 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने, प्याज के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाने, बाजार समितियों में कमीशन को नियंत्रित करने, किसानों को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने और प्याज के लिए एक गारंटीशुदा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करने की मांग की है। संगठन ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

यदि तत्काल राहत उपायों की घोषणा नहीं की गई, तो पूरे राज्य में आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

एयर इंडिया घाटे वाले मार्गों पर कम करेगी उड़ानें

हवाई क्षेत्र की पाबंदियां और ईंधन की ऊंची कीमतें बनी वजह

नई दिल्ली।

एयर इंडिया अपने कुछ मार्गों पर उड़ानों की संख्या कम करने या सेवाएं निलंबित करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि हवाई क्षेत्र से जुड़ी बाधाओं और बढ़ती परिचालन लागत के कारण कई उड़ानें अब लाभदायक नहीं रह गई हैं या घाटे में चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने, पश्चिम एशिया में संघर्ष और विमान ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि ने लंबी उड़ान अवधि के साथ मिलकर एयरलाइन की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते कई अंतरराष्ट्रीय मार्ग अब लाभकारी नहीं रह गए हैं, जिससे उन पर संचालन घटाना आवश्यक हो गया है। कुछ मामलों में उड़ानों की आवृत्ति कम की जाएगी, जबकि अन्य पर सेवाएं पूरी तरह से रोकनी पड़ सकती हैं। लागत कम करने के प्रयासों के तहत एयरलाइन ने कर्मचारियों के लिए

वार्षिक वेतनवृद्धि को कुछ समय के लिए स्थगित करने की घोषणा की है। साथ ही, कर्मचारियों से गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने की अपील भी की गई है। विल्सन ने जोर दिया कि नेटवर्क को परिस्थितियों के अनुसार लचीला रखना महत्वपूर्ण है और अनुकूल बदलाव आने पर इन मार्गों पर सेवाएं फिर से शुरू की जा सकती हैं।

एयरलाइन ने अप्रैल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती शुरू की थी, जो मई में जारी रही और जून-जुलाई के लिए भी और कटौती की संभावना है।

एडोब ने नोएडा में खोला नया एआई कें द्रित कार्यालय

उत्तर प्रदेश में तीसरे और देश में सातवें परिसर में 700 से अधिक कर्मचारी करेंगे काम

नई दिल्ली।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर दिग्गज एडोब ने हाल ही में नोएडा में अपने अत्याधुनिक नया कार्यालय खोल लिया है जो भारत में कंपनी के विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नवाचार पर उसके बढ़ते जोर को दर्शाता है। यह भारत में एडोब का सातवां और उत्तर प्रदेश में तीसरा परिसर है, जो वर्तमान में 700 से अधिक इंजीनियरिंग और ग्राहक सेवा विशेषज्ञों को समायोजित कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 129 में स्थित यह नया कार्यालय एडोब की भारत में रणनीतिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। एडोब इंडिया के कंट्री मैनेजर और डॉक्यूमेंट क्लाउड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिज्ञान मोदी ने कहा कि यह उद्घाटन एआई और एजेंटिक तकनीकों की ओर बढ़ रही दुनिया में भारत से नवाचार को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिसर को आधुनिक तकनीक और सहयोगी कार्यस्थलों के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि एआई युग में टीमवर्क और कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। एडोब इंडिया की एम्प्लॉई एक्सपीरियंस हेड स्वाति रुस्तगी ने बताया कि यह कार्यालय तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में टीमों को अधिक प्रभावी ढंग से साथ काम करने में सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह आईजीबीसी-प्लेटिनम प्रमाणित है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और ऊर्जा-बचत प्रणालियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडोब ने 1997 में एक इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में भारत में अपनी यात्रा शुरू की थी। तब से कंपनी ने देश में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्तमान में, एडोब भारत में 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जिससे यह अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा कार्यबल केंद्र बन गया है। कंपनी के वैश्विक नवाचार में भारत की हिस्सेदारी एक-तिहाई से भी अधिक है। प्रतिभा विकास के लिए भी एडोब सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसी साल कंपनी ने भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों को फायरफ्लाई, फोटोशॉप और एक्रोबैट जैसे प्रमुख एआई-टूल्स मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की थी।

क्लाउडफ्लेयर ने 1,100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी का किया ऐलान

एआई युग के अनुरूप पुनर्गठन के तहत लिया गया फैसला, प्रभावितों को मिलेगा व्यापक पैकेज

नई दिल्ली।

अमेरिकी कनेक्टिविटी क्लाउड कंपनी क्लाउडफ्लेयर ने वैश्विक स्तर पर 1,100 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने अपने परिचालन ढांचे को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के अनुरूप बदलने के लिए यह कदम उठाया है। यह फैसला तकनीकी उद्योग में एआई के तेजी से बढ़ते प्रभाव और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक बदलावों की ओर स्पष्ट संकेत देता है। कंपनी के एक आंत रिक मेमो के अनुसार पिछले तीन महीने में क्लाउडफ्लेयर में एआई का आंतरिक उपयोग 600 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। इंजीनियरिंग, वित्त, मानव संसाधन और मार्केटिंग सहित कई विभागों में कर्मचारी अब अपने रोजमर्रा के कामों के लिए तेजी से एआई एजेंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्लाउडफ्लेयर ने स्पष्ट किया है कि यह कदम केवल लागत घटाने या खराब प्रदर्शन के आधार पर की गई छंटनी नहीं है, बल्कि एजेंटिक एआई युग के अनुरूप पूरे संगठन में एक बड़े परिवर्तन का हिस्सा है। मेमो में यह भी कहा गया है कि यह निर्णय नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों की प्रतिभा या काम का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि कंपनी

हर आंतरिक प्रक्रिया, टीम और भूमिका को नए सिरे से डिजाइन कर रही है। प्रभावित कर्मचारियों को सीधे जानकारी दी जाएगी और उन्हें आधिकारिक व व्यक्तिगत दोनों ईमेल पते पर नोटिस भेजी जाएगी। क्लाउडफ्लेयर ने प्रभावित कर्मचा रियों के लिए एक व्यापक पैकेज की घोषणा की है। इसमें 2026 के अंत तक पूरा मूल वेतन, अमेरिका में वर्ष के अंत तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ और 15 अगस्त तक अतिरिक्त इक्विटी वेस्टिंग लाभ शामिल हैं। जिन कर्मचारियों ने अभी तक अपनी एक साल की वेस्टिंग अवधि पूरी नहीं की है, उन्हें भी अलगाव पैकेज के तहत आनुपातिक इक्विटी वेस्टिंग दी जाएगी। कंपनी इस पुनर्गठन प्रक्रिया को एक ही चरण में पूरा करना चाहती है, ताकि लंबे समय तक अनिश्चितता से बचा जा सके। कंपनी का मानना है कि यह बदलाव उसे तेज और ज्यादा नवोन्मेषी बनाएगा, क्योंकि वह एआई-आधारित उत्पादों और सेवाओं में लगातार निवेश कर रही है।

गर्मी में क्रीमी और टेस्टी कुल्फी बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

कुछ लोग दूध पकाते समय शुरुआत में ही दूध और फ्लेवर इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा जब दूध गाढ़ा हो जाए, तभी चीनी डालो। अगर आप शुरुआत में चीनी डालोगे तो दूध जल्दी गाढ़ा नहीं होगा। आप इसी समय इलायची, केसर, या गुलाब जल डाल सकते हो।

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी कुछ ना कुछ ठंडा खाना चाहते हैं और इसलिए सबसे पहले याद आती है कुल्फी की। ठंडी-ठंडी और मीठी-मीठी कुल्फी खाकर बेहद मजा आ जाता है। अमूमन हम सभी बाजार से कुल्फी लाकर खाते हैं, लेकिन अगर आप चाहो तो इसे घर पर भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। हो सकता है कि आपने भी घर पर कुल्फी बनाई हो, लेकिन घर पर कुल्फी बनाने का एक नुकसान यह है कि वह बाजार जैसी क्रीमी और टेस्टी नहीं बनती है। कभी उसमें बर्फ जम जाती है, तो कभी वो बहुत सख्त हो जाती है।

अगर आपने भी अक्सर इस समस्या का सामना किया है और आपको लगता है कि आप परफेक्ट कुल्फी नहीं बना सकते तो आप गलत है। दरअसल, कुछ ऐसे आसान व छोटे-छोटे हैक्स हैं, जो आपकी कुल्फी को टेस्टी व क्रीमी बनाने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ हैक्स के बारे में बता रहे हैं-

दूध को करें गाढ़ा

अगर आप घर पर कुल्फी बना रहे हैं तो ऐसे में दूध को अच्छी तरह गाढ़ा करें और कुल्फी बनाने के लिए फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें। आप दूध को धीमी आंच पर 30-40 मिनट तक उबालो। साथ ही, दूध को बीच-बीच में चलाते रहो, वरना वह नीचे लग जाएगा।

चीनी और फ्लेवर सही तरह से करें इस्तेमाल

कुछ लोग दूध पकाते समय शुरुआत में ही दूध और फ्लेवर इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा जब दूध गाढ़ा हो जाए, तभी चीनी डालो। अगर

आप शुरुआत में चीनी डालोगे तो दूध जल्दी गाढ़ा नहीं होगा। आप इसी समय इलायची, केसर, या गुलाब जल डाल सकते हो।

ड्राई फ्रूट्स को ना भूलें

कुल्फी बनाते समय ड्राई फ्रूट्स डालना ना भूलें। आप काजू, बादाम, पिस्ता बारीक कट करके डालो। साथ ही, अगर आप थोड़ा सा पेस्ट बनाकर डालोगे तो और इससे क्रीमी टेक्सचर मिलेगा।

मिल्क पाउडर का करें इस्तेमाल

अगर आपको क्रीमी कुल्फी खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में कुल्फी तैयार करते समय मिल्क पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। मिल्क पाउडर का इस्तेमाल करने से कुल्फी स्मूथ बनती है और इससे आइस क्रिस्टल्स नहीं बनते हैं।

लू से बचाएगा यह जबरदस्त ड्रिंक, नोट करें नारियल अनानास कुलुकी की रेसिपी

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने और ताजगी पाने के लिए मशहूर फ़ूड क्रिएटर मेघना की 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' रेसिपी ट्राई करें। नारियल पानी, पाइनएप्पल और हरी मिर्च के मीठे-तीखे स्वाद वाला यह समर ड्रिंक एनर्जी देता है और इसे घर पर बनाना बेहद आसान है।

काफी लुका-छुपी खेलने के बाद आखिरकार गर्मियों ने दस्तक दे ही दी है। जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, हमें अपनी सेहत के प्रति थोड़ा गंभीर हो जाना चाहिए। अक्सर हम धूप और उमस को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन यही लापरवाही डिहाइड्रेशन, दस्त या हीट स्ट्रोक जैसी बड़ी समस्याओं की वजह बन जाती है। इससे पहले कि गर्मी आपकी सेहत बिगाड़े, अपनी डाइट में इस तागी भरे ड्रिंक को शामिल करें। यह न केवल शरीर को ठंडा रखेगा, बल्कि आपको अंदर से एनर्जी भी देगा।

मशहूर फूड क्रिएटर मेघना ने हाल ही में 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' की एक जबरदस्त रेसिपी शेयर की है। उनके अनुसार, यह ड्रिंक मीठे और तीखे स्वाद का एक अनोखा संगम है। नारियल पानी की ठंडक और पाइनएप्पल की मिठास के साथ जब हरी मिर्च का हल्का सा तीखापन और सब्जा सीड्स का टेक्सचर मिलता है, तो यह साधारण ड्रिंक को भी खास बना देता है।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी को तैयार करने के लिए सामग्री

ताजा पाइनएप्पल का गूदा (छना हुआ), ताजा नारियल पानी, भीगे हुए सब्जा (तुलसी के बीज), मिठास के लिए शहद या चीनी, थोड़ा काला नमक, नींबू का रस, ताजी हरी मिर्च (बीच से कटी हुई), पुदीने के पत्ते और ढेर सारे बर्फ के टुकड़े।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी बनाने की विधि

सबसे पहले ताजे पाइनएप्पल के टुकड़ों को पीसकर बारीक गूदा बना लें और उसे अच्छी तरह छान लें। सब्जा सीड्स को पानी में तब तक भिगोकर रखें जब तक वे पूरी तरह फूल न जाएं। एक शेकर में पाइनएप्पल का गूदा, नारियल पानी, शहद, काला नमक, नींबू का रस, कटी हुई हरी मिर्च, पुदीने के पत्ते, थोड़े से भीगे हुए सब्जा सीड्स और बर्फ डालें। शेकर का ढक्कन कसकर बंद करें और सभी चीजों का स्वाद आपस में अच्छी तरह मिलाने के लिए उसे जोर से हिलाएं। एक गिलास में थोड़े और सब्जा सीड्स डालें, उसके ऊपर तैयार मिश्रण डालें, और पाइनएप्पल व कटी हुई हरी मिर्च से सजाकर परोसें।

बच्चों को आंखों की थकान से बचाने के लिए टिप्स

बच्चों में आंखों की थकान और स्क्रीन से जुड़ी आंखों की समस्याएं गंभीर रूप से बढ़ रही हैं, जिससे नेत्र विशेषज्ञों में चिंता की लहर फैल रही है। स्क्रीन पर लंबे समय तक नज़र बनाए रखने से बच्चों की आंखों को ड्राईनेस, धुंधलापन, आंखों में थकान और सिरदर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं, खासकर जब वे मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर घंटों बिताते हैं। आंखों के विशेषज्ञों ने बताया गया है कि आज के बच्चे पहले से कहीं ज्यादा स्क्रीन टाइम के संपर्क में हैं, जिससे डिजिटल आई स्ट्रेन जैसी समस्याएं सामान्य होती जा रही हैं।

स्क्रीन टाइम के नुकसान

लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियों पर तनाव बढ़ता है जिससे आंखों में थकान, धुंधला दिखना और जलन जैसी शिकायतें आती हैं। स्क्रीन के नज़दीक देखने से आंखों को लगातार फोकस बनाए रखना पड़ता है, जिससे अनुकूलन तनाव होता है और दृष्टि में अस्थायी बदलाव के लक्षण दिख सकते हैं। शोध से यह भी पता चलता है कि स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में ड्राई आई, दृष्टि दोष और आंखों की समस्याओं का जोखिम बढ़ रहा है। लंबी अवधि स्क्रीन पर देखने से आंखों का नमी संतुलन बिगड़ सकता है और आँखें जल्दी थक सकती हैं।

माता-पिता को क्या करना चाहिए

आंखों पर जोर और थकान कम करने के लिए विशेषज्ञ कुछ आसान परामर्श देते हैं।

20-20-20 नियम अपनाएं: हर 20 मिनट स्क्रीन देखने के बाद बच्चे को कम से कम 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु पर नज़र डालने का अभ्यास करवाएं।

स्क्रीन टाइम सीमित करें: छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को दिन में 1 घंटे तक ही सीमित रखें। बड़े बच्चों के लिए स्कूल के अतिरिक्त 2 घंटे से अधिक न देखें।

स्क्रीन की दूरी और टाइम सीमा: सुनिश्चित करें कि स्क्रीन की दूरी कम से कम 18-24 इंच हो और स्क्रीन आंखों के थोड़ा नीचे रखा जाए ताकि आंखों पर तनाव कम हो।

अच्छा प्रकाश और ब्रेक: कमरे में पर्याप्त रोशनी रखें और स्क्रीन से जुड़े कार्य के दौरान नियमित अंतराल पर ब्रेक लें ताकि आंखों को विश्राम मिले।

ऑउटडोर खेल: रोजाना कम से कम 90-120 मिनट की बाहरी गतिविधि या खेलकूद को प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक रोशनी में खेलने से आंखों की सेहत बेहतर बनी रहती है और द्व4श्श्चद्वड्ड (नेत्र दोष) के जोखिम को कम मदद मिलती है।

बच्चों पर ध्यान दें और उन्हें अच्छी आदतें सिखाएं

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक समय में स्क्रीन उपयोग को पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है, लेकिन संतुलित समय और सही आदतें अपनाने से बच्चों की आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। माता-पिता को चाहिए कि वे स्कूल और मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम को संतुलित रखें, समय-समय पर आंखों की जांच करवाएं और शुरुआती संकेतों पर नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लें, ताकि छोटी असहजता बड़ी समस्या न बन जाए।

दांतों की सेहत को नजरअंदाज न करें

शरीर की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन अक्सर हम बड़े अंगों के साथ-साथ दांतों की सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर बच्चों के मामले में। बच्चों के दांतों पर लापरवाही करना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है। आजकल छोटे बच्चों में दांतों की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, फिर भी कई माता-पिता इसे गंभीरता से नहीं लेते। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर समय पर बच्चों के दांतों की सही देखभाल न की जाए, तो इसका असर सिर्फ मुंह तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनकी पूरी शरीर की सेहत पर भी पड़ सकता है।

शुरुआत में ही पहचानें समस्या - बच्चों के दांतों में सड़न (कैविटी) धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में सफेद या हल्के भूरे धब्बे दिखाई देते हैं, जो बाद में गड्ढे (कैविटी) में बदल जाते हैं। यह समस्या बैक्टीरिया और मीठे खाने के कारण होती है, जो दांतों की ऊपरी परत (एनामेल) को नुकसान पहुंचाते हैं।

दांत खराब हुए तो शरीर पर भी असर- दांतों की बीमारी सिर्फ दर्द तक सीमित नहीं रहती। रिसर्च बताती है कि बच्चों में दांतों की सड़न से

खाने में दिक्कत होती है

बोलने पर असर पड़ता है

शरीर का विकास प्रभावित हो सकता है

यानी दांत खराब होने का असर पूरे शरीर और बच्चे के विकास पर पड़ सकता है।

दांत ज्यादा खराब हुए तो क्या होगा?

अगर समय रहते इलाज न कराया जाए, तो दांत की सड़न नस (पल्प) तक पहुंच जाती है। इस स्थिति में डॉक्टर के पास दो ही विकल्प बचते हैं।

दांत निकालना -अगर दांत पूरी तरह से खराब हो जाए और उसे बचाना संभव न रहे, तो डॉक्टर उसे निकालने (टूथ एक्सट्रैक्शन) की सलाह देते हैं। यह स्थिति तब आती है जब सड़न बहुत ज्यादा बढ़ जाती है या संक्रमण दांत की जड़ों तक पहुंच जाता है, ऐसे में दर्द से राहत और आगे की समस्या से बचने के लिए दांत निकालना जरूरी हो जाता है।

रूट कैनाल ट्रीटमेंट -रूट कैनाल ट्रीटमेंट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें दांत के अंदर मौजूद संक्रमित नस (पल्प) को हटाकर दांत को बचाने की कोशिश की जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब दांतों की सड़न बहुत गहरी हो जाती है और संक्रमण जड़ों तक पहुंच जाता है, तब दर्द से राहत पाने और दांत को सुरक्षित रखने के लिए रूट कैनाल ट्रीटमेंट जरूरी हो जाता है। ऐसी स्थिति में अक्सर रूट कैनाल या दांत निकालना ही अंतिम विकल्प बचता है।

हर कैविटी में रूट कैनाल ट्रीटमेंट जरूरी नहीं: यह जानना भी जरूरी है कि हर कैविटी में रूट कैनाल जरूरी नहीं होता। अगर समय रहते इलाज हो जाए, तो दांत को बिना रूट कैनाल ट्रीटमेंट के भी बचाया जा सकता है।

बच्चों के दांत कैसे बचाएं?

दिन में 2 बार ब्रश करवाएं

ज्यादा मीठा और जंक फूड से बचाएं

हर 6 महीने में डेंटिस्ट को दिखाएं

दूध पीने के बाद मुंह साफ करवाएं

फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।

बच्चों के दांतों को नजरअंदाज करना बड़ी गलती हो सकती है। छोटी सी कैविटी अगर समय पर ठीक न हो, तो आगे चलकर दांत निकालने या रूट कैनाल जैसी बड़ी परेशानी बन सकती है। इसलिए शुरुआत से ही बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी है।

बच्चे के दांत निकलते समय बढ़ी चिड़चिड़ाहट तो इन 5 आसान तरीकों से दें उसे राहत

छोटे बच्चों में दांत निकलना एक सामान्य लेकिन थोड़ा मुश्किल दौर होता है। इस समय बच्चे अचानक चिड़चिड़े हो जाते हैं, बार-बार रोते हैं और खाने-पीने में भी नखरे दिखाने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता घबरा जाते हैं, लेकिन सही देखभाल से बच्चे की तकलीफ को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दांत निकलने के सामान्य लक्षण

मसूड़ों में सूजन और दर्द

बार-बार रोना और चिड़चिड़ापन

हर चीज मुंह में डालना

ज्यादा लार आना

नींद और भूख में बदलाव

हल्का बुखार (तेज बुखार नहीं)

ऐसे कम करें बच्चे का दर्द (5 आसान तरीके)

ठंडी चीजें चबाने को दें

दांत निकलने के दौरान बच्चे को ठंडी और सुरक्षित चीजें चबाने के लिए देना काफी फायदेमंद होता है। ठंडे टीथर, फ्रूट निबलर या हल्के ठंडे फल मसूड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। आप टीथर को 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में ठंडा करके बच्चे को दे सकते हैं, इससे उसे तुरंत राहत मिलती है और चिड़चिड़ापन भी कम होता है।

ठंडे कपड़े से राहत दें

दांत निकलते समय बच्चे के मसूड़ों को आराम देने के लिए साफ, गीले और ठंडे कपड़े का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। आप कपड़े को हल्का ठंडा करके बच्चे को चबाने के लिए दे सकते हैं या उससे मसूड़ों पर धीरे-धीरे रगड़ सकते हैं। इससे मसूड़ों की सूजन कम होती है और बच्चे को दर्द से राहत मिलती है।

हल्की मसाज करें

दांत निकलने के दौरान बच्चे के मसूड़ों में होने वाली तकलीफ को कम करने के लिए हल्की मसाज बहुत फायदेमंद होती है। साफ उंगली या स्टेरिलाइज्ड गॉज से धीरे-धीरे मसूड़ों की मालिश करने से दर्द में राहत मिलती है और बच्चे को आराम महसूस होता है।

सॉफ्ट और ठंडा खाना दें

दांत निकलने के दौरान बच्चे को सॉफ्ट और हल्का ठंडा खाना देना उसके लिए ज्यादा आरामदायक होता है। दही, नरम फल या ठंडी खिचड़ी जैसे फूड्स मसूड़ों को राहत देते हैं और आसानी से खाए जा सकते हैं। इस समय बच्चे की भूख कम होना सामान्य है, इसलिए उसे जबरदस्ती खिलाने की बजाय उसकी जरूरत के अनुसार ही भोजन दें।

साफ-सफाई का रखें खास ध्यान

दांत निकलने के दौरान बच्चे हर चीज मुंह में डालने लगते हैं, इसलिए साफ-सफाई का खास ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। उनके खिलौनों, टीथर और आसपास की चीजों को नियमित रूप से साफ और स्टेरिलाइज करें, ताकि किसी भी तरह के इंफेक्शन का खतरा कम हो और बच्चा सुरक्षित रहे।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

तेज बुखार हो

बार-बार दस्त लगें

बच्चा बहुत ज्यादा सुस्त या परेशान दिखे

भूख लंबे समय तक कम रहे।

विशेषज्ञों के अनुसार, दांत निकलने के लक्षण आमतौर पर कुछ दिनों तक ही रहते हैं। हल्की परेशानी सामान्य है, लेकिन गंभीर लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दांत निकलना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन सही देखभाल और छोटे-छोटे उपायों से बच्चे को आराम जरूर दिया जा सकता है। माता-पिता का धैर्य और सही जानकारी इस समय सबसे ज्यादा काम आती है।

आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है, लेकिन लगातार हार ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही थी और केवल 155 रन बना सकी। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत होने के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि टीम की बल्लेबाजी इस समय सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है।

एक बार फिर विराट कोहली पर टीम की बल्लेबाजी का पूरा दारोमदार रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पा रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं और लगातार छोटी पारियां खेलकर आउट हुए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का बल्ला भी इस सीजन शांत रहा है। ऐसे में मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम शानदार लय में नजर आ रही है। पिछले मुकाबले में मुंबई ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 228 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। रोहित शर्मा ने चोट से वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली थी। अब एक बार फिर रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी टीम को मजबूत शुरुआत देने की कोशिश करेगी। वहीं जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश और एएम गजनफर जैसे गेंदबाज बेंगलुरु के बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पीठ दर्द के कारण वह पिछले मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। हालांकि अब वह टीम के साथ जुड़ चुके हैं,

लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए दबाव और रोमांच से भरपूर रहने वाला है।

टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, टीजर रिलीज होते ही फैंस में बढ़ी उत्सुकता

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। शुक्रवार को उनके टीवी डेब्यू का एक शानदार टीजर जारी किया गया, जिसमें 'हिटमैन' नए अंदाज में नजर आए। हालांकि शो का नाम और बाकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया गया है कि इससे जुड़ी पूरी घोषणा जल्द ही सोनी ग्रुप कारपोरेशन के प्लेटफॉर्म पर की जाएगी।

इस समय रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं और शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों में 55.25 की औसत और 174 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84 रन रहा है। साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रोहित शर्मा आज भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अब तक 508 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.33 की औसत से 20,109 रन बनाए हैं। उनके नाम 50 शतक और 111 अर्धशतक दर्ज हैं। रोहित ने भारत को दो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दो टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक-एक खिताब उन्होंने कप्तान के रूप में दिलाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 159 मैचों में 4,231 रन बनाए, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। रोहित का टेस्ट और वनडे रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक शामिल हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके नाम 282 मैचों में 11,577 रन दर्ज हैं। रोहित वनडे इतिहास के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने तीन दोहरे शतक लगाए हैं। उनका 264 रन का व्यक्तिगत स्कोर आज भी वनडे क्रिकेट का सर्वोच्च स्कोर है।

आईपीएल में भी रोहित शर्मा का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह लीग इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने 277 मैचों में 7,267 रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के अलावा रोहित शर्मा अपने मजाकिया अंदाज और बेबाक टिप्पणियों के लिए भी काफी लोकप्रिय हैं। स्टंप माइक में रिकॉर्ड हुई उनकी कई बातें सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं, जिसके चलते वह क्रिकेट के साथ-साथ 'मीम मटीरियल' के रूप में भी फैंस के बीच बेहद चर्चित रहते हैं।

टीम इंडिया को मिलेगा नया स्पिन गुरु, सैराज बहुतुले जल्द संभाल सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कोचिंग व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई के पूर्व लेग स्पिनर सैराज बहुतुले जल्द ही भारतीय टीम के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। फिलहाल वह आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद वह फ्रेंचाइजी से अलग हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बहुतुले ने अपने कोचिंग कौशल से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को काफी प्रभावित किया है। दोनों के बीच इस भूमिका को लेकर सकारात्मक बातचीत हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनका कार्यकाल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हो सकता है।

53 वर्षीय सैराज बहुतुले ने 2001 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले थे। हालांकि अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और कोचिंग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासतौर पर स्पिन गेंदबाजों के साथ उनके काम को काफी सराहा जाता है। यही वजह है कि गौतम गंभीर ने उन्हें टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की है। वर्तमान में भारतीय टीम की कोचिंग यूनिट में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे शामिल हैं। अब तक टीम में कोई विशेषज्ञ स्पिन बॉलिंग कोच नहीं था, जिसे देखते हुए यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

बहुतुले इससे पहले भी भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े रहे हैं, जहां वीवीएस लक्ष्मण के नेतृत्व में उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों के साथ काम किया। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी 2023 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें भारतीय टीम से जोड़ने की विशेष सिफारिश की थी। श्रीलंका दौरे पर भी वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2026 से पहले सैराज बहुतुले पंजाब किंग्स से जुड़े थे, जहां वह मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स में राहुल द्रविड़ के साथ भी कोचिंग भूमिका निभा चुके हैं। माना जा रहा है कि भारतीय टीम के साथ जुड़ने के लिए उन्हें पंजाब किंग्स का कार्यकाल समय से पहले छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय टीम में योगदान देने के अवसर को देखते हुए फ्रेंचाइजी उनके रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। फिलहाल बहुतुले ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

- प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम घरेलू और विदेशी दोनों मैदानों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि चेपॉक में वापसी के बाद टीम को फिर से लय हासिल करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी विभाग में काफी हद तक संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कई मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स के

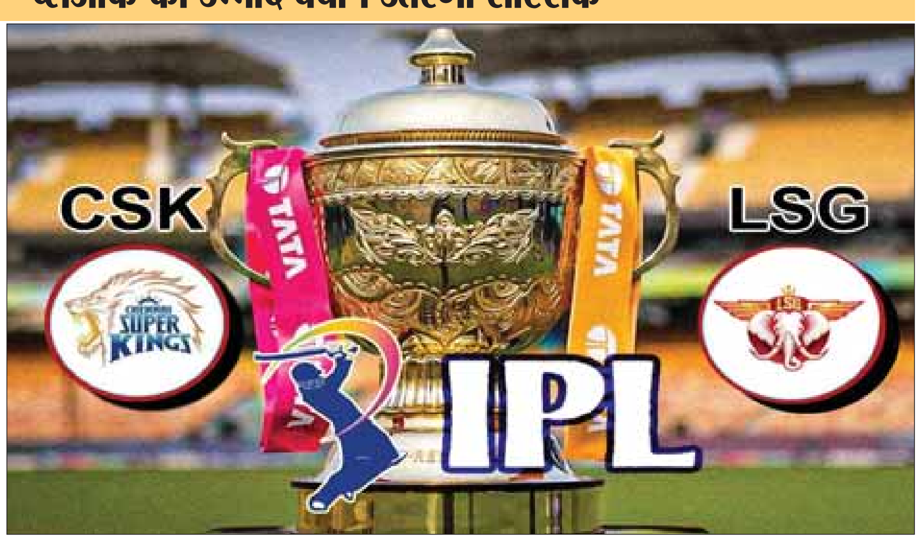

खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फॉर्म हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। मई की शुरुआत में उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर वापसी के संकेत दिए थे। अब टीम को उनसे एक बड़ी कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और जेमी ओवरटन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रहने वाली है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण वह अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्होंने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। धोनी की गैरमौजूदगी ने टीम के अनुभव और फिनिशिंग क्षमता को प्रभावित किया है।

दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मुकाबलों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की है। कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला भी इस सीजन खामोश रहा है। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, लेकिन निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पिछले मुकाबले में मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में 111 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। अब लखनऊ की टीम उसी आत्मविश्वास के साथ चेन्नई को चुनौती देने उतरेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद और दिग्वेश राठी पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

प्रिंस यादव की रफ्तार ने जीता दिल, अंबाती रायुडू बोले- जल्द टीम इंडिया में मिलेगा मौका

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अपनी धारदार गेंदबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने जिस तरह से मैच का रुख पलटा, उसने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित कर दिया । पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने तो यहां तक कह दिया कि प्रिंस यादव जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आ सकते हैं । रायुडू ने उनके प्रदर्शन को बेहद खास बताते हुए कहा कि इस युवा गेंदबाज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की पूरी क्षमता दिखाई देती है । अंबाती रायुडू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रिंस यादव का आत्मविश्वास और गेंदबाजी का तरीका उन्हें बाकी युवा गेंदबाजों से अलग बनाता है । उन्होंने कहा कि प्रिंस का रन-अप देखकर ही समझ आता है कि वह बल्लेबाज पर दबाव बनाने के इरादे से गेंदबाजी करते हैं । उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह लगातार स्टंप लाइन पर गेंद डालते हैं और बल्लेबाजों को गलती करने के लिए मजबूर कर देते हैं । रायुडू ने खास तौर पर विराट कोहली को आउट करने वाली गेंद की जमकर तारीफ की । उन्होंने कहा कि वह गेंद टूर्नामेंट की सबसे शानदार गेंदों में से एक थी । गेंद आखिरी समय में जिस तरह अंदर की ओर स्विंग हुई और सीधे स्टंप्स से टकराई, उसे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल था । रायुडू ने कहा कि दुनिया का कोई भी बल्लेबाज उस गेंद पर संघर्ष करता । उन्होंने यह भी कहा कि विराट कोहली जैसे बड़े बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करना किसी युवा गेंदबाज के लिए बेहद खास उपलब्धि होती है । मुकाबले में प्रिंस यादव ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन अहम विकेट अपने नाम किए । उन्होंने विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जितेश शर्मा को भी पवेलियन भेजा । उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुकाबला 9 रन से जीत लिया ।

इटेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर, युवा प्रिज़मिक ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया

रोम (एजेंसी)। इटेलियन ओपन 2026 में टेनिस जगत को बड़ा झटका लगा जब छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच दूसरे दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए। क्रोएशिया के युवा खिलाड़ी डिनो प्रिज़मिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी सर्बियाई स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ प्रिज़मिक ने टूर्नामेंट के अंतिम-32 में जगह बना ली और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि नोवाक जोकोविच आसानी से मैच पर कब्जा जमा लेंगे। पहले सेट में उन्होंने अपने अनुभव और क्लास का शानदार प्रदर्शन किया। बेहतरीन ड्रॉप शॉट, तेज फोरहैंड विनर्स और सटीक सर्विस की बदौलत जोकोविच ने शुरुआती सेट 6-2 से अपने नाम किया। उस समय प्रिज़मिक दबाव में नजर आ रहे थे और जोकोविच पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थे। लेकिन दूसरे सेट

से मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई।

दूसरे सेट में डिनो प्रिज़मिक ने आक्रामक टेनिस खेलना शुरू किया। उन्होंने शुरुआत से ही जोकोविच पर दबाव बनाया और लगातार शानदार रिटर्न के दम पर तेजी से 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर जोकोविच की पहली सर्विस कमजोर पड़ने लगी, जिसका पूरा फायदा युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने उठाया। प्रिज़मिक ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मुकाबले में जोरदार वापसी की और जोकोविच को बैकफुट पर धकेल दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। हर अंक के लिए लंबी रैलियां चलीं और मुकाबला रोमांचक होता गया। हालांकि पांचवें गेम में प्रिज़मिक ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर लिया, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने संयम बनाए रखा और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा खिलाड़ी की इस जीत ने पूरे टेनिस जगत को चौंका दिया।

हार के बाद नोवाक जोकोविच ने स्वीकार किया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि उनका खेल बेहद खराब नहीं था, लेकिन वह कई मौकों पर आधा कदम पीछे रह गए। साथ ही उन्होंने डिनो प्रिज़मिक की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी ने बेहद उच्च स्तर का टेनिस खेला और खासकर उसके फोरहैंड में काफी सुधार देखने को मिला। अब टूर्नामेंट में सबकी निगाहें दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर पर होंगी, जो शनिवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। वहीं महिला वर्ग में चीन की झेंग किनवेन का मुकाबला पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको से होगा।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल : लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस) । दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं । मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे । एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे । उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा । मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह सकते । उन्होंने कहा कि नेमार उनके करीबी दोस्त हैं और वह चाहते हैं कि उनके साथ अच्छी चीजें हों, क्योंकि वह एक बेहतरीन इंसान हैं और इसके हकदार भी हैं । मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार पूरी तरह फिट होकर विश्व कप में वापसी करेंगे । अर्जेंटीना के कप्तान ने नेमार के व्यक्तित्व की भी तारीफ की । उन्होंने कहा कि नेमार में एक अलग तरह का करिश्मा है और वह दिखावा नहीं करते । मेसी के अनुसार नेमार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीते हैं और इस बात की ज्यादा चिंता नहीं करते कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं । यही बात उन्हें बेहद स्वाभाविक और खास बनाती है । आठ बार बैलन डीओर जीत चुके मेसी ने यह भी माना कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा । उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में गिना । मेसी ने कहा कि विश्व कप हमेशा कठिन प्रतियोगिता होती है क्योंकि इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं । उन्होंने माना कि अर्जेंटीना को उम्मीद जरूर रखनी चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि कई टीमें बेहद मजबूत स्थिति में हैं । नेमार और मेसी ने लंबे समय तक क्लब फुटबॉल में साथ खेला है । दोनों 2013 से 2017 तक एफसी बार्सिलोना के लिए खेले, जबकि 2021 से 2023 तक दोनों पेरिस सेंट-जर्मेन फुटबॉल क्लब में भी टीम साथी रहे । फिलहाल नेमार चोटों से जूझ रहे हैं । अपने बचपन के क्लब सांतोस फुटबॉल क्लब में वापसी के बाद से वह लगातार फिटनेस समस्याओं से परेशान रहे हैं । अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगी थी, जिसके बाद से वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं ।

ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ बने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, प्रतिष्ठित सम्मान पर जमाया कब्जा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड में खेल रहे फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन पुरस्कार में इस बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी विमेंस की स्टार स्ट्राइकर खादिजा शॉ ने बाजी मारी है। पुरुष वर्ग में ब्रूनो फर्नांडिस को साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया, जबकि महिला वर्ग में 'बनी' शॉ के नाम से मशहूर खादिजा शॉ ने लगातार दूसरी बार यह सम्मान हासिल कर इतिहास रच दिया। फुटबॉल जगत में इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को बेहद खास माना जा रहा है।

पुर्तगाल के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस ने इस सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पूरे सीजन में उन्होंने गोल करने के साथ-साथ गोल बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई और कुल 19 गोल योगदान के जरिए टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई। क्लब के लिए यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन ब्रूनो लगातार टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी साबित हुए। उनकी कप्तानी और शानदार नेतृत्व क्षमता ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। यही वजह रही कि फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से ज्यादा सदस्यों में से 45 प्रतिशत वोट ब्रूनो फर्नांडिस के पक्ष में पड़े।

ब्रूनो ने इस पुरस्कार की दौड़ में इंग्लैंड के डेक्लान राइस और नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वह 2010 में वेन रूनी के बाद यह सम्मान जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह पुरस्कार वर्ष 1947 से दिया जा रहा है और इसे दुनिया के सबसे पुराने व्यक्तिगत फुटबॉल सम्मानों में गिना जाता है।

महिला वर्ग में खादिजा शॉ ने एक बार फिर अपनी जबरदस्त गोल स्कोरिंग क्षमता से सभी को प्रभावित किया। मैनचेस्टर सिटी विमेंस की इस स्टार स्ट्राइकर ने 21 मुकाबलों में 19 गोल दागकर टीम को 10 साल बाद महिला सुपर लीग का खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। उनकी शानदार फॉर्म पूरे सीजन चर्चा में रही। शॉ ने इस रेस में एलेसिया रूसो और लॉरेन जेम्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। लगातार दूसरे साल यह पुरस्कार जीतकर उन्होंने महिला फुटबॉल में अपनी मजबूत पहचान और भी पुख्ता कर ली है।

फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ ने पूरे सीजन जिस निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन किया, उसने उन्हें इस सम्मान का सबसे बड़ा दावेदार बना दिया। दोनों खिलाड़ियों ने साबित किया कि टीम के लिए लगातार योगदान और निर्णायक मौकों पर प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाता है।

आईपीएल के बीच अर्शदीप सिंह की व्लॉगिंग पर बीसीसीआई की रोक, ई-सिगरेट विवाद के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक नए विवाद में घिर गए हैं । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें सोशल मीडिया के लिए व्लॉगिंग बंद करने का निर्देश दिया है । यह कदम उनके टीम साथी युजवेंद्र चहलद्य से जुड़े कथित ई-सिगरेट विवाद के बाद उठाया गया है । दरअसल, अर्शदीप सिंह के हालिया व्लॉग के एक हिस्से को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा शुरू हो गई थी । यूजर्स ने दावा किया कि पंजाब किंग्स की टीम जब अहमदाबाद से हैदराबाद जा रही थी, तब फ्लाइट के अंदर युजवेंद्र चहल ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते दिखाई दिए । हालांकि इस मामले में अब तक न तो खिलाड़ियों की ओर से और न ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है । सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई ने अर्शदीप सिंह को टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों के दौरान किसी भी तरह के व्लॉग या बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है । बोर्ड नहीं चाहता कि ड्रेसिंग रूम या टीम के निजी माहौल से जुड़ी कोई ऐसी चीज सार्वजनिक हो, जिससे विवाद पैदा हो या लीग की छवि प्रभावित हो । आईपीएल 2026 में ई-सिगरेट से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है । इससे पहले रेयान पराग भी विवादों में आ चुके हैं ।

तब्बू ने दी फिल्म 'किंग 100' पर बड़ी जानकारी

अभिनेत्री तब्बू जल्द नई फिल्म 'किंग 100' मे नजर आएंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के पहले शेड्यूल के खत्म होने की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें एक्ट्रेस अपने क्रू मेंबर्स के साथ मस्ती करती दिख रही हैं।

क्रू मेंबर्स के साथ खिंचवाई सेल्फी

तब्बू इन दिनों आगामी फिल्म 'किंग 100' को लेकर व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने कुछ फोटोज शेयर किए हैं जिनमें वह अपनी फिल्म के क्रू के साथ दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म की शूटिंग की जानकारी भी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शेड्यूल 1 का अंत'। यह इस बात का संकेत है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

तब्बू और नागार्जुन फिर आएंगे साथ

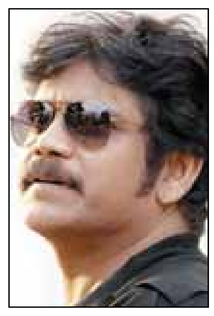

आगामी फिल्म 'किंग 100'से तब्बू साउथ अभिनेता नागार्जुन के साथ लगभग 30 साल बाद नजर आएंगी। आखिरी बार एक्ट्रेस नागार्जुन के साथ साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म 'निन्ने पेल्लादाता' में काम किया था। बीते दिनों तब्बू ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म की जानकारी दी थी। हालांकि फिल्म की कहानी और बाकी कास्ट से जुड़ी कोई जानकारी अभी तक साझा नहीं की गई।

तब्बू और नागार्जुन का वर्कफ्रंट

तब्बू ने हाल ही में रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में अभिनय किया। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। 'भूत बंगला' को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं साउथ सुपरस्टार नागार्जुन को आखिरी बार रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म 'कुली' में देखा गया था। फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

क्या शादी कर रही हैं हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

कब करेंगे हुमा और रचित शादी?

एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।
कौन होगा शादी में शामिल?
हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।
रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि 'थामा' रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी

हुमा को आखिरी बार फिल्म 'सिंगल सलमा' में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' है। 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। हुमा के अलावा 'टॉक्सिक' में नयनतारा और कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया

इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।
अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'।

यह क्रिएटिव फील्ड है यहां टाइम लगता है

दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'।
दीपिका ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'।

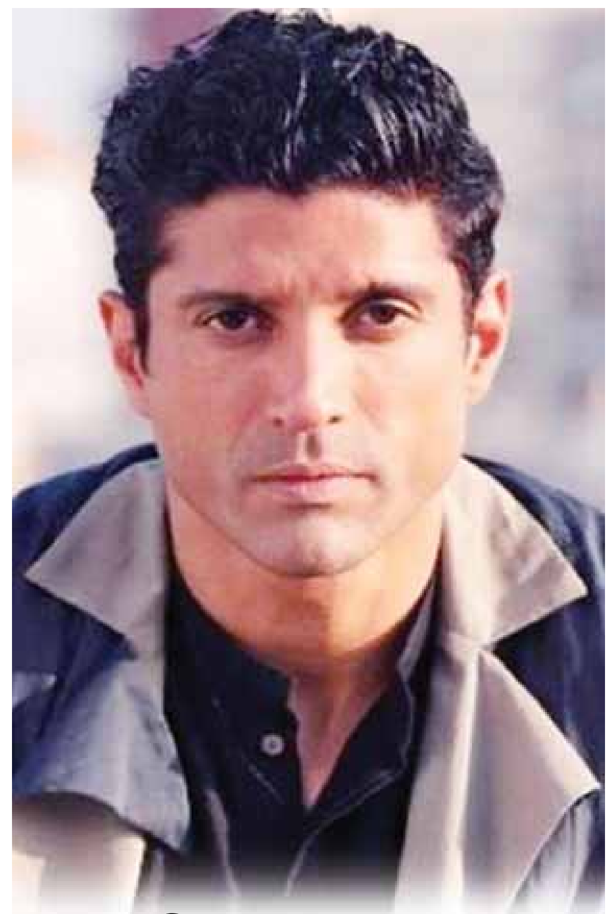

मेरे लिए महत्वपूर्ण फिल्म है 'डॉन 3'

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पिछले काफी वक्त से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली 'डॉन 3' अपनी कास्टिंग को लेकर विवाद में फंस गई है। फिल्म में पहले रणवीर सिंह के लिए जाने और बाद में उनके फिल्म से बाहर होने के चलते, अब फरहान के प्रोडक्शन हाउस ने रणवीर पर हर्जाना देने का दावा किया है। मामला प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया तक भी पहुंच चुका है।
हालांकि, इस सबके बावजूद फरहान अख्तर का कहना है कि फिल्म बंद नहीं हुई है और ये ऐसी कहानी है, जिसे वो जरूर बनाना चाहते हैं। फरहान इस पूरे विवाद के दौरान सीख मिलने की भी बात कही।
बातचीत में फरहान अख्तर ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल खासतौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने अप्रत्याशित की उम्मीद करना सीख लिया है। जब तक फिल्म बन न जाए, तब तक किसी भी बात को निश्चित नहीं माना जा सकता। 'डॉन 3' को एक महत्वपूर्ण फिल्म बताते हुए फरहान ने कहा कि फिल्म को बंद नहीं किया जाएगा। यह उन शानदार कहानियों में से एक है, जिसे मैं अब पर्दे पर उतारना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है।

ऋतिक को फिल्म में लेना चाहते थे मेकर्स

खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने स्क्रिप्ट से संतुष्ट न होने के कारण प्रोजेक्ट छोड़ा। उनकी ओर से बाद में ये भी आरोप लगाया गया कि फरहान अख्तर ऋतिक रोशन को फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन धुरंधर की सफलता ने उनका इरादा बदल दिया। हालांकि, ऋतिक रोशन इन दावों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी भी 'डॉन 3' के लिए संपर्क ही नहीं किया गया।

रणवीर के अचानक फिल्म छोड़ने पर हुआ विवाद

साल 2023 में फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह लीड एक्टर के तौर पर शामिल हुए थे। रणवीर को फिल्म में लेने पर फरहान ने इसे एक नए युग की शुरुआत बताया था। लेकिन फिल्म को लेकर विवाद तब शुरू हुआ, जब रणवीर सिंह ने फिल्म छोड़ दी। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और दावा किया कि रणवीर के अंतिम समय में फिल्म छोड़ने से लगभग 40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मेकर्स ने रणवीर से हर्जाने की मांग भी की है।

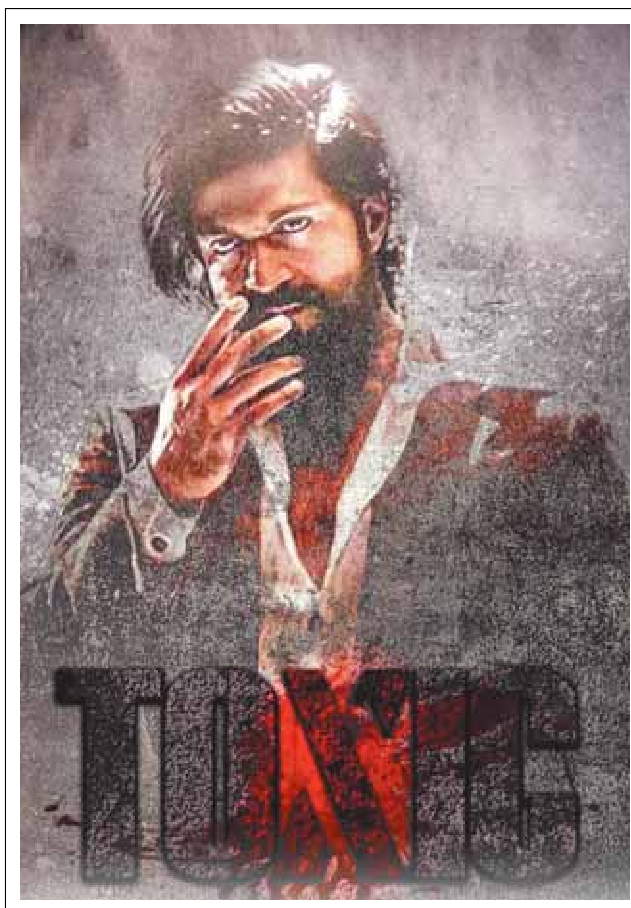

इन अपकमिंग फिल्मों में कलाकार निभाएंगे डबल रोल

भारतीय सिनेमा में डबल रोल खूब पसंद किया जाने वाला फॉर्मूला है। 'जुड़वा' (1997) में सलमान खान के डबल रोल को खूब पसंद किया गया। 'जवान' (2023) में भी शाहरुख खान के डबल रोल को काफी सराहना मिली। हाल ही में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी ने फिल्म 'भूत बंगला' में डबल रोल किया है जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। इस खबर में हम आपको बताने वाले हैं कि वह कौन सी अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें कलाकार डबल रोल करने वाले हैं।

टॉक्सिक

4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक्टर दो अलग-अलग लुक्स में नजर आए हैं। वह एक पिता और उसके हमशक्ल बेटे का डबल रोल निभा रहे हैं। 'राया' नाम का एक किरदार ज्यादा उम्रदराज लगता है। जबकि दूसरे, कम उम्र वाले किरदार को 'टिकट' कहा गया है। इसमें कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी नजर आएंगी।

शक्ति शालिनी

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से स्टार बनने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा अब 'शक्ति शालिनी' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। चर्चा है कि यह फिल्म अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई पर आधारित

होगी। इसमें अनीत दो किरदार निभा रही हैं, एक शक्तिशाली रक्षक 'शक्ति' और दूसरी बदला लेने वाली आत्मा 'शालिनी'। इसमें एक्टर विशाल जेठवा भी नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

रामायण और रामायण 2

हाल ही में रणबीर कपूर ने बताया कि वह 'रामायण' में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। वह भगवान राम और भगवान परशुराम, दोनों का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में साई पल्लवी सीता के किरदार में और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। 'रामायण' पार्ट 1 दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। वहीं 'रामायण' पार्ट 2 अगले साल दिवाली 2027 को रिलीज होगी।

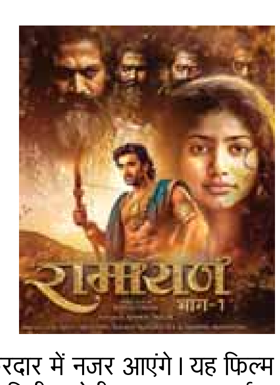

एनिमल पार्क

फिल्म 'एनिमल' (2023) में रणबीर कपूर ने रणविजय का किरदार निभाया था। फिल्म के आखिर में, अजीज हक नाम का एक और किरदार नजर आया था। इसने रणविजय जैसा दिखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' में रणबीर, रणविजय और अजीज, दोनों का डबल रोल निभाएंगे। रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग 2027 में शुरू होने वाली है।

कल्कि 2898 AD पार्ट 2

'कल्कि 2898 AD (2024) के क्लाइमेक्स में खुलासा हुआ था कि प्रभास का किरदार भैरव, महाभारत के कर्ण का पुनर्जन्म है। फिल्म के सीक्वल 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' में, प्रभास कर्ण और भैरव, दोनों किरदारों में नजर आएंगे। इसमें दीपिका पादुकोण की जगह साई पल्लवी को लिया गया है। 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' के 2026 के आखिर या 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान- स्कूल की छत गिरी चार बच्चों की मौत, 16 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक निजी स्कूल की छत गिरने से चार बच्चों की मलबे में दबकर मौत हो गई और 14 छात्र घायल हो गए। राहत कार्य के दौरान एक शिक्षक को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है। बचाव दल के अनुसार, मलबे में अभी और बच्चों के दबे होने की आशंका है। घायलों में कई की हालत नाजुक है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घर बाहर खड़ी बाइक में लदे विस्फोट के फटने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह धमाका बुधवार शाम अफगानिस्तान से सटे घवा ख्वा इलाके में हुआ।

बोस्निया में राष्ट्रपति चुनाव अक्तूबर में, 33 लाख देंगे वोट

साराजेवो , एजेंसी। बोस्निया में चार अक्तूबर को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव आयोजित होंगे। चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की और कहा कि चुनावों में लगभग 33 लाख पंजीकृत मतदाता त्रिपक्षीय राष्ट्रपति पद के लिए सर्ब, क्रोएशियाई और बोस्नियाई सदस्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय संसद के प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे।

मंगल ग्रह पर नासा के रोवर को दिखा क्रोकोडाइल ब्रिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर अनोखी चट्टानी संरचना की तस्वीरें भेजी हैं। इसे वैज्ञानिकों ने क्रोकोडाइल ब्रिज का नाम दिया है। यह संरचना जेजेरो क्रेटर के किनारे स्थित है। इसे मंगल के सबसे प्राचीन इलाकों में से एक माना जा रहा है। रोवर के मास्टकैम-जेड कैमरा सिस्टम ने इस क्षेत्र की 360 डिग्री पैनोरमिक तस्वीर तैयार की, जिसमें 980 तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया। यह क्षेत्र मंगल के नोआशियन काल का हिस्सा है, जो लगभग 3.7 अरब वर्ष पुराना माना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये चट्टानें उस समय की हैं, जब मंगल की सतह और वातावरण बन रहे थे और क्रेटर में पानी भरने से पहले की स्थिति को दर्शाती हैं। क्रोकोडाइल ब्रिज मेहराबनुमा व ऊबड़-खाबड़ चट्टानी संरचना है, जिसका आकार मगरमच्छ की पीठ जैसा है। दिखाई देता है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मंगल पर प्लेट टेक्टॉनिक्स नहीं होने के कारण अरबों वर्ष पुरानी सतह अब भी सुरक्षित है।

एयरपोर्ट निर्माण में भ्रष्टाचार, पूर्व वित्त मंत्री व चीनी कंपनी पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक संस्था अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग (सीआईएए) ने चीन की सहायता से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण में भ्रष्टाचार मामले में केस दर्ज किया है। पूर्व वित्त मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की समेत 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें चीनी कंपनी चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग को भी आरोपी बनाया गया है। आयोग के अनुसार, एयरपोर्ट निर्माण के दौरान मूल समझौते का उल्लंघन कर चीनी ठेकेदार को अवैध रूप से टैक्स छूट दी गई। इस मामले में 3.62 अरब नेपाली रुपये के नुकसान का दावा किया गया है। आरोपियों में पूर्व सचिव केवल भंडारी, महेश्वर न्यूपाने, सुरेश आचार्य आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि पोखरा एयरपोर्ट को मशहूर अन्नपूर्णा सर्किट का प्रवेश द्वार माना जाता है।

अमेरिका और चीन के संबंध स्थिर- वांग यी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि पिछले एक साल में कई उतार-चढ़ाव व बाधाओं के बावजूद अमेरिका-चीन के रिश्ते स्थिर रहे हैं। उन्होंने अब दोनों देशों से वैश्विक शांति में योगदान के तरीके खोजने का आह्वान किया है। वांग यी की यह टिप्पणी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले सप्ताह संभावित बीजिंग दौरे से पहले आई है। अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान वांग ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कठिन समय में द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा दी है। अमेरिकी सीनेटर डेन्स ने भी वांग की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ रिश्तों को तोड़ना नहीं बल्कि तनाव कम करना चाहता है।

अमेरिका में हजारों लोगों के पासपोर्ट रद्द होंगे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका सरकार अब उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रही है जो बच्चों के पालन-पोषण का पैसा यानी चाइल्ड सपोर्ट नहीं दे रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की है कि ऐसे हजारों लोगों के पासपोर्ट रद्द किए जाएंगे। शुरुआत में यह कार्रवाई उन लोगों पर होगी जिन पर 1 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का बकाया है। ऐसे करीब 2700 अमेरिकी नागरिकों की पहचान की गई है। बाद में यह नियम उन सभी पर लागू होगा जिन पर 2500 डॉलर से ज्यादा का चाइल्ड सपोर्ट बकाया है।

ट्रंप के गाजा बोर्ड से डील कर रहे हमास चीफ के बेटे को इजरायल ने मार गिराया

गाजा , एजेंसी। गाजा के भविष्य को लेकर अमेरिकी मध्यस्थता वाली वार्ताओं के बीच इजरायल और हमास के बीच नाजुक युद्धविराम को बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं। इसी दौरान हमास के वरिष्ठ नेता खलील अल-हय्या के बेटे की इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमास अधिकारियों ने बताया कि खलील अल-हय्या के चौथे पुत्र अज्जाम अल-हय्या गाजा शहर में इजरायली हमले में घायल हुए थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। यह खलील अल-हय्या के परिवार का चौथा सदस्य है, जिसकी इजरायली हमलों में जान गई है। अक्टूबर में घोषित युद्धविराम के बावजूद इजरायली सेना गाजा में लगातार हमले कर रही है। इजरायल इन हमलों में उन ठिकानों को निशाना बना रहा है जिन्हें वह आतंकवादी ठिकाने मानता है। एक अलग हमले में गाजा शहर की एक चौकी पर हमास से जुड़े तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए। हमास ने इन हमलों को वार्ताओं पर दबाव बनाने की इजरायली रणनीति बताया है। हमास का आरोप है कि इजरायल लक्षित हत्याओं के जरिए नेतृत्व पर दबाव डालकर वार्ता प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। अज्जाम अल-हय्या की मौत ने इन आरोपों को और मजबूती दी है।

खलील अल-हय्या ने रॉयटर्स को दिए बयान में कहा, 'ये जायोनी हमले और युद्धविराम के उल्लंघन साफ तौर पर दिखाते हैं कि कब्जाकर्ता न तो युद्धविराम का सम्मान करना चाहते हैं और न ही इसके पहले चरण को लागू करना चाहते हैं। हमास के प्रवक्ता हाजेम कासिम ने कहा कि हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों को बार-बार निशाना बनाने की यह नीति न हमारे फिलिस्तीनी लोगों, न हमास के नेतृत्व और न ही उसके वार्ता प्रतिनिधिमंडल से कोई राजनीतिक रियायत हासिल कर पाएगी।

अज्जाम अल-हय्या के अंतिम संस्कार में गाजा में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी जमा हुए। लोगों ने 'अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए और प्रार्थना के बाद शव को दफनाया। परिवार के सदस्यों ने दुख और प्रतिरोध की भावना जताई। अज्जाम की बहन ने कहा कि हम भी बाकी फिलिस्तीनियों जैसे हैं। हर किसी ने दर्द सहा है, हर किसी ने बलिदान दिया है। हम भी उन्हीं में शामिल हैं।

अमेरिका समर्थित ट्रंप की गाजा योजना पर हो रही वार्ताएं प्रमुख मुद्दों पर गतिरोध में फंस गई हैं। इन मुद्दों में हमास का निरस्त्रीकरण और गाजा में इजरायली सैन्य उपस्थिति शामिल हैं। योजना के तहत पुनर्निर्माण शुरू होने तक इजरायली सैनिकों की वापसी और हमास से हथियार जमा कराने का प्रावधान है। वहीं, हमास अधिकारियों ने साफ कहा है कि जब तक इजरायल अपने वादों को पूरा नहीं करता, वे वार्ता के अगले चरण में नहीं जाएंगे। यह हत्या उसी समय हुई जब हमास के नेता और अन्य फिलिस्तीनी गुट इस सप्ताह काहिरा में मध्यस्थों और दूत निकोले म्लादेनोव से मिल रहे थे।

रूस ने यूक्रेन के साथ युद्धविराम की घोषणा की, 10 मई तक लागू रहेगा सीजफायर

मॉस्को, एजेंसी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस आठ मई की आधी रात से 10 मई तक युद्धविराम (सीजफायर) लागू करेगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह फैसला द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान लिया गया है। सरकारी रूसी न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी संघ के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर व्लादिमीर पुतिन के फैसले के अनुसार, महान देशभक्ति युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान, 8 मई की आधी रात से 10 मई तक रूस की ओर से युद्धविराम घोषित किया जाता है। चार मई को येवरेन में हुए 8वें यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 9 मई को होने वाली रूस की विक्ट्री परेड का जिक्र करते हुए कहा था कि इस बार शायद परेड में सैन्य उपकरण न दिखें। अगर ऐसा होता है, तो यह कई वर्षों में पहली बार होगा। वे सैन्य उपकरण नहीं ला सकते और उन्हें डर है कि रेड स्क्वायर के ऊपर ड्रोन मंडरा सकते हैं। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अगर यूरोपीय संघ के देशों को लगता है कि वे जेलेंस्की के आक्रामक बयानों को नजरअंदाज कर सकते हैं, तो वे गलत हैं। उन्होंने कहा, 'हम अच्छी

तरह जानते हैं कि 9 मई को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया क्या है। वे लगातार सोवियत स्मारकों को नष्ट कर रहे हैं, सोवियत सैनिकों की यादों को मिटा रहे हैं और इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को में होने वाली विक्ट्री परेड पर संभावित यूक्रेनी ड्रोन हमले की चेतावनी के जवाब में रूस के राजनयिकों और सैन्य अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना कीव के केंद्र पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमला कर सकती है। उनका कहना था कि अब तक रूस ने ऐसा करने से परहेज किया है, जबकि उसके पास इसकी क्षमता मौजूद है। रूस के विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि जेलेंस्की के येवरेन में दिए गए बयानों को लेकर आर्मेनिया के राजदूत को तलब किया गया। रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजि?न ने मॉस्को में आर्मेनिया के राजदूत गुरगेन आर्सेन्यान से मुलाकात की और कहा कि आर्मेनिया द्वारा जेलेंस्की को रूस के खिलाफ 'आतंकी धमकियां' देने के लिए मंच देना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग : अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर के पार

वाशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज़ स्ट्रेट में हुई ताज़ा गोलाबारी के बाद शुक्रवार सुबह एशियाई बाज़ारों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ में दोनों देशों के बीच हुई गोलीबारी की ख़बर फैलते ही तेल की कीमतों ने रफ़्तार पकड़ ली। ब्रेंट क्रूड : वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट की कीमत 2.6% बढ़कर 102.70 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई है। अमेरिका में कारोबार होने वाले क्रूड ऑयल की कीमत में 2.3% की बढ़त देखी गई, जिससे यह 97 डॉलर के स्तर पर पहुँच गया है।

तनाव की मुख्य वजह : तेल की कीमतों में इस अचानक वृद्धि के पीछे होर्मुज़ स्ट्रेट का सामरिक महत्व और वहां हुई सैन्य मुठभेड़ है।

अमेरिकी कार्रवाई : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, तीन अमेरिकी डिस्ट्रॉयर्स पर ईरानी हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें ईरान की कई छोटी नावें तबाह कर दी गईं।

ईरान का आरोप : ईरानी सेना ने अमेरिका पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिससे भविष्य में बड़े युद्ध की आशंका गहरा गई है। जानकारों का मानना है कि यदि होर्मुज़ स्ट्रेट-जहां से दुनिया के कुल तेल परिवहन का बड़ा हिस्सा गुज़रता है–में तनाव और बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं। कुछ हफ़्तों से चल रहा युद्धविराम अब पूरी तरह ख़तरे में नज़र आ रहा है।

अमेरिकी सीनेट के प्रस्ताव में चीन को सबसे बड़ा खतरा बताया गया, भारत से गहरे जुड़ाव पर जोर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों के दो-पार्टी समूह ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन और रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताया गया है। इसके साथ ही सीनेटरों ने बीजिंग का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ गहरे जुड़ाव और मजबूत हिंद-प्रशांत गठबंधन की मांग की गई है। सीनेटर क्रिस कून्स और कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि चीन के पास अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा, आर्थिक खुशहाली और रणनीतिक हितों को कमजोर करने का इरादा और क्षमता है। इस प्रस्ताव में चीन पर न्यूक्लियर, साइबर, समुद्री और स्पेस एसेट्स सहित अपनी मिलिट्री क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने का आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया है कि बीजिंग हिंद-प्रशांत में

जबरदस्ती, आक्रामक और धोखेबाज गतिविधियों का इस्तेमाल कर रहा है और ताइवान स्ट्रेट में जबरदस्ती या बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चीन सैन्य तकनीक और मटीरियल साझा करके ईरान, उत्तर कोरिया और रूस सहित अमेरिका के दुश्मनों का समर्थन करता है। लॉमेकर्स ने बीजिंग पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी कॉम्पिटिटिवनेस को कमजोर करने और रणनीतिक क्षेत्रों पर हावी होने के लिए सरकार के समर्थन वाली आर्थिक और औद्योगिक नीति का इस्तेमाल कर रहा है। प्रस्ताव में बौद्धिक संपदा की चोरी, जबरदस्ती तकनीकी ट्रांसफर, एक्सपोर्ट कंट्रोल और मार्केट एक्सेस में रुकावटों का जिक्र किया गया। सीनेटरों ने चेतावनी दी कि चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीक में अमेरिका से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये तकनीक 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को परिभाषित करेंगी। प्रस्ताव में चीन को गैर-कानूनी फेंटानिल और नाइटाजीन बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर केमिकल्स के यूएस में आने से भी जोड़ा गया। नई दिल्ली में ध्यान से देखे गए एक सेक्शन में, सीनेट ने चतुर्भुजीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के जरिए भारत के साथ अमेरिका के जुड़ाव को बढ़ाने की मांग की। क्वाड भारत, यूनाइटेड स्टेट्स, जापान और ऑस्ट्रेलिया को एक साथ लाता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस ग्रुप को खास पहचान मिली है। प्रस्ताव में जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस जैसे सहयोगियों के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया गया। इसने हिंद-प्रशांत साझेदारों के बीच मजबूत त्रिपक्षीय सहयोग का भी समर्थन किया और ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। सीनेट के इस कदम में चीन के खिलाफ मजबूत रोकथाम, कड़े एक्सपोर्ट कंट्रोल, रणनीतिक अमेरिकी उद्योग में निवेश पर रोक और साउथ चाइना सी और ताइवान स्ट्रेट में नेविगेशन की आजादी बनाए रखने की कोशिशों की मांग की गई।

ओपनएआई केस की सुनवाई के दौरान जज ने एलन मस्क को लगाई फटकार

वाशिंगटन, एजेंसी। ओपनएआई मुकदमे में अदालत ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को कड़ी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान मस्क ने खुद कानूनी दलील देने की कोशिश की। इस पर कैलिफोर्निया की संघीय अदालत की जज इवॉन गोंजालेज रोजर्स ने कहा कि यहां उनकी नहीं, कोर्ट की चलेगी। जज ने सख्त लहजे में कहा कि अदालत की कार्यवाही ऐसे नहीं चलती। सबको याद रहे कि आप वकील नहीं हैं।

बीबीसी के अनुसार, ओपनएआई के सह-संस्थापक एलन मस्क ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन पर चैरिटेबल ट्रस्ट के उल्लंघन और अनुचित आर्थिक लाभ हासिल करने का आरोप लगाया है। ओपनएआई का दावा है कि मस्क यह लड़ाई अपनी एआई कंपनी एक्सएआई को फायदा

पहुंचाने के लिए लड़ रहे हैं। मस्क ने बाद में माना कि जज की बात सही है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर भी सख्ती : जज रोजर्स ने कोर्ट के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर मस्क की गतिविधियों पर भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने सोशल एक्स पर टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई। मस्क ने एक्स पर ऑल्टमैन को स्कैम ऑल्टमैन कह निशाना बनाया था। जज ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई निष्पक्ष तरीके से चलानी है, तो कोर्ट के बाहर बयानबाजी बंद करनी होंगी। मस्क ने एआई की तुलना हॉलीवुड फिल्म द टर्मिनेटर से की, तो जज ने रोकते हुए कहा, अपनी बात कह चुके हैं, अब बस। इसे जज रोजर्स की उस शैली का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह मुकदमे को भावनात्मक या काल्पनिक बहसों से हटाकर केवल कानूनी तथ्यों तक सीमित रखना चाहती हैं। रोजर्स उन जजों में गिनी जाती हैं जिन्होंने तकनीकी कंपनियों से जुड़े कई बड़े और जटिल मामलों की सुनवाई की है। मुकदमे में नौ सदस्यीय जूरी मौजूद है, लेकिन अंतिम फैसला जज रोजर्स को ही लेना है।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका रक्षा वार्ता अगले सप्ताह : वाशिंगटन , एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका अगले हफ्ते वाशिंगटन में अपनी उच्च स्तरीय रक्षा वार्ता करेंगे। सोल के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में 'युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल' (ओपीकॉन) यानी सेना की कमान अमेरिका से दक्षिण कोरिया को सौंपने और उत्तर-कोरिया सीमा के पास स्थित असैन्य क्षेत्र तक नागरिकों की पहुंच को नियंत्रित करने जैसे मुद्दे सबसे अहम रह सकते हैं। मंत्रालय ने बताया कि हर दो साल में होने वाली कोरिया-अमेरिका एकीकृत रक्षा वार्ता (केआईडीडी) मंगलवार से बुधवार (अमेरिकी समय के अनुसार) तक चलेगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस वार्ता में दक्षिण कोरिया की तरफ से रक्षा नीति के उपमंत्री किम होंग-चोल और अमेरिका की तरफ से इंडो-पैसिफिक सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव जॉन नोह नेतृत्व करेंगे। जिनमें युद्धकालीन ओपीकॉन ट्रांसफर और संयुक्त रक्षा व्यवस्था शामिल है, ताकि दोनों देशों का गठबंधन भविष्य में और मजबूत और दोनों के लिए फायदेमंद बन सके।' यह वार्ता ऐसे समय हो रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को किया रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को गैरकानूनी करार देते हुए उसे रद्द करने का फैसला सुनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 प्रतिशथ ग्लोबल टैरिफ की घोषणा की थी। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने 1974 के एक व्यापार कानून के तहत अपनी अधिकार सीमा का उल्लंघन किया है। 2-1 के बहुमत वाले फैसले में, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन 1974 के 'व्यापार अधिनियम' की धारा 122 का इस्तेमाल व्यापक व्यापार और चालू खाते के घाटे को आधार बनाकर टैरिफ लगाने के लिए नहीं कर सकता। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यह कानून 1970 के दशक में मौजूद अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली से जुड़े विशेष 'भुगतान-संतुलन' संकटों से निपटने के लिए बनाया गया था, न कि आधुनिक व्यापार घाटे के लिए।

जज मार्क ए. बार्नेट और क्लेयर आर. केली ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप की घोषणा यह साबित करने में विफल रही कि कानून के जरिए आवश्यक शर्तें पूरी हुई हैं। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में ये टैरिफ लगाए थे।

इसी साल की शुरुआत में भी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की पिछली टैरिफ व्यवस्था को रद्द कर दिया था। नए टैरिफ की घोषणा धारा 122 के तहत की गई थी, जो 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत

तक का अस्थायी आयात अधिभार लगाने की अनुमति देती है।

अदालत ने कहा कि प्रशासन ने 'भुगतान-संतुलन घाटे' की बजाय चालू खाते के घाटे और व्यापार घाटे का हवाला दिया, जबकि 1974 में कांग्रेस का उद्देश्य सीमित परिस्थितियों में ही इस प्रावधान का उपयोग करना था। जजों ने चेतावनी दी कि इस तरह की व्यापक व्याख्या को स्वीकार करने से राष्ट्रपति को प्रभावी रूप से असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा।

जज टिमोथी स्टैंसियू ने राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा के समर्थन में खड़े थे। उन्होंने तर्क दिया कि कोर्ट को राष्ट्रपति के आर्थिक निर्णयों पर सवाल नहीं उठाना चाहिए और न ही यह संकीर्ण रूप से परिभाषित करना चाहिए कि भुगतान-संतुलन घाटे को कैसे मापा जाता है।

फिलहाल, कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका की फेडरल सर्किट अपीलीय कोर्ट में अपील की जा सकती है और मामला आखिरकार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

होर्मुज़ स्ट्रेट में भारी तनाव : अमेरिका ने ईरान पर की बमबारी, ट्रंप बोले- उन्हें समझौते की ज़रूरत हमसे ज़्यादा

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। होर्मुज़ स्ट्रेट में एक बार फिर युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने ईरान के सैन्य ठिकानों पर भीषण बमबारी की है। यह कार्रवाई अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हुए कथित ईरानी हमलों के जवाब में की गई है। इस सैन्य टकराव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर न करने की स्थिति में उन्हें 'भारी कीमत' चुकानी होगी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर जब होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहे थे, तब ईरानी बलों ने मिसाइलों, ड्रोन और छोटी नौकाओं से उन पर हमला कर दिया। अमेरिका का कहना है कि उसने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए इन हमलों को नाकाम किया और दुश्मन को 'बुरी तरह तबाह' कर दिया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि ईरानी ड्रोनों को हवा में ही जला दिया गया और उनकी कई नौकाएं नष्ट कर दी गईं।

ईरान का पलटवार : 'अमेरिका ने तोड़ा सीज़फ़ायर' : दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर ही युद्धविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, अमेरिका ने पहले उनके एक तेल टैंकर पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरानी सेना ने कार्रवाई की। ईरान ने दावा किया है कि उनके 'तीव्र विस्फोटक वारहेड्स' वाले हमलों से अमेरिकी जहाजों को भारी

नुकसान पहुँचा है और वे इलाक़े से भागने पर मजबूर हो गए।

ट्रंप की चेतावनी और परमाणु मुद्दा : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि वह किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा 'बातचीत चल रही है, लेकिन ईरान को यह समझना होगा कि उन्हें इस समझौते की ज़रूरत अमेरिका से ज़्यादा है। अगर वे दस्तख़त नहीं करते, तो अंजाम बुरा होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि झड़पों के बावजूद सीज़फायर अभी प्रभावी है, लेकिन समुद्री नाकेबंदी जारी रहेगी ताकि ईरान के तेल निर्यात से होने वाले मुनाफ़े को सीमित किया जा सके।

क्या है मौजूदा स्थिति : क्षेत्र में तनाव चरम पर है। सोमवार को ही ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ़्रीडम' (समुद्री मार्गों को खुला रखने की पहल) को अस्थायी रूप से रोकने का एलान किया था, लेकिन ताज़ा हमलों ने शांति वार्ता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। फिलहाल, अमेरिका ने कहा है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैनात है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.